शुक्रवार 12 जून 2026
ज्येष्ठ कृष्ण - 13
डाक संस्करण
शनिवार 13 जून 2026
Email- dainiklokmaya@gmail.com
RNI No.-CHHHIN/2010/35328
डाक पंजीयन-छग/रायपुर संभाग/17/2026-2028

दैनिक अखबार संपूर्ण छत्तीसगढ़ के समाचार

लोकमाया

रायपुर, वर्ष-17, अंक - 150 रायपुर, भोपाल और दिल्ली से प्रकाशित E paper-lokmaya.news पृष्ठ- 12 मूल्य- ₹ 2

नीति आयोग की बैठक में सीएम साय ने रखा विकसित छत्तीसगढ़ का विजन

बस्तर में आमदनी दोगुनी करने का बड़ा संकल्प

लोकमाया न्यूज।

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की 11वीं बैठक में नक्सलवाद से मुक्त बस्तर की नई तस्वीर देश के सामने रखी। उन्होंने कहा कि दशकों तक हिंसा की मार झेलने वाला बस्तर अब आर्थिक पुनरुत्थान, रोजगार, शिक्षा, पर्यटन और कृषि आधारित विकास का मॉडल बनेगा।

मुख्यमंत्री ने बैठक में बस्तर के आदिवासी परिवारों की आय दोगुनी करने, दुग्ध क्रांति लाने, 32 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार करने, पर्यटन को बड़े उद्योग के रूप में विकसित करने तथा एआई और सेमीकंडक्टर जैसे आधुनिक क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने की व्यापक कार्ययोजना प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि विकसित भारत-2047 के विजन के अनुरूप छत्तीसगढ़ को विकसित राज्य बनाने की दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है। राष्ट्रपति भवन में आयोजित इस बैठक में केंद्रीय मंत्री, विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपाल, नीति आयोग के उपाध्यक्ष, सदस्य और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर अब नई पहचान की ओर बढ़ रहा है। वहां दूध उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है, खेतों तक पानी पहुंचाने की योजनाएं बनाई जा रही हैं, गांवों में डिजिटल स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंच रही हैं और युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।उन्होंने बताया कि अगले तीन वर्षों में बस्तर के परिवारों की मासिक आय बढ़ाकर 30 हजार रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में बस्तर के लगभग 85 प्रतिशत परिवारों की मासिक आय 15 हजार रुपये से कम है। सरकार खेती, पशुपालन, वन उपज, छोटे उद्योग और विभिन्न योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने पर काम कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर में डेयरी मॉडल को तेजी से लागू किया जा रहा है। इसके तहत आदिवासी परिवारों को दुधारू गाय और भैंस उपलब्ध कराने की योजना बनाई गई है। इसका उद्देश्य गांवों में स्थायी आय का स्रोत तैयार करना है। इस पहल से महिलाओं और युवाओं को रोजगार मिलेगा तथा गांवों में डेयरी केंद्र, दूध संग्रहण, परिवहन और स्थानीय बाजार जैसी नई आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने बताया कि सिंचाई सुविधा बढ़ाने के लिए 2,000 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाले दो बड़े प्रोजेक्ट शुरू किए जा रहे हैं। इन परियोजनाओं से 32 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। इंद्रावती नदी क्षेत्र में सालभर पानी उपलब्ध होने से खेती बेहतर होगी, उत्पादन बढ़ेगा और किसान धान के साथ-साथ सब्जियां, फल तथा अन्य नकदी फसलें भी उगा सकेंगे।मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर के दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए लगभग 36 लाख लोगों की डिजिटल हेल्थ प्रोफाइल तैयार की जा रही है। इससे मरीजों के इलाज, बीमारी और दवाओं का रिकॉर्ड सुरक्षित रहेगा तथा डॉक्टरों को समय पर सही जानकारी मिल सकेगी। इसका सबसे अधिक लाभ ग्रामीण क्षेत्रों, महिलाओं और बुजुर्गों को मिलेगा। उन्होंने बताया कि बस्तर में बने लगभग 200 सुरक्षा शिविरों को अब सेवा डेरा के रूप में विकसित किया जा रहा है। इन केंद्रों के माध्यम से ग्रामीणों को राशन, पेंशन, आयुष्मान कार्ड, बैंकिंग, स्वास्थ्य और शिक्षा सहित केंद्र एवं राज्य सरकार की 371 योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार चित्रकोट और बौद्ध धर्म से जुड़े तीर्थस्थल सिरपुर को विश्वस्तरीय पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित कर रही है। बस्तर में वॉटर स्पोर्ट्स, एडवेंचर स्पोर्ट्स और जंगल सफारी जैसी गतिविधियों का विस्तार किया जा रहा है, जबकि सिरपुर में ग्लोबल मेडिटेशन सेंटर, संग्रहालय और महानदी तट के विकास पर कार्य जारी है।

उन्होंने कहा कि पर्यटन रोजगार का बड़ा माध्यम बन सकता है। पर्यटकों के आने से होटल, परिवहन, गाइड, हस्तशिल्प, दुकानदारों और स्थानीय उद्यमियों को रोजगार मिलता है। बस्तर को वैश्विक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने से हजारों युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार निवेश, सुशासन और तकनीक आधारित विकास को तेजी से आगे बढ़ा रही है। राज्य में 435 सुधार लागू किए गए हैं और सिंगल विंडो सिस्टम को मजबूत बनाकर निवेश के लिए बेहतर वातावरण तैयार किया गया है। उन्होंने बताया कि राज्य में सेमीकंडक्टर क्षेत्र की दो आधुनिक इकाइयां स्थापित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि बस्तर में शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास और डिजिटल तकनीक के जरिए विकास का नया मॉडल तैयार किया जा रहा है।

कांकेर में आकाशीय बिजली गिरने से 3 ग्रामीणों की मौत

लोकमाया न्यूज।

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में आकाशीय बिजली गिरने से एक उप-सरपंच और दो अन्य लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हो गए। अंतागढ़ के ग्राम कलगांव में आज सुबह मनरेगा में काम करने के दौरान हुई बारिश से बचने को ग्रामीण पेड़ के नीचे आ गए, जहां आकाशीय बिजली गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं पांच लोग घायल हो गए हैं।

मामले की जानकारी देते हुए अंतागढ़ थाना प्रभारी ने बताया कि ग्राम कुलगांव में चल रहे मनरेगा में काम करने के लिए करीब 50 से 60 मजदूर काम करने के लिए गए हुए थे। शुक्रवार की सुबह अचानक से हुई बारिश से बचने के लिए सभी मजदूर पास के पेड़ के नीचे आ गये थे। अचानक से हुए आकाशीय बिजली गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई और पांच लोग घायल हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि अंतागढ़ ब्लॉक के कलगांव में मनरेगा (जी राम जी) योजना के तहत तालाब गहरीकरण का कार्य किया जा रहा था। इस दौरान आकाशीय बिजली गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई तो वहीं 5 महिला गंभीर रूप से घायल हो गई हैं। जिसमें 1 महिला को कांकेर रेफर किया जा रहा है। सभी घायलों का इलाज अभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अंतागढ़ में जारी है। 8 घायल लोगों में से तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में संतोष पटेल, प्रकाश पटेल, मनराज पटेल (उपसरपंच) सभी कलगांव निवासी है। सभी के शव को पोस्टमार्टम लिए भेज दिया गया है। वहीं, इस घटना से गांव में मातम छा गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है।

मनु भाकर के कोच जसपाल राणा नहीं रहे

जर्मनी से लौटते वक्त विमान में बिगड़ी थी तबीयत

लोकमाया न्यूज।

नई दिल्ली। भारतीय खेल जगत के लिए शुक्रवार का दिन एक बेहद दुखद और स्तब्ध करने वाली खबर लेकर आया। देश के महान निशानेबाज और विख्यात कोच जसपाल राणा का 49 वर्ष की आयु में आकस्मिक निधन हो गया है। पिछले सप्ताह अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उनका इलाज चल रहा था, लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। राष्ट्रीय राइफल संघ ने उनके असामयिक निधन की आधिकारिक पुष्टि की है। उनके जाने से भारतीय खेल जगत, विशेषकर शूटिंग बिरादरी में गहरे शोक की लहर दौड़ गई है और इसे खेल इतिहास के लिए एक अपूरणीय क्षति माना जा रहा है।राणा के कोचिंग करियर का स्वर्णिम अध्याय देश की स्टार निशानेबाज मनु भाकर के साथ जुड़ा रहा।

उन्होंने मनु के करियर के सबसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील दौर में उनके खेल को एक नया आयाम दिया। उनके कुशल मार्गदर्शन और गहन प्रशिक्षण का ही परिणाम था कि मनु भाकर ने वर्ष 2024 के पेरिस ओलंपिक में इतिहास रचते हुए महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल और मिक्स्ड टीम 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धाओं में दो ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया।जानकारी के अनुसार, जसपाल राणा वर्तमान में भारतीय पिस्टल निशानेबाजों के हाई-परफॉर्मेंस कोच के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे थे। पिछले हफ्ते म्यूनिख, जर्मनी में आयोजित हुए आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में भाग लेकर जब भारतीय दल स्वदेश लौट रहा था, तब उड़ान के दौरान विमान में अचानक उनकी तबीयत खराब हो गई थी। दिल्ली के हवाई अड्डे पर उतरने के तुरंत बाद उन्हें साकेत स्थित मैक्स अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी आवश्यक चिकित्सा प्रक्रियाएं पूरी की गईं और चिकित्सकों की देखरेख में उनका सघन उपचार चल रहा था। दुर्भाग्यवश, उपचार के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली।जसपाल राणा का जाना भारतीय निशानेबाजी के लिए एक युग का अंत माना जा रहा है। उन्होंने तीन दशकों से भी अधिक समय तक एक उत्कृष्ट खिलाड़ी और मार्गदर्शक के रूप में इस खेल की सेवा की।

सायोनी घोष ने ममता को किया बाय-बाय, यूसुफ ने भी छोड़ा साथ

लोकमाया

■ 19 सांसदों और 64 विधायकों के बागी होने से टीएमसी में संकट

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) इस समय अपने सबसे बड़े राजनीतिक संकट से जूझ रही है। पार्टी के भीतर असंतोष इस कदर बढ़ चुका है कि लोकसभा से लेकर राज्यसभा और विधानसभा तक, ममता बनर्जी के खिलाफ उनके अपने ही नेताओं ने मोर्चा खोल दिया है। शुक्रवार को सामने आई एक सूची ने राज्य की सियासत में हड़कंप मचा दिया है, जिसमें टीएमसी के 19 लोकसभा सांसदों के नाम शामिल हैं। इस सूची में टीएमसी के कई बड़े और चर्चित चेहरे शामिल हैं, जिनमें सायोनी घोष, पूर्व क्रिकेटर यूसुफ पठान, काकोली घोष दस्तीदार, शताब्दी रॉय, बापी हलदार, डॉ. शर्मिला सरकार, प्रसून बंद्योपाध्याय, जगदीश बर्मा बसुनिया, असित कुमार माल, अरूप चक्रवर्ती, रचना बनर्जी, खलीलुर रहमान, अबू ताहेर खान, मिताली बाग, माला रॉय, कालीपद सोरेन, दीपक अधिकारी, जून मलिया और पार्थ भौमिक के नाम बताए जा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, लंबे समय से 20 सांसदों के अलग गुट बनाने की अटकलें थीं, और केवल एक वरिष्ठ सांसद के फैसले के इंतजार में यह सूची रुकी हुई थी।

दावा किया जा रहा है कि इन 19 बागी सांसदों ने मई महीने में ही लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को अपना एक साझा समर्थन पत्र सौंप दिया था। हालांकि, यह अभी पूरी तरह साफ नहीं है कि यह गुट राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल होगा या अपनी अलग राह चुनेगा। सिर्फ लोकसभा ही नहीं, राज्यसभा में भी ममता बनर्जी की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। उच्च सदन में महज चार दिनों के भीतर पार्टी को बड़ा झटका लगा है, जब कोयल मलिक ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। वह पिछले कुछ दिनों में इस्तीफा देने वालीं चौथी राज्यसभा सांसद हैं। उनसे पहले सुखेंदु शेखर रे, सुष्मिता देव और प्रकाश बरेक भी संसद सदस्यता छोड़ चुके हैं। सुखेंदु शेखर रे ने तो पार्टी के सभी पदों से भी दूरी बना ली है। इन इस्तीफों के बाद राज्यसभा में टीएमसी सांसदों की संख्या घटकर अब सिर्फ 9 रह गई है, जिससे पार्टी की ताकत काफी कमजोर हो गई है।

दूसरी ओर, पश्चिम बंगाल विधानसभा के भीतर भी बगावत की आग तेजी से फैल रही है। बागी गुट का नेतृत्व कर रहे रिताब्रता बनर्जी का दावा है कि उनके साथ आने वाले विधायकों की संख्या अब बढ़कर 64 हो चुकी है। गौरतलब है कि टीएमसी ने विधानसभा चुनाव में 80 सीटों पर जीत हासिल की थी। अगर रिताब्रता बनर्जी का यह दावा पूरी तरह सही साबित होता है, तो ममता बनर्जी के साथ केवल 16 विधायक ही रह जाएंगे, जिससे राज्य सरकार के अस्तित्व पर भी संकट मंडराने लगेगा।इस भारी उठापटक के बीच अब यह कयास लगाए जा रहे हैं कि बागी सांसदों और विधायकों का यह समूह जल्द ही भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) का रुख कर सकता है। यह गुट चुनाव आयोग के सामने खुद को असली तृणमूल कांग्रेस के रूप में मान्यता देने की मांग रख सकता है। यदि आयोग इस बागी गुट के पक्ष में फैसला सुनाता है, तो ममता बनर्जी के हाथ से न सिर्फ पार्टी का नाम बल्कि उसका आधिकारिक चुनाव चिह्न भी छिन सकता है। इससे पहले महाराष्ट्र में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के साथ भी ऐसा ही घटनाक्रम देखने को मिल चुका है, जहां मूल नेतृत्व को अपनी ही पार्टी के नाम और चिह्न से हाथ धोना पड़ा था।

एनसीपी में बगावत, कांग्रेस ने कहा- विलय का रास्ता खुला

मुंबई। महाराष्ट्र के राजनीतिक गलियारों से एक बेहद चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, कांग्रेस हाईकमान ने शरद पवार को अपनी पार्टी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) का कांग्रेस में पूरी तरह से विलय करने का एक बड़ा प्रस्ताव दिया है। इस बड़े सियासी घटनाक्रम के बीच शरद पवार के नेतृत्व वाले गुट में आंतरिक कलह और फूट भी खुलकर सामने आ गई है, जिसने राज्य की राजनीति में हलचल तेज कर दी है। एक तरफ जहां विलय की चर्चाएं गर्म हैं, वहीं दूसरी तरफ शरद पवार गुट के तीन विधायकों—उत्तमराव जानकर, अभिजीत पाटिल और नारायण पाटिल—ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण से मुलाकात की है। माना जा रहा है कि टिकट वितरण से नाराज ये तीनों विधायक जल्द ही भाजपा में शामिल हो सकते हैं।

रूस को ब्रह्मोस मिसाइल देगा भारत

रक्षा निर्यात में नई दिल्ली लगा रही बड़ी छलांग

लोकमाया

नई दिल्ली। भारत और रूस के संयुक्त प्रयासों से विकसित हुई ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल अब वापस रूस को ही बेची जा सकती है। ब्रह्मोस एयरोस्पेस ने स्पष्ट किया है कि यदि मॉस्को की ओर से इस मिसाइल को लेकर कोई ऑर्डर आता है, तो कंपनी उसे पूरा करने के लिए पूरी तरह सक्षम और तैयार है। इसका सीधा मतलब यह है कि जिस अचूक मिसाइल को भारत ने अपनी सैन्य संप्रभुता और सामरिक ताकत का मुख्य स्तंभ बनाया है, वह अब रूस की थलसेना और नौसेना के शस्त्रागार की भी शोभा बढ़ा सकती है। अंतरराष्ट्रीय नौसेना प्रदर्शनी 'फ्लीट-2026' के दौरान ब्रह्मोस एयरोस्पेस के शीर्ष नेतृत्व ने इस बात की पुष्टि की कि उनके पास पर्याप्त उत्पादन क्षमता है और वे रूस की सैन्य आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से समझते हैं।

यह मिसाइल भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और रूस के एनपीओ मशीनोस्ट्रोयेनिया का एक संयुक्त उपक्रम है। दोनों देशों ने साल 1995 में मिलकर ब्रह्मोस एयरोस्पेस की स्थापना की थी। भारत की ब्रह्मपुत्र और रूस की मॉस्कवा नदी के नाम पर इस घातक मिसाइल का नाम ब्रह्मोस रखा गया था, जिसे आज दुनिया की सबसे तेज और सटीक सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों में गिना जाता है। जमीन, हवा और समुद्र—तीनों ही प्लेटफॉर्म से दागी जा सकने वाली इस मिसाइल की मारक क्षमता और सटीकता का लोहा पूरी दुनिया मानती है। भारतीय थलसेना, वायुसेना और नौसेना लंबे समय से इसका सफलतापूर्वक संचालन कर रही हैं। पड़ोसी देश पाकिस्तान के खिलाफ एक विशेष सैन्य ऑपरेशन के दौरान भी इस मिसाइल ने अपनी अचूक मारक क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया था, जिसके बाद वैश्विक स्तर पर इसकी मांग में भारी उछाल आया है। वर्तमान में भारत एक बड़े रक्षा निर्यातक के रूप में उभर रहा है। ब्रह्मोस का पहला विदेशी ग्राहक फिलीपींस बना, जिसके साथ साल 2022 में 37.5 करोड़ डॉलर का सौदा हुआ था।

सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

अनुशासनहीनता मात्र पर नौकरी से नहीं निकाला जा सकता कर्मचारी

शीर्ष अदालत ने कहा—
बर्खास्तगी सबसे कठोर सजा, इसका उपयोग केवल गंभीर भ्रष्टाचार, अनैतिक आचरण या संस्थान को नुकसान पहुंचाने वाले मामलों में हो

लोकमाया

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि किसी कर्मचारी को केवल अनुशासनहीनता, आदेशों की अवहेलना या वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश न मानने के आधार पर नौकरी से नहीं निकाला जा सकता। अदालत ने स्पष्ट किया कि बर्खास्तगी जैसी कठोर सजा केवल उन मामलों में दी जानी चाहिए, जहां भ्रष्टाचार, अनैतिक आचरण, वित्तीय अनियमितता या नियोक्ता को गंभीर नुकसान पहुंचाने वाली हरकतें साबित हों।

जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एनके सिंह की पीठ ने एक मामले की सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। अदालत ने कहा कि कार्यस्थल पर अनुशासन का महत्व निर्विवाद है, लेकिन अनुशासनहीनता के हर मामले में नौकरी से निकालना न्यायसंगत नहीं माना जा सकता। पीठ ने कहा कि भ्रष्टाचार, अवैध लाभ प्राप्त करना, फंड का दुरुपयोग, संगठन की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाना या नियोक्ता को प्रत्यक्ष क्षति पहुंचाने जैसे गंभीर मामलों के अभाव में कर्मचारी को सेवा से हटाना अत्यधिक कठोर कदम होगा। अदालत के अनुसार, किसी भी सजा का संबंध कर्मचारी के कृत्य की गंभीरता, उसके पूर्व सेवा रिकॉर्ड, परिस्थितियों और संस्थान पर पड़े प्रभाव से होना चाहिए।

यह टिप्पणी महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के एक कर्मचारी को वर्ष 2017 में सेवा से बर्खास्त किए जाने के आदेश को निरस्त करते हुए की गई। अदालत ने कहा कि बर्खास्तगी कर्मचारी और नियोक्ता के संबंधों को स्थायी रूप से समाप्त कर देती है तथा कर्मचारी को सेवानिवृत्ति और अन्य सेवा लाभों से भी वंचित कर देती है।

पीठ ने यह भी कहा कि ऐसे निर्णयों का प्रभाव केवल कर्मचारी तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसके परिवार की आर्थिक सुरक्षा और भविष्य भी प्रभावित होता है। न्यायमूर्ति एन. के. सिंह ने कहा कि नौकरी से निकाले जाने का दाग व्यक्ति के सेवा रिकॉर्ड पर स्थायी रूप से दर्ज हो जाता है, जिससे भविष्य में रोजगार के अवसर प्रभावित हो सकते हैं, विशेषकर सरकारी सेवाओं, सार्वजनिक उपक्रमों और अन्य विनियमित संस्थानों में।

अवहेलना और सरकारी दस्तावेजों के नष्ट करने के थे आरोप

अदालत ने कर्मचारी की 21 वर्षों की सेवा को ध्यान में रखते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि कथित अनुशासनहीनता, आदेशों की अवहेलना और सरकारी दस्तावेजों के नष्ट किए जाने के आरोपों के संदर्भ में दी जाने वाली सजा पर पुनर्विचार किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने दोहराया कि बर्खास्तगी का दंड केवल अत्यंत गंभीर मामलों के लिए सुरक्षित रखा जाना चाहिए, जहां सहानुभूति या नरमी की कोई गुंजाइश न हो।

इंडिगो फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी

■ टेकऑफ से पहले रोकी गई उड़ान

लोकमाया

लखनऊ। लखनऊ से दिल्ली के लिए रवाना होने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6ई 2111 को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद शुक्रवार को हड़कंप मच गया। सुरक्षा एजेंसियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए विमान को टेकऑफ से पहले रोक लिया और उसकी गहन जांच शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार, इंडिगो की यह फ्लाइट शुक्रवार को लखनऊ से दिल्ली के लिए निर्धारित थी। उड़ान भरने से ठीक पहले विमान में सुरक्षा से जुड़ा संभावित खतरा सामने आया, जिसके बाद स्थापित सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत संबंधित एजेंसियों को तुरंत सूचित किया गया।घटना की जानकारी मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गईं और विमान की विस्तृत तलाशी ली गई। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक जांच प्रक्रियाएं अपनाई गईं। जांच पूरी होने और संबंधित अधिकारियों से आवश्यक मंजूरी मिलने के बाद ही विमान को दिल्ली के लिए रवाना किया जाएगा।

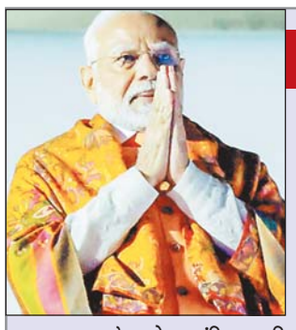

प्रधानमंत्री मोदी ने राजनीति को सत्ता का माध्यम नहीं, राष्ट्रसेवा का सर्वोच्च साधन बनाया

आज पूरा विश्व भारत को निर्णायक शक्ति, विश्वसनीय साझेदार और भविष्य के नेतृत्वकर्ता के रूप में देखता है

राजेन्द्र शुक्ल
(लेखक मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री है।)

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में कुछ क्षण ऐसे हैं, जो केवल राजनीतिक उपलब्धि नहीं होते, बल्कि राष्ट्र की सामूहिक आकांक्षाओं और रविश्वास विश्व का प्रतीक बन जाते जाते है हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भारत के के देश की जनता के निरंतर विश्वास के साथ ऐतिहासिक जनादेश प्राप्त कर दीर्घकाल तक राष्ट्र का ट्रका नेतृत्व करने का अवसर प्राप्त करना गौरवपूर्ण क्षण है। यह केवल एक व्यक्ति की सफलता सफलता नहीं, बल्कि नए भारत के निर्माण के संकल्प, सेवा और सुशासन की विजय है। प्रधानमंत्री मोदी ने राजनीति को सत्ता का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्रसेवा का सर्वोच्च साधन बनाया। उनके नेतृत्व में भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी एक नई पहचान स्थापित की है। आज विश्व भारत को केवल एक बड़ा बाजार नहीं, बल्कि एक निर्णायक शक्ति, विश्वसनीय साझेदार और भविष्य के नेतृत्वकर्ता के रूप में देखता है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की आवाज पहले से कहीं अधिक प्रभावशाली हुई है और यह परिवर्तन प्रधानमंत्री की दूरदर्शी सोच तथा निर्णायक नेतृत्व का परिणाम है।

प्रधानमंत्री मोदी का देश के सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में स्थापित होना केवल राजनीतिक उपलब्धि नहीं, यह भारत की जनता के अटूट विश्वास और स्नेह का प्रतीक है। निरंतर जनसमर्थन किसी पद या प्रचार से नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण, पारदर्शिता, निर्णायक नेतृत्व और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की कार्यशैली से अर्जित होता है। प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं को सदैव प्रधानसेवक% के रूप में प्रस्तुत किया और गरीब, किसान, महिला, युवा तथा समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का सतत प्रयास किया। यही कारण है कि देश की जनता ने बार-बार उन पर अपना विश्वास व्यक्त किया। उनका सादगीपूर्ण व्यक्तित्व, अथक कार्यशक्ति, दूरदर्शी सोच और भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का स्पष्ट संकल्प करोड़ों भारतीयों को प्रेरित करता है तथा उन्हें जन-जन का प्रिय नेता बनाता है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत ने आत्मनिर्भरता, डिजिटल क्रांति, आधारभूत संरचना, रक्षा क्षमता, अंतरिक्ष विज्ञान और आर्थिक सुधारों के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। जनधन, उज्ज्वला, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना, हर घर जल, स्वच्छ भारत मिशन, पीएम किसान सम्मान निधि और डिजिटल इंडिया जैसे अनेक कार्यक्रमों ने करोड़ों नागरिकों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाया है। शासन की योजनाएँ पहली बार अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पारदर्शी ढंग से पहुंची हैं।

भारतीय संस्कृति-आस्था के पुनर्जागरण का कालखंड = भारतीय संस्कृति और आस्था के पुनर्जागरण का भी वह कालखंड इतिहास मेंस्वर्ण अक्षरों में अंकित रहेगा। अयोध्या में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण और रामलला की प्राण प्रतिष्ठा करोड़ों भारतीयों की सदियों पुरानी आस्था की पूर्ति का क्षण था। यह केवल मंदिर निर्माण नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना और आत्मगौरव का पुनर्स्थापन था। जम्मू-कश्मीर से संबंधित ऐतिहासिक निर्णयों ने राष्ट्रीय एकीकरण को नई मजबूती प्रदान की। विकास और लोकतंत्र की मुख्यधारा से जुड़ते हुए जम्मू-कश्मीर आज नए अवसरों की ओर अग्रसर है। प्रधानमंत्री ने यह सिद्ध किया कि दृढ़ इच्छाशक्ति और स्पष्ट नीति के साथ कठिन से कठिन निर्णय भी राष्ट्र ?हित में लिए जा सकते हैं।

मध्यप्रदेश को मिला प्रधानमंत्री मोदी का विशेष स्नेह और मार्गदर्शन= मध्यप्रदेश प्रधानमंत्री मोदी के विशेष स्नेह और मार्गदर्शन का लाभ निरंतर प्राप्त करता रहा है। प्रदेश में सड़क, रेल, सिंचाई, ऊर्जा, शहरी विकास और स्वास्थ्य क्षेत्र में अभूतपूर्व निवेश एवं परियोजनाओं ने विकास को नई गति दी है। प्रधानमंत्री की प्रेरणा से गरीब, किसान, महिला और युवाओं के जीवन में बदलाव लाने वाली अनेक योजनाओं का प्रभाव प्रदेश के प्रत्येक जिले तक पहुंचा है। विध्य क्षेत्र और विशेष रूप से मेरा गृहक्षेत्र रीवा भी इस परिवर्तनकारी यात्रा का साक्षी बना है। रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर पावर प्रोजेक्ट ने न केवल मध्यप्रदेश बल्कि पूरे देश को स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में नई पहचान दिलाई। यह परियोजना प्रधानमंत्री के उस विजन का प्रतीक है जिसमें विकास और पर्यावरण संरक्षण साथ-साथ चलते हैं। आज रीवा देश के ऊर्जा मानचित्र पर एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है और विध्य की पहचान नई संभावनाओं से जुड़ चुकी है। विध्य क्षेत्र में सड़क संपर्क, रेल सुविधाओं, शिक्षा संस्थानों और आधारभूत संरचना के विस्तार ने विकास के नए द्वार खोले हैं। यह क्षेत्र अब पिछड़ेपन की पहचान से आगे बढ़कर प्रगति और संभावनाओं के केंद्र के रूप में उभर रहा है। इसके लिए प्रधानमंत्री का मार्गदर्शन और केंद्र सरकार का सतत सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। स्वास्थ्य मंत्री के रूप में मुझे यह अनुभव करने का अवसर मिला है कि प्रधानमंत्री की सोच केवल इलाज तक सीमित नहीं है, बल्कि स्वस्थ भारत के व्यापक निर्माण की है। आयुष्मान भारत जैसी ऐतिहासिक योजना ने गरीब परिवारों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान की है। मेडिकल कॉलेजों के विस्तार, स्वास्थ्य अधोसंरचना के सुदीकरण, आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं औरजनकल्याणकारी स्वास्थ्य योजनाओं ने मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा दी है। प्रदेश सरकार भी प्रधानमंत्री के इसी दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए प्रत्येक नागरिक तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएँ पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रधानमंत्री मोदी का नेतृत्व हमें यह विश्वास देता है कि विकसित भारत का सकल्प केवल एक सपना नहीं, बल्कि एक साकार होती राष्ट्रीय यात्रा है। उनके नेतृत्व में भारत ने आत्मविश्वास, सांस्कृतिक गौरव और विकास के नए आयाम स्थापित किए है। आज प्रत्येक भारतीय गर्व के साथ कह सकता है कि उसका देश विश्व पटल पर नई ऊँचाइयों को छू रहा है। व्यक्तिगत रूप से मैं स्वयं को सौभाग्यशाली मानता हूँ कि मुझे ऐसे युगनिर्माता नेतृत्व के साथ कार्य करने काअवसर प्राप्त हुआ है। भारतीय चिंतन में आदर्श नेतृत्व का आधार सदैव लोककल्याण और राष्ट्र ?हित रहा है।

प्रजासुखे सुखं राज्ञ: प्रजानां च हिते हितम्। नात्मप्रियं हितं राज्ञ: प्रजानां तु प्रियं हितम् ॥ शासक का सुख प्रजा के सुख में और उसका हित प्रजा के हित में निहित होता है।

संक्षिप्त समाचार

सीएम ने नवनिर्वाचित राज्यसभा सदस्यों को दी बधाई

भोपाल (लोकमाया)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश से राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित हुए प्रत्याशियों तरुण चुघ, रजनीश अग्रवाल और महेश केवट को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि तीनों निर्वाचित सदस्य राज्यसभा में जनता के हितों, जनभावनाओं और विकास से जुड़े विषयों को प्रभावी रूप से उठाएंगे और देश और प्रदेश के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

सीएम ने पं. रामप्रसाद बिस्मिल को किया नमन

भोपाल (लोकमाया)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अमर क्रांतिकारी पंडित रामप्रसाद बिस्मिल की जयंती पर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा कि अमर क्रांतिकारी पं. बिस्मिल ने स्वतंत्रता को सर्वोच्च मानकर अपना सर्वस्व अर्पित किया। उनका मातृभूमि के प्रति त्याग, अदम्य साहस और समर्पण, सदैव राष्ट्र सेवा की प्रेरणा देता रहेगा।

हासे द्वितीय परीक्षा के परिणाम आज

भोपाल (लोकमाया)। माध्यमिक शिक्षा मंडल, मध्यप्रदेश, भोपाल द्वारा आयोजित हायर सेकंडरी द्वितीय परीक्षा वर्ष-2026 का परीक्षा परिणाम 12 जून 2026 को घोषित किया जाएगा। यह परिणाम शाम 4 बजे जारी किया जाएगा। परीक्षार्थी अपना परीक्षा परिणाम मंडल की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर देख सकेंगे।

वडोदरा मंडल में ब्लॉक के कारण कुछ ट्रेनें प्रभावित

रतलाम (लोकमाया)। पश्चिम रेलवे वडोदरा मंडल के वडोदरा-गोधरा रेल खंड में स्थित छायापुरी -पिलोल स्टेशनों के मध्य प्रस्तावित ब्लॉक के कारण पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल से होकर गुजरने वाली दो यात्री ट्रेनें प्रभावित होंगी। पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी श्री मुकेश कुमार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार प्रभावित ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है:- 1. 14 जून 2026 को वडोदरा से चलने वाली गाड़ी संख्या 69117 वडोदरा दाहोद मेमू वडोदरा - गोधरा के मध्य निरस्त रहेगी।2. 14 जून 2026 को उधना से चलने वाली गाड़ी संख्या 09067 उधना-हसनपुर रोड स्पेशल 02 घंटे 15 मिनट विलंब से प्रस्थान करेगी। यात्रियों से अनुरोध है कि ट्रेनों के ठहराव, समय एवं ट्रेनों की वास्तविक स्थिति की जानकारी भारतीय रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in पर अवश्य देखें साथ ही रेलवन ऐप पर भी जानकारी ले सकते हैं।

मप्र पॉवर जनरेटिंग कंपनी में 61 प्रशिक्षुओं को नियुक्ति पत्र जारी

भोपाल(लोकमाया)। मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड द्वारा कंपनी की कार्यक्षमता को और अधिक सुदृढ़ बनाने व युवा एवं दक्ष प्रशिक्षुओं को अवसर प्रदान करने की दिशा में भर्ती प्रक्रिया निरंतर जारी है। इसी क्रम में कंपनी द्वारा दस्तावेज सत्यापन प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरांत कुल 61 चयनित संयंत्र सहायक पद पर प्रशिक्षु के रूप में चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति प्रस्ताव पत्र जारी किए गए हैं। नियुक्ति पत्र कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट के करियर अनुभाग में अपलोड कर दिए गए हैं। सीधी भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत श्रेणी-3 के संयंत्र सहायक प्रशिक्षु पदों के लिये कुल 61 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र जारी किए गए हैं। इनमें संयंत्र सहायक प्रशिक्षु (मैकेनिकल-36) एवं संयंत्र सहायक प्रशिक्षु (इलेक्ट्रिकल-25) के चयनित अभ्यर्थियों को उनके आवंटित पदस्थापना स्थल पर उपस्थित होने हेतु निर्देशित किया गया है।

प्रदेशवासियों से मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की अपील

योग के ऑनलाइन सत्र में 14 जून को हर नागरिक हो शामिल : डॉ. यादव

'घर-घर योग, हर व्यक्ति निरोग' के संकल्प को साकार करने में बनें सहयोगी

लोकमाया न्यूज।

भोपाल,निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समस्त प्रदेशवासियों से ऑनलाइन योग सत्र में शामिल होने की अपील की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने योग भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा की अमूल्य धरोहर है, जिसने आज सम्पूर्ण विश्व को स्वस्थ एवं संतुलित जीवन का मार्ग दिखाया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस एक वैश्विक जनआंदोलन के रूप में स्थापित हुआ है। आज अनेक राष्ट्र योग के महत्व को स्वीकार और अंगीकार कर चुके हैं। योग दिवस 21 जून पर अनेक आयोजनों के साथ ही 14 जून को विशेष ऑनलाइन सत्र आयोजित किया जा रहा है। बीस मिनिट के इस ऑनलाइन सत्र में कोई भी नागरिक हिस्सा ले सकता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस : 2026 के सातवें काउन्ट डाउन के अवसर पर आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने 14 जून, 2026 को प्रात: 06:15 बजे से 07:35 बजे तक एक विशेष ऑनलाइन योग सत्र के आयोजन का निर्णय लिया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य अधिक से अधिक नागरिकों को योग से जोड़ते हुए स्वस्थ, जागरूक एवं निरोग समाज का निर्माण करना है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के सभी नागरिकों, युवाओं, महिलाओं, वरिष्ठजनों, विद्यार्थियों, शासकीय सेवकों एवं सामाजिक संगठनों से आग्रह किया है कि वे इस ऑनलाइन योग सत्र में अधिकाधिक संख्या में सहभागी बनें और योग को अपनी दैनिक जीवन शैली का अभिन्न अंग बनाएं।

टोल फ्री नंबर सुविधा

कार्यक्रम से जुड़ने के लिए टोल-फ्री नम्बर 1800-315-7008 पर मिस्ड कॉल देकर पंजीयन किया जा सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों से की गई अपील में कहा है कि आइए, हम सभी मिलकर 'घर-घर योग, हर व्यक्ति निरोग' के संकल्प के साथ अब हर घर योग को गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड बनाने में सहभागी बनें और स्वस्थ मध्यप्रदेश और विकसित भारत के निर्माण में अपना योगदान दें।

वर्ल्ड चैंपियनशिप्स 2026 : भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे मप्र के अहिरवार

ग्लोबल स्किल्स चैलेंज 2026, ऑस्ट्रेलिया के लिए भी हुए चयनित

लोकमाया न्यूज।

भोपाल,निप्र। मध्यप्रदेश के युवा प्रतिभागी अजय अहिरवार ने इंडिया स्किल्स नेशनल कंपीटिशन 2025- 26 में ब्रिक लेइंग स्किल में स्वर्ण पदक प्राप्त कर प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। उनका चयन भारत की ओर से वर्ल्ड स्किल्स कंपीटिशन 2026 के लिए हुआ है, यह कंपीटिशन सितंबर 2026 में शंघाई, चीन में आयोजित होगी। ग्लोबल स्किल्स चैलेंज 2026 के लिए भी हुआ है, जिसका आयोजन 23 से 29 जून 2026 तक ऑस्ट्रेलिया में किया जाएगा। प्रतियोगिता में वे भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। अजय कानपुर में उन्नत प्रशिक्षण प्राप्त कर आगामी अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारी कर रहे हैं।

अजय की यह उपलब्धि प्रेरणादायी है। सीमित संसाधनों के बीच अपनी मेहनत, लगन और कौशल के बल पर उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अंतर्राष्ट्रीय मंच तक अपनी पहचान बनाई है। उनकी सफलता यह दर्शाती है कि सही प्रशिक्षण, निरंतर अभ्यास और दृढ़ संकल्प के माध्यम से युवा वैश्विक स्तर पर भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकते हैं। अजय की उपलब्धियों और उनकी तैयारी को प्रोत्साहित करने के लिए मध्यप्रदेश राज्य कौशल विकास एवं रोजगार निर्माण बोर्ड द्वारा विशेष वित्तीय सहायता प्रदान की गई है, जिससे वे आगामी प्रतियोगिताओं की तैयारी और अधिक प्रभावी ढंग से कर सकें। मप्र में कौशल विकास को बढ़ावा देने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, जिसके सकारात्मक परिणाम राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रदेश के युवाओं के उत्कृष्ट प्रदर्शन के रूप में सामने आ रहे हैं।

शिक्षा, श्रेष्ठ नागरिक निर्माण का सबसे प्रभावी उपक्रम : परमार

लोकमाया न्यूज।

भोपाल,निप्र। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने कहा है कि शिक्षा केवल विषयविद बनाने का साधन नहीं, बल्कि श्रेष्ठ नागरिक निर्माण का सबसे प्रभावी उपक्रम है। शिक्षित और संस्कारित युवा ही विकसित भारत के निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति हैं। मंत्री परमार भोपाल स्थित सेज यूनिवर्सिटी परिसर में आयोजित 'सेज करियर डे-2026' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में वर्ष 2024 से 2026 के दौरान राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठित कंपनियों में चयनित 4 हजार 500 से अधिक विद्यार्थियों की उपलब्धियों का उत्सव मनाया। इस दौरान मंत्री परमार ने कहा कि सेज यूनिवर्सिटी शिक्षा, कौशल विकास और रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण के माध्यम से युवाओं को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने का महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। सेज ग्रुप के डायरेक्टर जनरल डॉ. सर्वेश शुक्ला ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों, उद्योग-अकादमिक सहयोग तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी।

भगवान बुद्ध के संदेश को विश्व में आगे बढ़ा रहे पीएम मोदी : परमार

श्री सारिपुत्र एवं महामोद्गलायन के पवित्र अस्थि अवशेषों की मंगोलिया प्रवास उपरांत भोपाल वापसी पर हुआ भव्य स्वागत

लोकमाया न्यूज।

भोपाल,निप्र। भगवान गौतम बुद्ध के परम शिष्यों सारिपुत्र एवं महामोद्गलायन के पवित्र अस्थि अवशेष मंगोलिया के दस दिवसीय आध्यात्मिक प्रवास के उपरांत गुरुवार को भोपाल स्थित राजा भोज विमानतल पहुंचे। इस अवसर पर मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग द्वारा श्रद्धा, सम्मान एवं गरिमा के साथ स्वागत समारोह आयोजित किया गया। श्रद्धालुओं एवं गणमान्य अतिथियों ने पुष्पवर्षा कर पवित्र अवशेषों का आत्मीय अभिनंदन किया।

मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार थे। महाबोधि सोसायटी, साँची के पूज्य बान गल उप तिस्स नायक थेरो एवं बान गल विमल तिस्स थेरो, संस्कृति विभाग के अपर मुख्य सचिव शिवशेखर शुक्ला, संचालक संस्कृति एन.पी. नामदेव तथा मंगोलिया प्रवास पर गए भारतीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य उपस्थित थे। मंत्री परमार ने कहा कि भगवान बुद्ध द्वारा प्रदत्त शांति, करुणा और मानव कल्याण का संदेश आज भी विश्व को दिशा प्रदान कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना के माध्यम से इसी मानवीय और आध्यात्मिक विरासत को वैश्विक स्तर पर सशक्त बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिन देशों तक भगवान बुद्ध का संदेश पहुंचा है, वहां भारत के साथ सांस्कृतिक आत्मीयता और आध्यात्मिक जुड़ाव की मजबूत आधारशिला निर्मित हुई है। अपर मुख्य सचिव संस्कृति शिवशेखर शुक्ला ने कहा प्रधानमंत्री मोदी के विशेष प्रयासों से भगवान बुद्ध एवं उनके प्रमुख शिष्यों के पवित्र अवशेषों के दर्शन विश्व के बौद्ध समुदायों को उपलब्ध हो रहे हैं। मंगोलिया के गंदन मठ में एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने पवित्र अवशेषों के दर्शन कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रधानमंत्री मोदी के 12 वर्ष पूर्ण होने पर सुरखी में लगेगा जनकल्याण शिविर

केंद्र-प्रदेश सरकार की योजनाओं का मिलेगा लाभ : राजपूत

लोकमाया न्यूज।

भोपाल,निप्र। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सागर जिले की सुरखी विधानसभा क्षेत्र में 16, 17 एवं 18 जून को तीन दिवसीय जनकल्याण शिविरों का आयोजन किया जाएगा। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत के मार्गदर्शन में राहतगढ़ जनपद पंचायत, जैसीनगर जनपद पंचायत, नगर परिषद सुरखी एवं नगर परिषद बिलहरा में शिविर आयोजित होंगे, जहां आमजन की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जाएगा।

16 से 18 जून तक आमजन की समस्याओं का होगा त्वरित निराकरण

खाद्य मंत्री राजपूत ने क्षेत्र की जनता तथा भाजपा कार्यकर्ताओं से इन शिविरों में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में देश ने विकास, सुशासन, गरीब कल्याण, आत्मनिर्भरता और जनसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। इन उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने और पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ

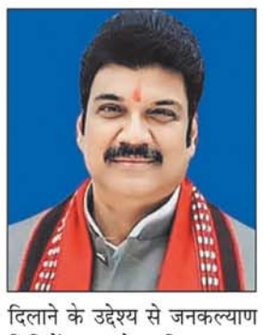

दिलाने के उद्देश्य से जनकल्याण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, आयुष्मान भारत योजना, उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, मुद्रा योजना और जनधन योजना जैसी योजनाओं ने समाज के हर वर्ग के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य किया है। इन योजनाओं के माध्यम से गरीब, किसान, महिला, युवा और श्रमिक वर्ग को सशक्त बनाया गया है।

मंत्री राजपूत ने बताया कि मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार भी जनकल्याण के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है। लाड़ली बहना योजना, मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना, मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाएं तथा विभिन्न स्वरोजगार कार्यक्रमों के माध्यम से प्रदेश के नागरिकों को लाभान्वित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनकल्याण शिविरों में सभी विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहेंगे। नागरिक अपनी शिकायतें, समस्याएं एवं योजनाओं से संबंधित आवेदन लेकर शिविर में पहुंच सकते हैं, जहां उनका मौके पर ही निराकरण करने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही पात्र हितग्राहियों के आवेदन स्वीकार कर उन्हें विभिन्न शासकीय योजनाओं से जोड़ा जाएगा।

मंत्री राजपूत ने भाजपा कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे अपने-अपने गांवों, वार्डों एवं क्षेत्रों में जनकल्याण शिविरों की जानकारी पहुंचाएं और अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि यह अभियान शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने और जनता की समस्याओं का प्रभावी समाधान करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प तथा मुख्यमंत्री मोहन यादव के विकसित मध्यप्रदेश के विजन को साकार करने में जनसहभागिता की महत्वपूर्ण भूमिका है। जनकल्याण शिविरों के माध्यम से पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ दिलाने के साथ-साथ उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

मप्र के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य संरक्षण की ट्रेनिंग 6 से 8 जुलाई तक

लोकमाया न्यूज।

मानसिक स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशील बनेंगे सभी विवि एवं महाविद्यालय के कर्मचारी

भोपाल,निप्र। विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण के महत्व को ध्यान में रखते हुए उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के समस्त शासकीय एवं निजी महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों में प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के लिए विशेष ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

माननीय सर्वोच्च न्यायालय के 25 जुलाई 2025 के महत्वपूर्ण निर्णय के पैरा 35 में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के सभी महाविद्यालयों- विश्वविद्यालयों में कार्यरत प्राध्यापकों, शैक्षणिक सहायकों, अधिकारियों एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए विशेष ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। 6, 7 एवं 8 जुलाई 2026 को आयोजित होने वाले इस प्रदेशव्यापी प्रशिक्षण अभियान का उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों के प्रत्येक कर्मचारी को विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के प्रति जागरूक एवं संवेदनशील बनाना है, जिससे विद्यार्थी में मानसिक तनाव, अवसाद अथवा अन्य मनोवैज्ञानिक समस्याओं की समय रहते पहचान कर उसे उचित परामर्श, सहायता एवं विशेषज्ञ उपचार की दिशा में मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा सके।

संक्षिप्त समाचार

प्रयास आवासीय विद्यालयों के संशोधित मॉडल उत्तर जारी

बिलासपुर। मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजना अंतर्गत प्रयास आवासीय विद्यालयों के कक्षा 9वीं सत्र 2026-27 में प्रवेश के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा के संशोधित मॉडल उत्तर जारी कर दिए गए हैं। संशोधित मॉडल उत्तर विभागीय वेबसाइट पर देख सकते हैं। पूर्व में प्रयास आवासीय विद्यालयों के मॉडल उत्तर 20 मई को जारी किए गए थे। जिसके पश्चात प्राप्त दावा आपत्तियों के निराकरण उपरांत संशोधित मॉडल उत्तर जारी किये गये है।

वर्षा ऋतु और संभावित बाढ़ से निपटने नगर निगम ने बनाया कंट्रोल रूम

बिलासपुर। आगामी वर्षा ऋतु को देखते हुए नगर निगम बिलासपुर ने जलभराव, जल निकासी एवं संभावित बाढ़ जैसी परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए विशेष तैयारियां शुरू कर दी हैं। निगम आयुक्त के निर्देश पर विकास भवन में बाढ़ नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) स्थापित किया गया है, जो वर्षा काल के दौरान चौबीसों घंटे कार्य करेगा। नगर निगम द्वारा जारी आदेश के अनुसार नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं आपातकालीन परिस्थितियों में समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए कंट्रोल रूम का संचालन किया जाएगा। इसके लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों की अलग-अलग पालियों में ड्यूटी लगाई गई है, ताकि किसी भी समय प्राप्त होने वाली सूचना पर तत्काल कार्रवाई की जा सके। बाढ़ नियंत्रण एवं आपदा प्रबंधन कार्यों के लिए अपर आयुक्त खजांची कुम्हार और मुख्य अभियंता राज कुमार मिश्रा को संयुक्त रूप से नोडल अधिकारी बनाया गया है। वहीं अधीक्षण अभियंता एस.पी. साहू को सहायक नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नगर निगम ने नागरिकों की सुविधा के लिए बाढ़ नियंत्रण कक्ष का हेल्पलाइन नंबर 07752-471224 जारी किया है। शहर के किसी भी क्षेत्र में जलभराव, नाली अवरोध, जल निकासी में समस्या अथवा अन्य वर्षाकालीन कठिनाइयों की सूचना इस नंबर पर दी जा सकेगी। निगम आयुक्त ने बताया कि मानसून के दौरान संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। जल निकासी व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए मैदानी अमले को भी सक्रिय किया गया है। निगम की यह पहल वर्षा के दौरान नागरिकों को राहत प्रदान करने तथा शहरी व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। निगम प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे जल निकासी मार्गों में कचरा न डालें तथा किसी भी समस्या की जानकारी तत्काल कंट्रोल रूम को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

धान से आगे बढ़ेगा किसान : दलहन-तिलहन की खेती पर मिलेगा 15 हजार प्रति एकड़ प्रोत्साहन

बिलासपुर। राज्य सरकार ने खरीफ 2026 से किसानों को फसल विविधीकरण के लिए प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब धान के स्थान पर दलहन, तिलहन, मक्का, कोदो, कुटकी, रागी और कपास जैसी वैकल्पिक फसलों की खेती करने वाले किसानों को 15 हजार रुपये प्रति एकड़ की आदान सहायता राशि प्रदान की जाएगी। इस निर्णय से किसानों को अधिक लाभकारी खेती अपनाने का अवसर मिलेगा तथा कृषि क्षेत्र में संतुलित विकास को बढ़ावा मिलेगा। कृषि विभाग के उप संचालक पीडी हाथेश्वर के अनुसार योजना का उद्देश्य धान पर अत्यधिक निर्भरता को कम करना, किसानों की आय में वृद्धि करना तथा जल संरक्षण को प्रोत्साहित करना है। प्रदेश में लगातार फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिसके तहत अब वैकल्पिक फसलों को अपनाने वाले किसानों को सीधा आर्थिक प्रोत्साहन दिया जाएगा। योजना के अंतर्गत किसानों को एकीकृत किसान पोर्टल एवं एग्रीस्टैक में पंजीयन कराने के साथ डिजिटल क्रॉप सर्वे में अपनी फसल की जानकारी दर्ज करानी होगी। पात्रता की पुष्टि के बाद सहायता राशि सीधे किसानों को उपलब्ध कराई जाएगी।

रोजगार मेले में 122 युवाओं का चयन

बिलासपुर। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र, कोनी, बिलासपुर द्वारा आयोजित रोजगार मेले में बड़ी संख्या में युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रोजगार मेले में विभिन्न निजी प्रतिष्ठानों द्वारा कुल 653 पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया आयोजित की गई। मेले में 935 युवाओं ने ऑनलाइन पंजीयन कराया, जिनमें से 687 आवेदक उपस्थित हुए। साक्षात्कार एवं चयन प्रक्रिया के बाद 234 अभ्यर्थियों का प्रारंभिक चयन तथा 122 अभ्यर्थियों का अंतिम चयन किया गया। रोजगार मेले का निरीक्षण संभागायुक्त सुनील जैन एवं कलेक्टर संजय अग्रवाल ने किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न नियोजक संस्थाओं के प्रतिनिधियों तथा रोजगार की तलाश में पहुंचे युवाओं से चर्चा कर भर्ती प्रक्रिया की जानकारी ली। अधिकारियों ने चयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए अन्य युवाओं को भी अपने कौशल का विकास कर रोजगार के अवसरों का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। संभागायुक्त सुनील जैन ने कहा कि रोजगार मेले युवाओं और उद्योग जगत के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु का कार्य करते हैं।

निधन

रामकली यादव

जांजगीर-चाम्पा। बलौदा ब्लॉक के ग्राम बहेराडीह उर्फ भदरीपाली के प्रतिष्ठित नागरिक रामकली यादव का

बुधवार 10 जून को आकस्मिक निधन हो गया। वे करीब 90 साल आयु के थे। वे गाँव में पंच के रूप में गाँव के विकास में सेवा दें चुके हैं। उनकी अंतिम संस्कार स्थानीय मुक्तिधाम में सम्पन्न हुआ। मुखग्नी उनके पुत्र रामनारायण यादव ने दिया। इस अवसर पर अंचल के स्व जातीय बंधुओ के अलावा अन्य समुदाय के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहें।

पौध रोपण के नाम पर एक बार फिर फूंका जायेगा लाखों रुपये

लाखों की फेंसिंग तार की चोरी, देखरेख के अभाव में मर गये हजारों पेड़

(लोकमाया न्यूज)।

जांजगीर-चाम्पा। पौध रोपण के नाम पर वन विभाग हरेक साल लाखों रूपये खर्च करतीं है। जिसमें पौध रोपण के लिये गड्ढे की खुदाई, बीज, पौधा का नर्सरी, खाद और सुरक्षा के लिये फेंसिंग तार आदि शामिल है। मगर विभाग की निष्क्रियता और देखरेख के आभाव में हजारों पेड़ सुखकर मर जाती है और कुछ बचे हुये पौधों कों मवेशी खा जाती है। इसके साथ पौधों के सुरक्षा के लिये लगाई गईं लाखों रूपये की लागत से फेंसिंग तार की चोरी कर लीं जाती है।

उल्लेखनीय है कि बलौदा ब्लॉक के अंतर्गत जाटा पंचायत और बहेराडीह की सीमा से लगे कोसमंदा गाँव की शासकीय भूमि को अतिक्रमणकारियों के चंगुल से मुक्त कर पंचायत ने पौध रोपण के लिए वन विभाग को दिया है। जहाँ करीब दस साल पहले वन विभाग ने पौध रोपण कराया था और पौधों की सुरक्षा के लिये लाखों रूपये खर्च करके लोहे की तार और सीमेंट की खम्बे से फेंसिंग कराया था। मगर विभाग की निष्क्रियता और देखरेख के आभाव में हजारों पेड़ सुखकर मर गईं। वहीं दूसरी तरफ फेंसिंग तार की चोरी भी हो गईं। वन विभाग एक बार फिर से पौध रोपण के नाम पर हजारों पौधे लगाने के लिए गड्ढे की खुदाई का काम पूरा कर लिया और फेंसिंग तार लगाने की तैयारी कर रहीं है। वन विभाग जहाँ इस समय पौध रोपण का काम शुरू किया है। वहाँ अब तक दो बार पौध रोपण का काम पहले भी हो चुका है। करीब पंद्रह साल पहले इस पौध रोपण स्थल पर दो बोर खनन भी कराया गया था। बोर खनन होने के करीब पंद्रह साल बाद भी सबमरसिबल मशीन नहीं लगाई गई। पौध रोपण के नाम लाखों रूपये फूकने के बाद भी जंगल के रूप में विकसित कर पाने में वन विभाग असफल रहा।

नहीं पड़ती विपक्ष की नजर

पौध रोपण के नाम पर यहाँ दो बार में करोड़ों रूपये खर्च करने के बाद अब तीसरी बार पौध रोपण करना। खुदे हुये बोर खनन में मशीन नहीं लगना, फेंसिंग तार की बार बार चोरी के बाद भी विभाग द्वारा पुलिस थाने में एफ आई आर दर्ज नहीं कराना जैसी मामले विपक्ष को नजर ही नहीं आता।

सीनियर स्टेट नेटबॉल प्रतियोगिता के लिए आनंद होंगे चेयरमैन, अंजलि सहसचिव नियुक्त

(लोकमाया न्यूज)।

बिलासपुर। ग्रीष्मकालीन नेटबॉल प्रशिक्षण शिविर का समापन होने के बाद 13 व 14 जून को जांजगीर में महिला व पुरुष वर्ग के बीच में सीनियर स्टेट नेटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। जिसके लिए बिलासपुर नेटबॉल संघ ने आनंद सिंह को चेयरमैन के रूप मे एवं अंजलि यादव को सह सचिव नियुक्त किया है। जिला नेटबॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सौरभ सिह, उपाध्याय नवनीत पांडेय, नवीन नागदोंने, अख्तर खान, अजय यादव, कोषाध्यक्ष उत्तम साहू, सचिव योगेश साहू, सहसचिव राजकुमारी साहू, श्रृष्टि कांस्कर, अंजली यादव, प्रियंका सोनवानी, गोलू ठाकुर, आदित्य कश्यप, नीलेश कांत श्रीवास, अमित यादव, प्रमोद विश्वास, टी प्रतीक, अमित पिल्लई, ऋषभ हड़लेसकर ने नवनियुक्त चेयरमैन आनंद सिंह एवं अंजलि यादव को बधाई दी है।

बैंक में बंधक दुकान को बेचने के नाम से 23 लाख की धोखाधड़ी

जांजगीर पुलिस ने इंदर यादव के खिलाफ दर्ज किया धोखाधड़ी का मामला

(लोकमाया न्यूज)।

जांजगीर-चाम्पा। परिवार में कर्ज होने पर मेंन रोड में बनी दुकान को बेचने के नाम से बयाना के तौर पर लाखों रुपए लेने के बाद रजिस्ट्री करने से मना करने व पैसे वापस से नहीं लौटने का मामला सामने आया है उक्त मामले में सिटी कोतवाली पुलिस ने दुकान संचालक के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच कर रही हैं। इस संबंध में आवेदक पवन कहरा ने बताया कि मेरा कचहरी चौक के पास क्षमा भोजनालय के नाम से दुकान है। नेताजी चौक के पास के रहने वाले लक्ष्मीनारायण यादव उनके पूरे परिवार का मेरा घर एवं दुकान आना जाना था। इन्दर यादव, लक्ष्मीनारायण यादव, श्रीमती शशि यादव, रघुवीर यादव, दीपक यादव, चन्द्रसेन यादव एवं पकज यादव सभी लोग मुझे अपने घर बुलाकर सब लोग अपना आधिक समस्या तथा कई लोगो के साथ कर्ज होने के संबंध में बताकर मुझे अपनी जमीन को रकम की आवश्यकता होने के कारण बिक्री करने सौदा किया। पूरे घरवालो के सहमति के आधार पर इन्दर यादव के हक व स्वामित्व की भूमि रकबा 0.022 एकड/0.010 हेक्टेयर भूमि अवस्थित है, जिस पर पक्का का तीन दुकान सटर वाला बना हुआ है, जो कि बनारी एनएच-49 मुख्य मार्ग में लगा हुआ है। घरेलू खर्च हेतु रकम की आश्यकता होने के कारण उक्त भूमि को मेरे पास राशि 15 लाख रूपये में विक्रय कर सौदा किया गया था। जिसकी प्रतिफल की राशि मेरे 10 सितम्बर 2024 को एक्टाटॉस स्मॉल फाईनेंस बैंक के चेक के माध्यम से 7 लाख 50 हजार, 4 लाख 50 हजार, 3 लाख कुल 15 लाख रूपये उन लोगों को दिया गया है और एक वर्ष के अंदर मेरे पक्ष में या मेरे द्वारा अधिकृत व्यक्ति के पक्ष में विक्रय करने का इकरारनामा किया गया। इसके बाद मेरे द्वारा इन्दर यादव को भूमि का पंजीयन कराने के लिए बोला गया तब वह हिला हवाला करने लगा तब मेरे द्वारा भूमि के एवज में दिये गये राशि को वापस मांग करने लगा तब उन लोग और समय मांगे और पैसे की मांग किये। तब मेरे द्वारा 3 लाख व 5 लाख रुपये और इन्दर यादव को दिया गया। बाद में मुझे यह जानकारी मिल की उनने द्वारा उक्त भूमि के एवज में बैंक में बंधक रखकर अत्यधिक राशि लोन लिये है. जिसे छुपाते हुये मेरे साथ धोखाधड़ी करते हुये इकरारनामा कराये थे। जिसकी जानकारी आवेदक ने सीटी कोतवाली में लिखित आवेदन के माध्यम से दी मामले की संज्ञान लेते हुए थाना प्रभारी जयप्रकाश गुप्ता ने इंदर यादव के खिलाफ बीएनएस की धारा 318 (4) के तहत अपराध दर्ज करते हुए आरोपी की तलाश कर रही हैं।

किसानों की समस्या को लेकर जिला कांग्रेस का हल्लाबोल

मुख्यमंत्री के नाम सौंपा गया 9 सूत्रीय ज्ञापन

(लोकमाया न्यूज)।

जांजगीर-चाम्पा। छत्तीसगढ़ में खरीफ सीजन की शुरुआत के साथ ही किसानों को आ रही खाद बीज की समस्याओं के साथ तीव्र व्यावहारिक दिक्कतों, सरकारी नियंत्रण और प्रशासनिक कुप्रबंधन के विरोध में कांग्रेसी सरकार पर जमकर बरसे। जिला कांग्रेस कमेटी एवं जिला किसान कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में आज छत्तीसगढ़ किसान आंदोलन के तहत धरना प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री महोदय के नाम जिला कलेक्टर को 9 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा गया। कचहरी चौक में आयोजित धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए राजेश अग्रवाल अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी ने कहा कि प्रदेश की वर्तमान सरकार ने सत्ता में आते ही किसानों को भगवान भरोसे छोड़ दिया है। खरीफ सीजन सिर पर है, लेकिन सोसायटियों से खाद और बीज गायब हैं। प्रति एकड़ एक बोरी खाद का नियम बनाकर सरकार ने किसानों की पीठ पर छुरा घोंपा है। किसान कांग्रेस और जिला कांग्रेस इस तानाशाही को कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। जिला किसान कांग्रेस के अध्यक्ष कमल साव काका ने कहा सरकार सहकारी समितियों को मजबूत करने के बजाय उन्हें भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन का केंद्र बना चुकी है। आज समितियों के चक्कर काट-काटकर किसान हताश हो चुका है। यदि समय रहते खाद-बीज का सुचारू वितरण सुनिश्चित नहीं किया गया, तो खरीफ की बोनी पिछड़ जाएगी, जिसका सीधा असर प्रदेश के उत्पादन और अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। रामकुमार पटेल पूर्व अध्यक्ष शाकंभरी बोर्ड ने कहा आज मैदानी स्थिति अत्यंत दयनीय है। हमारा अन्नदाता सुबह घर से एक उम्मीद लेकर सोसायटियों और बाजारों की तरफ निकलता है, लेकिन शाम तक उसके हाथ में सिर्फ लंबी लाइनें, धक्के, प्रशासनिक बहाने और भारी मजबूरी ही लगती है। दिनेश शर्मा पूर्व अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी ने कहा ग्रामीण क्षेत्रों के पेट्रोल पंपों पर ट्रैक्टर लाने की अनिवार्यता और जरकिन (कैन) में डीजल देने पर लगी पाबंदी ने किसानों की कमर तोड़ दी है। भीषण गर्मी में खेती का काम छोड़कर किसान पेट्रोल पंपों पर लाइन लगाएं या खेतों में काम करें? ऊपर से अघोषित बिजली कटौती ने सिंचाई व्यवस्था ठप कर दी है। सरकार तुरंत जरकिन में डीजल की आपूर्ति बहाल करे और बिजली कटौती पर रोक लगाए, अन्यथा किसान भाई चुप नहीं बैठेंगे। धरना प्रदर्शन के बाद किसान आंदोलन की 9-सूत्रीय मांगें को लेकर ज्ञापन सौंपा गया जिसमें खाद की कटौती का तुगलकी फरमान वापस हो , खरीफ सीजन के लिए प्रति एकड़ मात्र 1 बोरी खाद% की पात्रता को रद्द करने , तीन बार में खाद देने की अव्यावहारिक नीति बंद हो , पांच एकड़ से अधिक भूमि वाले किसानों को तीन किश्तों में खाद देने का नियम बंद कर छोटे-बड़े सभी किसानों को एकमुश्त खाद देने सहित अन्य विषय शामिल है। कार्यक्रम के दौरान मंच से मुख्य रूप से गिरधारी यादव, संदीप यादव, जगदीश राठौर, किशोर साहू, लोकेश राठौर, पंकज शुक्ला, सुनील साधवानी, भगवान दास गढ़वाल, गौरव सिंह, देवकुमार पाण्डेय, राजू रतिया और भुनेश्वर साहू ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन रफीक सिद्दीकी ने किया एवं आभार ज्ञापन कमल काका द्वारा किया गया। धरना प्रदर्शन ज्ञापन कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अकील हुसैन प्रभारी महामंत्री संगठन, छत्तीसगढ़ प्रदेश किसान कांग्रेस , सुनील सोनकर प्रदेश महामंत्री, डॉ. संजय साहू प्रदेश सचिव हरीश पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता और क्षेत्र के किसान उपस्थित रहे।

बारह साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के' थीम पर सक्ती में मैराथन दौड़, युवाओं में दिखा उत्साह

(लोकमाया न्यूज)।

सक्ती। राज्य शासन के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 'बारह साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के' थीम पर जिला प्रशासन एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा शुक्रवार सुबह सक्ती में भव्य मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अधिकारियों, कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों और नगरवासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कलेक्टर श्री अमृत विकास तोपनो के निर्देशन में आयोजित मैराथन का शुभारंभ सुबह 6:30 बजे सेजेस स्कूल परिसर से हुआ। पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर एवं जिला पंचायत सीईओ वाशु जैन ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। मैराथन सेजेस स्कूल से प्रारंभ होकर कचहरी चौक, गौरव पथ, बुधवारी बाजार, राजापारा चौक, शनि मंदिर चौक और मालखरौदा बस स्टैंड होते हुए पुन: सेजेस स्कूल पहुंची, जहां इसका समापन हुआ।

एसपी ने थामा बल्ला, खेल गतिविधियों को दिया बढ़ावा

मैराथन के बाद सेजेस स्कूल परिसर में खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर हाथ में बल्ला लेकर क्रिकेट खेलते नजर आए। जिला पंचायत सीईओ वाशु जैन सहित अन्य अधिकारियों ने भी खेल गतिविधियों में भाग लेकर युवाओं को नियमित रूप से खेलों से जुड़ने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में अपर कलेक्टर बीरेंद्र लकड़ा, अपर कलेक्टर बालेश्वर राम, जिला खेल अधिकारी हरि पटेल सहित अनेक अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं नागरिक उपस्थित रहे।

भाजपा के कार्यकर्ताओं ने मंदिर में किया भजन-कीर्तन

(लोकमाया न्यूज)।

जांजगीर-चाम्पा। पीएम नरेंद्र मोदी के 10 जून को भारतीय राजनीति में नया कीर्तिमान बनाने के शुभ अवसर पर भारतीय जनता पार्टी जांजगीर चांपा के द्वारा देवी दाई मंदिर बस्ती में हनुमाल चालीसा का पाठ कर पूजा आरती की गई। 26 मई 2014 को पहली बार पीएम की शपथ लेने वाले नरेंद्र मोदी ने 10 जून को कार्यकाल के 4399 दिन पूरे करते हुए देश के सबसे लम्बे समय तक लगातार निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने का रिकॉर्ड बनाया। इसके साथ ही उन्होंने स्वतंत्र भारत के पहले पीएम जवाहर लाल नेहरू का 64 साल पुराना रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया। इसके साथ ही मोदी 3 बार सीएम, 3 बार पीएम के रूप में लगातार 9013 दिन सत्ता के शिखर पर रहने वाले देश के एकमात्र नेता बन गए है। सरकार के 12 साल पूरे होने पर जिला संगठन प्रभारी रामदेव कुमावत ने कहा पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गरीब कल्याण और विकास साथ साथ बड़े है।80 करोड़ लोगों को मुक्त राशन,4 करोड़ से अधिक लोगों को अटल आवास के तहत पक्के मकान,50 करोड़ लोगों को 5 लाख रु तक स्वास्थ्य बीमा 11 करोड़ से ज्यादा लोगों को उज्जवला योजना के तहत, गैस सिलेंडर कनेक्शन मिला है। 12 वर्षों के विकास के संदर्भ में जिलाध्यक्ष अम्बेश जांगड़े ने बताया 1.45 लाख किमी सड़के और 3000 किमी एक्सप्रेसवे बन गये। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओ में शामिल हुआ। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित रहे। नारायण चंदेल पूर्व नेता प्रतिपक्ष, रामदेव कुमावत जिला संगठन प्रभारी, अम्बेश जांगड़े जिलाध्यक्ष, गुलाब सिंह चंदेल, प्रशांत सिंह, अमर सुलतानिया, नंदनी रजवाड़े, रेखा गढ़वाल, आशुतोष गोस्वामी, राकेश रूपवानी, हितेश यादव (मंडल अध्यक्ष), अनिल शर्मा, विवेक सिंह (मंडल महामंत्री), नवीन राठौर, सुधीर अग्रवाल, नारायण देवांगन, अजीत गड़ेवाल, रितेश राठौर, मोहन यादव, मोती डहरिया,अमित यादव, सुनील कश्यप, प्रेमलता कौशिक, मनीषा गोपाल, शिवानी कहरा, संजीता माली, प्रतिमा डेहरे, उर्मिला निर्मलकर, नन्द कुमारी खरसन, अंजनी राठौर, रिया यादव, अभिषेक पांडेय, सोनू यादव, रामचंद्र गोपाल, कमल राठौर, गोलू दुबे, प्रदीप राठौर सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

घरेलू महिलाओं से बनीं सफल उद्यमी, राधा कृष्ण महिला समूह की दीदियां बनीं लखपति

ग्राम बेलपान की महिलाओं ने आत्मनिर्भरता की लिखी नई इबारत

(लोकमाया न्यूज)।

बिलासपुर। जिले के तखतपुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत बेलपान की राधा कृष्ण महिला स्व-सहायता समूह की महिलाएं आज ग्रामीण महिला सशक्तिकरण की प्रेरणादायक मिसाल बन चुकी हैं। कभी केवल घरेलू कार्यों और कृषि गतिविधियों तक सीमित रहने वाली समूह की पांच महिलाओं ने संगठित प्रयास, मेहनत और आजीविका गतिविधियों के माध्यम से अपनी पहचान बनाई और लखपति दीदी बनने का गौरव हासिल किया। समूह से जुड़ने के बाद सदस्यों ने अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। इसके लिए समूह को आरएफ राशि 15,000 रुपये, सीआईएफ राशि 60,000 रुपये तथा बैंक से 6 लाख रुपये का ऋण प्राप्त हुआ। प्राप्त वित्तीय सहायता का उपयोग करते हुए समूह की महिलाओं ने हल्दी, मिर्च एवं मसाला निर्माण के साथ-साथ मुरकु और पापड़ निर्माण का कार्य शुरू किया। गुणवत्तापूर्ण उत्पादों और निरंतर मेहनत के बल पर व्यवसाय तेजी से आगे बढ़ा और समूह को नियमित आय मिलने लगी। आज समूह की प्रत्येक सदस्य को प्रतिमाह लगभग 45,000 से 50,000 रुपये तक की आय प्राप्त हो रही है। इस प्रकार समूह की वार्षिक आय लगभग 5 लाख 40 हजार रुपये तक पहुंच गई है। बढ़ी हुई आय से सदस्यों के परिवारों की आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। अब वे बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य आवश्यकताओं की बेहतर ढंग से पूर्ति कर पा रही हैं। समूह की महिलाएं बताती हैं कि पहले गांव में उनकी कोई विशेष पहचान नहीं थी, लेकिन आज वे आत्मनिर्भर उद्यमी के रूप में जानी जाती हैं।

कीमत चुकानी पड़ रही

सफल औद्योगिक राष्ट्र वे रहे हैं, जिन्होंने जिस उत्पाद पर ध्यान केंद्रित किया, उसकी पूरी आपूर्ति श्रृंखला अपने यहां स्थापित की। सफलता का एक सूत्र यह भी है कि उत्पादित वस्तुओं का एक बड़ा घरेलू बाजार भी हो।

दुनिया भर में सेमीकंडक्टर उद्योग इस समय 'मेमफ्लेशन' की चुनौती का सामना कर रहा है। इस शब्द का अर्थ है मेमरी चिप्स की कमी के कारण बढ़ी महंगाई। मेमरी चिप्स की कीमत आसमान पर है, जिससे सेमीकंडक्टर महंगे हो गए हैं। इनका भारी असर उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों- खासकर मोबाइल फोन के उत्पादन पर पड़ा है। भारत के लिए ये घटनाक्रम इसलिए महत्त्वपूर्ण है कि मेक इन इंडिया और चाइना+1 रणनीति की कोई सफलता अपने देश में है, तो वह मोबाइल फोन की मैनुफैक्चरिंग (अथवा असेंबलिंग) है। हालिया वर्षों में भारत से मोबाइल फोन का निर्यात तेजी से बढ़ा है। मगर साथ ही मोबाइल फोन के पाट-पुर्जों का आयात भी बढ़ा है, जो ज्यादातर चीन, दक्षिण कोरिया या ताइवान जैसे देशों से होता है। जो चीजें बाहर से आती हैं, उनमें मेमरी चिप्स भी हैं। नतीजतन, ताजा ट्रेंड से भारत स्थित कारखानों की मुश्किलें बढ़ी हैं। एक अन्य खबर है कि अमेरिका में आयात शुल्क संबंधी जारी अनिश्चय के कारण भारत से सोलर मॉड्यूल का निर्यात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इस वर्ष की पहली तिमाही में सिर्फ एक को छोड़कर अमेरिका के लिए बाकी सभी भारतीय कंपनियों का निर्यात शून्य रहा। सोलर पैनल्स पर ट्रंप प्रशासन ने 230 फीसदी टैरिफ लगा रखा है, जबकि भारतीय सौर उद्योग का अमेरिका प्रमुख बाजार है। तो सार यह कि जहां मोबाइल फोन उद्योग आयात निर्भरता के कारण पैदा हुई चुनौती झेल रहा है, वहीं सौर ऊर्जा उद्योग निर्यात निर्भरता संबंधी। तो सबक क्या है? सफल औद्योगिक राष्ट्र वे रहे हैं, जिन्होंने जिस उत्पाद पर ध्यान केंद्रित किया, उसकी पूरी आपूर्ति श्रृंखला अपने यहां स्थापित की। इसीलिए इंडस्ट्रीयल पार्कों को इतनी अहमियत दी जाती है। साथ ही सफलता का एक सूत्र यह भी है कि उत्पादित वस्तुओं का एक बड़ा घरेलू बाजार हो, जो भू-राजनीतिक एवं व्यापार जनित संकटों के समय संबंधित उद्योग का सहारा बना रहे। भारत में उद्यम के जो सफल क्षेत्र हैं, अब साफ है कि उनमें इन पहलुओं की उपेक्षा की गई। उन्हें अर्थव्यवस्था के समग्र विकास की सोच से इतर स्थापित किया गया। अब उसकी कीमत चुकानी पड़ रही है।

पीएम स्वनिधि योजनाः पथ विक्रेताओं के सशक्तिकरण और वित्तीय समावेशन की परिवर्तनकारी यात्रा

मनोहर लाल

भारत में शहरीकरण तीव्र गति से बढ़ रहा है। अनुमान है कि वर्ष 2050 तक देश की लगभग 50 प्रतिशत आबादी शहरी क्षेत्रों में निवास करेगी। वर्तमान में शहरी कार्यबल का लगभग 66 प्रतिशत हिस्सा अनौपचारिक क्षेत्र से जुड़ा है, जो शहरी अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। इस अनौपचारिक क्षेत्र में पथ विक्रेताओं की भूमिका विशेष रूप से उल्लेखनीय है। फल, सब्ज़ियाँ, चाय, नाश्ता, कपड़े तथा दैनिक उपयोग की अन्य वस्तुएँ उपलब्ध कराने वाले ये लाखों विक्रेता न केवल करोड़ों नागरिकों के जीवन को सुगम बनाते हैं, बल्कि शहरी अर्थव्यवस्था को भी सशक्त करते हैं। इसके बावजूद, लंबे समय तक उनकी औपचारिक बैंकिंग और ऋण तक पहुँच सीमित रही। क्रेडिट हिस्ट्री के अभाव में उन्हें अक्सर ऊँची ब्याज दरों पर अनौपचारिक ऋण लेना पड़ता था, जिससे उनकी आय का बड़ा हिस्सा ऋण चुकाने में खर्च हो जाता था।

भारतीय पथ विक्रेता बदलती वैश्विक परिस्थितियों और विभिन्न आर्थिक व्यवधानों के बीच भी अपनी दृढ़ता और संघर्षशीलता के लिए जाने जाते हैं। पीएम स्वनिधि ने उनकी इस उद्यमशीलता को नई ऊर्जा प्रदान की है। यह केवल ऋण उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं रही, बल्कि सम्मान, पहचान और नए अवसरों का एक सशक्त माध्यम बनी है। योजना की सफलता का प्रमुख आधार सरकार का समग्र दृष्टिकोण रहा, जिसमें केंद्र, राज्य, शहरी स्थानीय निकायों और बैंकिंग संस्थानों के समन्वित प्रयासों ने इसे देशभर अभूतपूर्व रूप से पहुँचाया तथा उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त किये।

इस योजना के अंतर्गत लाखों विक्रेताओं के बैंक खाते सक्रिय हुए, उनका वित्तीय व्यवहार दर्ज होने लगा और पहली बार उनके लिए एक औपचारिक क्रेडिट हिस्ट्री का निर्माण हुआ। इससे भविष्य में और अधिक ऋण तथा वित्तीय सेवाओं तक उनकी पहुँच आसान हुई और वे आज बैंक के सम्मानित ग्राहक और उद्यमी के रूप में उभरे हैं। इस योजना का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू डिजिटल सशक्तिकरण है। यूपीआई और क्यूआर-कोड आधारित भुगतान को बढ़ावा देने के लिए कैशबैक प्रोत्साहन की व्यवस्था की गई है। इस पहल ने अभी तक 55 लाख विक्रेताओं को डिजिटल अर्थव्यवस्था से जोड़ा, उनके लेन-देन को पारदर्शी बनाया और उनकी वित्तीय साख को मजबूत किया है।

योजना की सोच केवल व्यवसाय तक सीमित नहीं रही। 'स्वनिधि से समृद्धि' पहल के माध्यम से लाभार्थियों और उनके परिवारों को भारत सरकार की आठ प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा गया। अब तक 50 लाख से अधिक पथ विक्रेता परिवारों की प्रोफाइलिंग की जा चुकी है तथा इन योजनाओं के अंतर्गत 1.52 करोड़ से अधिक लाभ स्वीकृत किए जा चुके हैं। पेंशन, बीमा, स्वास्थ्य सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा जैसी सुविधाओं तक पहुँच प्रदान कर यह पहल पथ विक्रेताओं और उनके परिवारों के लिए एक व्यापक सामाजिक सुरक्षा तंत्र का माध्यम बनी है।

इसके अतिरिक्त एफएसएसएआई के सहयोग से खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता संबंधी प्रशिक्षण भी प्रदान किए गए हैं, जिससे विशेष रूप से स्ट्रीट फूड विक्रेताओं की गुणवत्ता, स्वच्छता और ग्राहक विश्वास में वृद्धि हुई है। महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी योजना का योगदान उल्लेखनीय रहा है। कुल लाभार्थियों में लगभग 46 प्रतिशत महिलाएँ हैं। इससे उनकी आय, सामाजिक प्रतिष्ठा और पारिवारिक निर्णयों में भागीदारी बढ़ी है।

वर्ष 2023 और 2025 में की गयी इंडिपेंडेंट इम्पैक्ट अस्सेस्मेंट्स ने भी योजना के दूरगामी प्रभावों की पुष्टि की है। लगभग 95 प्रतिशत लाभार्थियों ने अपने जीवन में पहली बार औपचारिक वित्तीय प्रणाली से ऋण प्राप्त किया, जो वित्तीय समावेशन की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। इतना ही नहीं, बल्कि, लगभग 30 प्रतिशत लाभार्थी पीएम स्वनिधि से आगे बढ़कर अन्य औपचारिक वित्तीय संस्थानों से भी ऋण प्राप्त करने में सफल हुए, जो उनके बढ़ते वित्तीय विश्वास और सुदृढ़ क्रेडिट प्रोफाइल का प्रमाण है।

योजना के लाभार्थियों की आय में औसतन लगभग 20 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है। इसके साथ ही आवास, पोषण, स्वास्थ्य सेवाओं और बच्चों की शिक्षा जैसे क्षेत्रों में भी सुधार देखा गया है। वर्ष 2023 से 2025 के बीच यूपीआई आधारित लेन-देन का उपयोग लगभग 45 प्रतिशत से बढ़कर 83 प्रतिशत तक पहुँच गया है। योजना के व्यापक और सकारात्मक प्रभाव को देखते हुए अगस्त 2025 में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इसके पुनर्गठित स्वरूप को मार्च 2030 तक विस्तारित करने की स्वीकृति प्रदान की।

पुनर्गठित योजना के अंतर्गत पथ विक्रेताओं के ऋण की सीमा में वृद्धि की गई है तथा योजना का दायरा शहरी स्थानीय निकायों से आगे बढ़ाकर जनगणना नगर/शहरी-सीमावर्ती क्षेत्र तक विस्तारित किया गया है। इसके साथ ही, क्षमता निर्माण पर विशेष बल दिया जा रहा है, ताकि पथ विक्रेता बदलती आर्थिक आवश्यकताओं के अनुरूप अपने उद्यमों को और अधिक सशक्त बना सकें। इसी क्रम में स्वनिधि क्रेडिट कार्ड की शुरुआत भी एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सुविधा पथ विक्रेताओं को उनकी तत्काल वित्तीय और व्यक्तिगत आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अल्पकालिक ब्याज-मुक्त ऋण उपलब्ध कराती है।

यद्यपि, पीएम स्वनिधि योजना ने सड़क विक्रेताओं को वित्तीय सशक्तिकरण प्रदान की है, फिर भी आज, कई जगह उन्हें शहर की नियोजन संरचना का हिस्सा नहीं माना जाता है। उन्हें सुनियोजित वेंडिंग स्थानों के अभाव जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। निश्चित स्थान न होने से उनकी आजीविका और ग्राहकों तक पहुँच प्रभावित होती है। इस चुनौती के समाधान हेतु आने वाले वर्षों में, राज्य सरकारों और शहरी स्थानीय निकायों के द्वारा पथ विक्रेताओं को शहरी नियोजन ढाँचे का अभिन्न हिस्सा बनाने का प्रयास किया जाना चाहिए। इस दिशा में एक छोटी सी पहल - स्ट्रीट फूड हब के माध्यम से उन्हें सुगम एवं व्यवस्थित व्यापारिक स्थान उपलब्ध कराए जाएंगे। इससे न केवल उनकी आजीविका अधिक सुदृढ़ होगी, बल्कि शहरों की स्वच्छता, सुव्यवस्था और समग्र शहरी वातावरण को भी बढ़ावा मिलेगा।

यह योजना आत्मनिर्भर भारत और वोकल फॉर लोकल के संकल्प को जमीनी स्तर पर साकार करती है। पीएम स्वनिधि की सफलता इस बात का प्रमाण है कि समावेशी विकास का लाभ जमीनी स्तर तक पहुँच रहा है।

पीएम स्वनिधि योजना ने पथ विक्रेताओं के लिए वित्तीय समावेशन और सामाजिक सुरक्षा का एक प्रभावी मॉडल प्रस्तुत किया है। मुझे विश्वास है कि आने वाले वर्षों में यह योजना लाखों विक्रेताओं की आजीविका को सशक्त बनाते हुए नई परिवर्तनकारी कहानियाँ रचेगी तथा विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

समावेशी शिक्षा व्यवस्था का आधार है हाइब्रिड लर्निंग

व्यावहारिक विषयों के लिए पूरी तरह ऑनलाइन निर्भरता अक्सर अपर्याप्त साबित होती है. इन दोनों प्रणालियों के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि इनकी प्रभावशीलता पूरी तरह शिक्षार्थी की स्थिति और विषय की प्रकृति पर निर्भर करती है. जहां व्यावहारिक और तकनीकी क्षेत्रों के लिए पारंपरिक कक्षाएं अनिवार्य लगती हैं, वहीं करियर में उन्नति चाहने वाले पेशेवरों के लिए ऑनलाइन माध्यम अधिक व्यावहारिक है. आज के बदलते युग में भविष्य मिश्रित या हाइब्रिड शिक्षण मॉडल में निहित है. कई अग्रणी संस्थान अब कक्षा की जीवंतता और डिजिटल संसाधनों की सुविधा को एक साथ जोड़ रहे हैं. यह मॉडल विद्यार्थियों को डिजिटल लचीलापन देने के साथ-साथ प्रत्यक्ष संवाद और व्यावहारिक प्रशिक्षण का लाभ भी प्रदान करता है. यदि इन दोनों माध्यमों का संतुलित समन्वय किया जाये, तो एक अधिक समावेशी, प्रभावी और सार्थक शिक्षा व्यवस्था का निर्माण किया जा सकता है।

डॉ सतेंद्र कुमार

कनीक में हो रहे निरंतर नवाचार ने समय के साथ ज्ञान प्राप्त करने और उसे साझा करने के पारंपरिक तरीकों में आमूलचूल परिवर्तन ला दिया है. आज का शैक्षणिक परिदृश्य ऐसे चौराहे पर खड़ा है, जहां विद्यार्थियों के पास सदियों पुरानी पारंपरिक कक्षा आधारित शिक्षा और आधुनिक डिजिटल शिक्षण मंचों के बीच चयन करने की स्वतंत्रता है. हालांकि, इन दोनों प्रणालियों का अंतिम लक्ष्य ज्ञान और कौशल का विकास करना ही है, पर इनकी कार्यप्रणाली, प्रभावशीलता और सीमाएं एक-दूसरे से काफी भिन्न हैं. इन्हें एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखने के बजाय यह समझना आवश्यक है कि ये दोनों ही शिक्षा की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के पूरक साधन हैं.

दशकों से कक्षा आधारित शिक्षा ही शिक्षण की सर्वाधिक विश्वसनीय और प्रमुख माध्यम रही है. इस व्यवस्था की सबसे बड़ी शक्ति प्रत्यक्ष संवाद है. यह ढांचा विद्यार्थियों को तुरंत प्रश्न पूछने, जटिल विषयों पर चर्चा करने और अपने शिक्षकों से तत्काल मार्गदर्शन प्राप्त करने की अनुमति देता है. स्कूल-कॉलेज की एक संरचित समय-सारिणी छात्रों के जीवन में अनुशासन, समय पालन और नियमित अध्ययन की आदतों को गहराई से समाहित करती है. जब विद्यार्थी अपने सहपाठियों के साथ नियमित संपर्क में रहते हैं, तो उनमें सहयोग, टीम भावना और प्रभावी संचार कौशल जैसे महत्वपूर्ण गुणों का विकास होता है. वे समूह में काम करना, आपसी संबंध बनाना और सामूहिक गतिविधियों में भाग लेना सीखते हैं, जो उनके समग्र व्यक्तित्व विकास के लिए शैक्षणिक डिग्री जितनी ही महत्वपूर्ण है. ऑफलाइन शिक्षा का सबसे बड़ा लाभ इसका व्यावहारिक अनुभव है. विज्ञान की प्रयोगशालाएं, तकनीकी कार्यशालाएं और खेल के मैदान, छात्रों को वह व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करते हैं, जिसे केवल स्क्रीन के माध्यम से प्राप्त करना लगभग असंभव है. यह भौतिक परिवेश ध्यान भटकाने वाले कारकों को कम कर एकाग्रता बढ़ाने में भी सहायक होता है. हालांकि, पारंपरिक शिक्षा अपनी कुछ सीमाओं से भी घिरी हुई है. इसमें

शैक्षणिक संस्थानों तक पहुंचने के लिए लंबी यात्रा करनी पड़ सकती है, जो न केवल थकाऊ है, बल्कि समय और धन की दृष्टि से भी खर्चीली है. भौगोलिक स्थिति के आधार पर शिक्षा की गुणवत्ता में भी अंतर देखा जाता है. साथ ही, इसकी निश्चित समय-सारिणी उन लोगों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकती है, जो अन्य पेशेवर या व्यक्तिगत जिम्मेदारियों से जुड़े हैं

पारंपरिक व्यवस्था की चुनौतियों के समाधान के रूप में ऑनलाइन शिक्षा एक क्रांतिकारी विकल्प बनकर उभरी है. डिजिटल मंचों ने शिक्षा को भौगोलिक सीमाओं से मुक्त कर दिया है, जिससे छात्र दुनिया के किसी भी कोने से उच्च स्तरीय पाठ्यक्रमों और संसाधनों तक पहुंच सकते हैं. इसकी सबसे बड़ी विशेषता इसका लचीलापन है, जो शिक्षार्थियों को अपने करियर, परिवार और शिक्षा के बीच संतुलन बनाने की अनुमति देता है. ऑनलाइन शिक्षा ने उन लोगों के लिए संभावनाओं के द्वार खोल दिये हैं जो आर्थिक या व्यक्तिगत कारणों से नियमित संस्थान जाने में असमर्थ थे. आज डिजिटल मंचों पर दुनियाभर के विशेषज्ञों और अनुभवी शिक्षकों द्वारा संचालित विविध विषय उपलब्ध हैं, जो छात्रों को वैश्विक दृष्टिकोण और नये कौशल सीखने के व्यापक अवसर प्रदान करते हैं. इसके अतिरिक्त, डिजिटल शिक्षण व्यक्तिगत सीखने की क्षमता को बढ़ावा देता है. छात्र अपनी सुविधानुसार रिकॉर्ड किये गये व्याख्यानों को बार-बार देख सकते हैं और कठिन विषयों पर अतिरिक्त समय दे सकते हैं. मल्टीमीडिया सामग्री और इंटरेक्टिव उपकरण इस प्रक्रिया को न केवल रोचक बनाते हैं, बल्कि समझने में भी आसान बनाते हैं. परंतु, डिजिटल शिक्षा भी चुनौतियों से रहित नहीं है. इसकी प्रमुख समस्या प्रत्यक्ष मानवीय संपर्क का अभाव है. वर्चुअल माध्यम चाहे कितने भी उन्नत क्यों न हों, वे पारंपरिक कक्षा के जीवंत सामाजिक अनुभव की जगह नहीं ले सकते. इसके सफल होने के लिए छात्र में उच्च स्तर का आत्मानुशासन और समय प्रबंधन होना अनिवार्य है. साथ ही, बुनियादी ढांचे की कमी जैसे-धीमा इंटरनेट

12 साल विश्वास के, विकास के, जन कल्याण के

भारत का सामाजिक-आर्थिक चेहरा बदल रहा है। इस बदलाव के केंद्र में आगे बढ़ता और आत्मविश्वास से लबरेज मध्य वर्ग है। इस तबके को एक समय में सतर्क खर्च और सीमित विकल्पों के लिए जाना जाता था। लेकिन आज मध्य वर्ग के परिवार ज्यादा सुरक्षा, अवसर और आकांक्षा की अनुभूति कर रहे हैं। पिछले 12 वर्षों में कराधान, स्वास्थ्यसेवा, आवासन, डिजिटल सेवाओं, अवसंरचना, शिक्षा और उद्यमिता में सुधारों से रोजमर्रा का जीवन ज्यादा किफायती और सुविधाजनक हो गया है। बेहतर कनेक्टिविटी, सेवाओं तक आसान पहुंच, किफायती आवास, सामाजिक सुरक्षा में वृद्धि और डिजिटल सशक्तीकरण से सुख-साधनों और आत्मविश्वास में इजाफा हुआ है। आय में वृद्धि और अवसरों के विस्तार के साथ भारत का मध्य वर्ग अब खुद को सिर्फ बदलाव के अनुरूप ढाल ही नहीं रहा बल्कि राष्ट्र के विकास, महत्वाकांक्षा और भविष्य की संपन्नता में सक्रिय योगदान कर रहा है।

सशक्त और विकासमानः भारत का नया मध्य वर्ग- एक समय भारत के मध्य वर्ग को उसके सतर्क खर्चों, सीमित विकल्पों और छोटी महत्वाकांक्षाओं से पहचाना जाता था। आज यह वास्तविकता बदल चुकी है। बढ़ती आय, डिजिटल पहुंच और फैलते अवसरों के साथ ही आकांक्षाएं उपलब्धियों में बदल रही हैं। भारतीय समाज का यह तबका सरकार के समर्थन से लगातार सशक्त हो रहा है। वर्ष 2014 से आयकर छूट सीमाओं में रिकॉर्ड वृद्धि से लेकर जीएसटी सुधारों तक से उसकी बचत और खर्च करने योग्य आय बढ़ी है। अब यह मध्य वर्ग ज्यादा आत्मविश्वास के साथ सशक्त होकर भारत की विकास गाथा के केंद्र में खड़ा है।

किसे कहते हैं मध्य वर्ग?- मध्य वर्ग की परिभाषा क्रय शक्ति, शिक्षा के स्तर, सामाजिक सेवाओं और धन की अवधारणा के हिसाब से विभिन्न देशों के लिए अलग-अलग है। इस संबंध में विश्व बैंक के पैमाने को व्यापक तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। विश्व बैंक प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय (जीएनआई) के आधार पर हर वर्ष अर्थव्यवस्थाओं का वर्गीकरण करता है। वित्त वर्ष 2026 के लिए देशों की आय का वर्गीकरण इस प्रकार है-

निम्न आय: 1135 डॉलर या इससे कम

निम्न मध्य आय: 1136 डॉलर से 4495 डॉलर तक

उच्च मध्य आय: 4496 डॉलर से 13935 डॉलर तक

उच्च आय: 13935 डॉलर से अधिक

यह वर्गीकरण वैश्विक अर्थव्यवस्था के अंदर मध्य वर्ग समेत आय समूहों के निर्धारण के लिए फ्रेमवर्क मुहैया कराता है।

भारतीय मध्य वर्ग का बदलता चेहरा

2010 में विश्व में मध्य वर्ग की आबादी का ज्यादातर हिस्सा आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) की अर्थव्यवस्थाओं में रहता था मगर इसमें तेजी से बदलाव आया है। वर्ष 2009 और 2017 के बीच मध्य वर्ग की आबादी 1.8 अरब से बढ़ कर 3.5 अरब हो गई है। इसका लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा मुख्यत: भारत और चीन समेत एशिया में है। वर्ष 2011 और 2019 के बीच भारत के प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 53 प्रतिशत का इजाफा हुआ। इस दौरान (1995 और 2021 के बीच) भारत के मध्य वर्ग का प्रति वर्ष 6.3 प्रतिशत की दर से विस्तार हुआ। वर्तमान में देश में मध्य वर्ग कुल आबादी का लगभग 31 प्रतिशत है।

इस रुझान के बढ़ते जाने की उम्मीद है। ओईसीडी के अनुमानों के अनुसार 2030 और 2035 के बीच मध्य वर्ग की आबादी के लिहाज से चीन को भारत पीछे छोड़ देगा। यह स्थिति करोड़ों भारतीयों की बढ़ती आय, विस्तृत होते आर्थिक अवसरों और जीवन स्तर में सुधार को प्रतिबिंबित करती है। यह मजबूत उपभोक्ता मांग, खर्च करने की बढ़ती शक्ति और वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत के बढ़ते रसूख का संकेत भी है।

आज का राशिफल

मेष राशि: शुक्रवार को सुबह से ही ऐसा लग सकता है कि दिन उम्मीद से थोड़ा ज्यादा व्यस्त रहने वाला है। घर या काम से जुड़ी कोई छोटी-सी जिम्मेदारी अचानक सामने आ सकती है।

वृषभ राशि: शुक्रवार का दिन आपको जल्दबाजी से दूर रहकर काम करने की सलाह दे रहा है। सुबह किसी छोटी-सी बात को लेकर मन थोड़ा उलझ सकता है।

मिथुन राशि: आज का दिन बातचीत, संदेशों और लोगों से जुड़े छोटे-छोटे घटनाक्रमों के बीच बीत सकता है। सुबह से ही फोन, मैसेज या किसी जरूरी सूचना का इंतजार बना रह सकता है।

कर्क राशि: सुबह किसी करीबी व्यक्ति से हुई बातचीत पूरे दिन आपके मन में चलती रह सकती है। जरूरी नहीं कि बात बहुत बड़ी हो, लेकिन उसका असर आपके विचारों पर दिखाई देगा।

सिंह राशि: आज का दिन आपको लोगों के बीच अलग पहचान दिला सकता है। सुबह से ही मन में कुछ नया करने या किसी अधूरे काम को पूरा करने की इच्छा बनी रहेगी। पिछले कुछ दिनों से जिस काम को लेकर उत्साह कम हो गया था।

कन्या राशि: आपकी आदत है कि हर काम को ठीक तरीके से करने की कोशिश करते हैं, लेकिन आज कुछ मामलों में परिस्थितियों को अपने हिसाब से चलने देना भी जरूरी होगा। हर छोटी बात को नियंत्रित करने की कोशिश आपको थका सकती है।कामकाज के क्षेत्र में दिन अच्छा रहेगा।

तुला राशि: सुबह किसी संदेश, फोन कॉल या अचानक हुई बातचीत से दिन की शुरुआत हो सकती है। किसी ऐसे व्यक्ति से संपर्क बनने की संभावना है जिससे काफी समय से बात नहीं हुई थी।

वृश्चिक राशि: आज का दिन आपको कुछ ऐसी बातों से बाहर निकलने का मौका दे सकता है जो पिछले कुछ समय से मन में जगह बनाए हुए थीं।

धनु राशि: सुबह किसी पुराने विचार, अधूरी योजना या लंबे समय से मन में चल रही इच्छा पर दोबारा ध्यान जा सकता है। कई दिनों से जिस काम को आप 卐बाद में देखेंगे कहकर टाल रहे थे।

मकर राशि: सुबह से ही मन में एक अलग तरह की गंभीरता दिखाई दे सकती है। कई लोग आराम के मूड में होंगे, लेकिन आप अपनी जिम्मेदारियों को पहले पूरा करने की सोच सकते हैं।

कुंभ राशि: आज का दिन आपको किसी बात को बिल्कुल नए नजरिए से देखने का अवसर दे सकता है। सुबह जिस विषय को लेकर मन में उलझन रहेगी, वही दोपहर तक काफी सरल लगने लगेगा। कई बार परिस्थितियां नहीं बदलतीं।

मीन राशि: सुबह किसी पुराने गीत, तस्वीर या व्यक्ति का जिक्र अचानक बीते हुए समय की याद दिला सकता है। हालांकि आप उन बातों में ज्यादा देर तक उलझे नहीं रहेंगे और धीरे-धीरे अपना ध्यान जरूरी कामों की तरफ ले आएंगे। कामकाज के मामले में दिन संतोषजनक रहेगा।

शब्द कौतुक

शब्द सामर्थ्य -067 (भागवत साहू)

बाएं से दाएं :
1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कोनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे
1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुलबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नजदीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सवेरा।

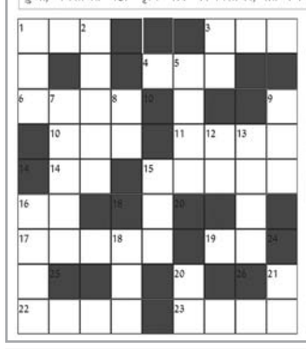

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 066 का हल

अ	भि	षे	क	■	प	स	■	■
जा	त	■	थ	प	थ	पा	ना	■
य	र	का	नी	■	भ	■	र	ष्मि
ब	घा	र	■	क	ष्ट	प्र	द	■
■	त	ना	त	नी	■	र्व	■	ब
अ	■	मा	■	ज	मा	त	■	ल
स	जा	■	■	■	■	क	ज	रा
बा	■	बे	स	हा	रा	■	ग	म
ब	गु	ला	■	रा	ज	दू	त	■

सुडुको

सू- दोकू क्र.067

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.066 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

स्वामी अशोक भटनागर, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ब्यास मुनि द्विवेदी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्रा. लि. पीएनबी बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं एलआईजी 93 हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, धनसुली, नरदहा, रायपुर छत्तीसगढ़ से प्रकाशित प्रबंध संपादक- आशीष मिश्रा (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन नं. 0771-4000600

संक्षिप्त समाचार

अंतर्जातीय विवाह प्रोत्साहन योजना के तहत जिले में 65 दंपत्तियों को मिली 1.62 करोड़ से अधिक की स्वीकृति

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन के आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा छुआछूत निवारणार्थ संचालित 'अंतर्जातीय विवाह प्रोत्साहन योजना' के तहत जिले के कुल 65 दंपत्तियों के लिए 1 करोड़ 62 लाख 50 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की गई है। सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास से मिली जानकारी के अनुसार, इस योजना के तहत प्रत्येक पात्र दंपत्ति को कुल 2.50 लाख की नकद प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। इस राशि में से 1.00 लाख सीधे हितग्राही के खाते में हस्तांतरित (डीबीटी) कर दिए जाते हैं, जबकि शेष 1.50 लाख की राशि को तीन वर्ष के लिए संयुक्त सावधि जमा (फिक्स डिपोजिट) के रूप में सुरक्षित रखा जाता है। दंपत्ति के तीन वर्ष का सफल वैवाहिक जीवन पूर्ण करने के उपरांत इस शेष राशि का भुगतान भी उन्हें कर दिया जाता है।

एशियन पैरा-आर्मरेसलिंग चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ के श्रीमंत झा ने जीता रजत पदक, शहीदों को किया समर्पित

दुर्ग। किर्गिस्तान के इसिक-कुल में आयोजित प्रतिष्ठित एशियन पैरा-आर्मरेसलिंग चैंपियनशिप 2026 में छत्तीसगढ़ के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी श्रीमंत झा ने भारत के लिए रजत पदक (सिल्वर मेडल) जीतकर देश और प्रदेश का नाम रोशन किया है। उन्होंने यह सफलता 08 से 13 जून तक चलने वाली इस प्रतियोगिता की अत्यंत कड़े मुकाबले वाली %पीआईयूएच-85 किलोग्राम% श्रेणी में कजाकिस्तान के मजबूत खिलाड़ी जानिबेक राखातोव को शिकस्त देकर हासिल की। इस नए पदक के साथ श्रीमंत झा के अंतरराष्ट्रीय मेडलों की कुल संख्या अब 65 हो गई है, जो वैश्विक मंच पर उनकी खेल क्षमता को प्रमाणित करती है। अपनी इस ऐतिहासिक कामयाबी पर भावुक होते हुए श्रीमंत झा ने इस रजत पदक को देश की सुरक्षा में प्राण न्योछावर करने वाले वीर शहीद जवानों को समर्पित किया है। उन्होंने कहा कि देश के सैनिक ही उनकी प्रेरणा हैं और उनका अगला लक्ष्य आगामी प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक जीतना है। श्रीमंत झा की इस गौरवशाली उपलब्धि पर छत्तीसगढ़ प्रदेश आर्म रेसलिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष जी. सुरेश बाबू, सचिव श्रीकांत और कृष्ण साहू सहित खेल विभाग के अधिकारियों ने उन्हें बधाई दी है तथा भविष्य के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

जिले में खाद एवं बीज की पर्याप्त उपलब्धता

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में कृषि विभाग द्वारा जिले में किसान भाईयों को उनकी आवश्यकता के अनुसार रासायनिक उर्वरक उपलब्ध कराने हेतु सतत् भंडारण एवं वितरण की कार्यवाही की जा रही है। जिले में खरीफ 2026 हेतु कुल 67880 मीट्रिक टन उर्वरक वितरण का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में सहकारी एवं निजी क्षेत्र को मिलाकर जिले में 19842 मीट्रिक टन यूरिया, 3781 मीट्रिक टन डीएपी, 3331 मीट्रिक टन एनपीके, 5248 मीट्रिक टन एमओपी तथा 7187 मीट्रिक टन सिंगल सुपर फॉस्फेट कुल 39390 मीट्रिक टन उर्वरक भंडारण किया गया है एवं सेवा सहकारी समितियों एवं निजी विक्रेताओं के माध्यम से किसानों को लगातार उर्वरकों का वितरण किया जा रहा है। अब तक 7778 मीट्रिक टन यूरिया, 2416 मीट्रिक टन डीएपी, 2496 मीट्रिक टन एनपीके, 2521 मीट्रिक टन एमओपी तथा 4473 मीट्रिक टन सिंगल सुपर फॉस्फेट कुल 19683 मि.टन उर्वरक का वितरण किया जा चुका है तथा वर्तमान में जिले में 12064 मीट्रिक टन यूरिया, 1365 मीट्रिक टन डीएपी, 1026 मीट्रिक टन एनपीके, 2727 मीट्रिक टन एमओपी तथा 2714 मीट्रिक टन सिंगल सुपर फॉस्फेट कुल 19707 मि.टन उर्वरक शेष है। जिले में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता है तथा किसी प्रकार की कमी की स्थिति नहीं है। उप संचालक कृषि से प्राप्त जानकारी अनुसार जिले की सहकारी समितियों में धान एवं अन्य खरीफ फसलों के प्रमाणित बीजों का भण्डारण एवं वितरण सुचारू रूप से जारी है। वर्तमान में जिले के सहकारी संस्था के लिए 29827 क्वि. प्रमाणित बीज वितरण का लक्ष्य है। बीज निगम (सहकारी) एवं निजी संस्थाओं में 35758.35 क्वि. बीज की उपलब्धता है, एवं 29845.80 क्वि. बीज का भण्डारण किया गया है जिसमें से 19078.02 क्वि. बीज वितरण किया जा चुका है। सहकारी समितियों में केवल वही बीज भंडारण और वितरण के लिए भेजे जाते हैं जो पूर्णत: प्रमाणित होते हैं और प्रयोगशालाओं में गुणवत्ता परीक्षण में मानक स्तर के होते हैं। किसानों की मांग अनुरुप सरना के अलवा अन्य धान के किस्म महामया, स्वर्णा सब 1, विक्रम टी.सी.आर., एमटीयू-1001, एमटीयू-1153, एमटीयू-1156 एवं अन्य किस्मों का भी सहकारी समितियों में भण्डारण किया गया है, साथ ही भण्डारण एवं वितरण कार्य जारी है। विभाग द्वारा नकली एंव घटिया खाद-बीज की बिक्री को रोकने के लिये उड़नदस्ता टीम का गठन किया गया है जो निजी विक्रेताओं और समितियों की निरंतर जांच कर रही है, ताकि कृषकों को गुणवत्ता युक्त बीज/उर्वरक उपलब्ध कराया जा सके। कृषि विभाग द्वारा किसान भाईयों से अपील की गई है कि वे किसी भी प्रकार की भ्रामक खबरों या अफवाहों पर ध्यान न दें। जिले की सहकारी समितियों में खाद एंव प्रमाणित बीज की कोई कमी नहीं है।

जनता की हर समस्या का होगा समाधान, अधिकारियों को दिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश : विधायक देवेंद्र यादव

(लोकमाया न्यूज)।

भिलाईनगर। भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने अपने जनसंपर्क और जनसेवा की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए आज सेक्टर-5 स्थित विधायक कार्यालय में विधानसभा क्षेत्र के नागरिकों से भेंट-मुलाकात की। इस दौरान क्षेत्र के विभिन्न वार्डों और मोहल्लों से बड़ी संख्या में पहुंचे नागरिकों ने अपनी समस्याएं एवं मांगें विधायक के समक्ष रखीं। भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में नागरिकों ने पेयजल आपूर्ति, बिजली, सड़क, नाली, जल निकासी सहित विभिन्न मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं से विधायक को अवगत कराया। गर्मी के मौसम में पर्याप्त पेयजल नहीं मिलने, कई क्षेत्रों में नलों से नियमित पानी आपूर्ति नहीं होने तथा बार-बार बिजली कटौती की शिकायतें प्रमुख रूप से सामने आईं। लोगों ने बिजली बिलों में वृद्धि और लगातार हो रही विद्युत बाधित आपूर्ति को लेकर भी अपनी नाराजगी व्यक्त की।

विधायक देवेंद्र यादव ने नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों से तत्काल चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर समस्याओं का निराकरण सुनिश्चित करने तथा जनता को राहत पहुंचाने के लिए प्रभावी कार्रवाई करने को कहा। इस अवसर पर विधायक देवेंद्र यादव ने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक नागरिक को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी जिम्मेदारी है और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि जनता और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर समस्याओं का त्वरित समाधान कराया जा रहा है। विधायक ने नागरिकों को आश्वस्त किया कि क्षेत्र के विकास एवं जनसुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं तथा प्राप्त सभी शिकायतों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। जनभेंट कार्यक्रम में पहुंचे नागरिकों ने विधायक द्वारा उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनने और त्वरित पहल करने पर संतोष व्यक्त किया।

यातायात व्यवस्थाओं में सुधार एवं सड़क दुर्घनाओं के रोकथाम को लेकर जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न

विभागों द्वारा की गयी कार्यों के अद्यतन प्रगति की समीक्षा

(लोकमाया न्यूज)।

दुर्ग। जिले में यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने और सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बुधवार 10 जून को जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गयी। कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में वरिष्ट पुलिस अधीक्षक श्री विजय अग्रवाल भी शामिल हुए। बैठक के प्रारंभ में विगत बैठक के पालन प्रतिवेदन की विभागवार समीक्षा की गयी। जिसमें अधिकारियों ने कार्य पूर्ण होने, अद्यतन प्रगति एवं की गयी विभागीय कार्यवाहियों की जानकारी दी। साथ ही जिले की सड़कों में यातायात सुरक्षा को और सुदृढ़ बनाने के लिए विभिन्न सुझावों पर विचार-विमर्श कर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गए। कलेक्टर श्री सिंह ने यातायात नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने तथा सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए प्रभावी उपाय अपनाने के निर्देश दिए। उन्होंने दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में आवश्यकता अनुसार अधिकारियों को सौंपे गए विभागीय कार्य, रिफ्लेक्टर, स्पीड ब्रेकर एवं स्ट्रीट लाईट लगवाने के निर्देश दिए। उन्होंने एनएचएआई, लोक निर्माण विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग संभाग, लोक निर्माण विभाग (भ./स. एवं वि./या.) को दुर्घटनाजन्य स्थलों का निरीक्षण कर आवश्यक त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसके अलावा भिलाई इस्पता संयंत्र वाहनों के लिए भारतमाला सड़क से जोड़ने, भारतमाला सड़क पर पुरई के पास बोगदा की हाइट बढ़ाने, भिलाई में केनाल रोड निर्माण तथा बारिश के पूर्व सभी अण्डरब्रिजों की सफाई एवं आवश्यक मरम्मत पर भी चर्चा की गयी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का विजन नीति आयोग में पारित,छत्तीसगढ़ बनेगा अग्रणी राज्य : दक्ष वैद्य साहू

(लोकमाया न्यूज)।

भिलाई। भाजपा किसान मोर्चा सोशल मीडिया प्रदेश सहप्रभारी एवं हिन्द सेना युवा ब्रिगेड राष्ट्रीय अध्यक्ष दक्ष वैद्य साहू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित नीति आयोग की शासी परिषद की 11वीं बैठक में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा आदिवासी बहुल बस्तर क्षेत्र के समग्र विकास हेतु प्रस्तुत दूरदर्शी योजनाओं की हृदयपूर्वक सराहना की है। दक्ष वैद्य साहू ने कहा कि जो बस्तर कभी हिंसा और भय का प्रतीक था,आज मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के युगान्तरकारी नेतृत्व में रोजगार, समृद्धि और नवाचार का आदर्श बनकर उभर रहा है। नीति आयोग के राष्ट्रीय मंच से प्रस्तुत 'विकसित छत्तीसगढ़' का विजन न केवल राज्य, बल्कि 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को साकार करने की ठोस रूपरेखा है।मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की जनकल्याणकारी घोषणाओं पर भाजपा किसान मोर्चा विशेष श्रद्धा व सम्मान व्यक्त करता है। आय क्रांति का संकल्प- बस्तर के आदिवासी परिवारों की मासिक आय को तीन वर्षों में 15,000 से बढ़ाकर 30,000 रुपये करने का महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य,जिससे लगभग 85ब परिवारों की आर्थिक स्थिति में आमूलचूल परिवर्तन संभव होगा। डेयरी सिटी की परिकल्पना- 2,000 करोड़ रुपये से अधिक के मेगा प्रोजेक्ट के माध्यम से बस्तर को 'डेयरी सिटी' में परिवर्तित करने की योजना; दूध पाय, भैंस वितरण, संग्रहण केंद्र और स्थानीय विपणन श्रृंखला से विशेषकर महिलाओं और युवाओं के लिए स्वरोजगार सृजित होंगे। जल से समृद्धि- 32,000 हेक्टेयर भूमि में सिंचाई सुविधा का विस्तार कर 'खेत तक पानी' सुनिश्चित करने से कृषि उत्पादन में बहुगुणा वृद्धि और किसानों की आय में वृद्धि अपेक्षित है। भविष्य की तैयारी- कृत्रिम मेधा (द्ब), सेमीकंडक्टर और एडवेंचर टूरिज्म जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करने की व्यापक कार्ययोजना; अबुधमाड़ङ्कजगरगुंडा में 100 करोड़ रुपये की 'एजुकेशन सिटी' युवाओं के कौशल व रोजगार के अवसर बढ़ाएगी। सेवा का नया अध्याय- बस्तर की 200 सुरक्षा शिविरों का 'सेवा डेरा' में रूपांतरण कर 371 केंद्र व राज्य योजनाओं को अंतिम लाभार्थी तक प्रभावी ढंग से पहुँचाया जाएगा — राशन, पेंशन, आयुष्मान एवं शिक्षा-स्वास्थ्य जैसी सुविधाएँ एक छत के नीचे उपलब्ध करायी जाएँगी। डिजिटल स्वास्थ्य क्रांति- 36 लाख नागरिकों के डिजिटल हेल्थ प्रोफाइल का निर्माण, जिससे उपचार, दवा और रोग पहचान का समग्र रिकॉर्ड सुरक्षित रहेगा और ग्रामीण महिलाओं व बुजुर्गों को त्वरित, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्यसेवा मिलेगी। बस्तर की नई पहचान- वॉटर स्पोर्ट्स, एडवेंचर स्पोर्ट्स और जंगल सफारी के माध्यम से बस्तर को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर एक नई, प्रतिष्ठित पहचान दिलाने का संकल्प।

सिवरेज, सफाई और पेयजल व्यवस्था पर निगम आयुक्त सख्त, खुर्सीपार वार्ड में किया व्यापक निरीक्षण

(लोकमाया न्यूज)।

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने जोन-4 खुर्सीपार अंतर्गत सिवरेज लाइन संधारण, नाला सफाई, पेयजल आपूर्ति, स्ट्रीट लाइट एवं प्रस्तावित विकास कार्यों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने तथा नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त, स्थानीय पार्षद सह उप नेता प्रतिपक्ष दया सिंह के साथ वार्ड क्रमांक-44 लक्ष्मी नारायण वार्ड में चल रहे सिवरेज लाइन संधारण कार्य का जायजा लेने पहुंचे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। साथ ही जिन घरों के समीप से सिवरेज लाइन गुजर रही है और मरम्मत की आवश्यकता है, उसे तत्काल ठीक कराने कहा। आयुक्त ने स्पष्ट किया कि यदि संबंधित पक्ष स्वयं कार्य नहीं कराते हैं तो निगम द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान हाल ही में कराई गई नाला सफाई व्यवस्था का भी अवलोकन किया गया। आयुक्त ने सफाई कार्यों को नियमित रूप से जारी रखने तथा बरसात के मौसम को देखते हुए जलभराव की स्थिति से बचने के लिए विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। केनाल रोड क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए आयुक्त ने प्रस्तावित सर्विस रोड निर्माण स्थल का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण से क्षेत्र के नागरिकों को सुगम एवं सुरक्षित यातायात सुविधा उपलब्ध होगी तथा आवागमन में होने वाली परेशानियां कम होंगी। आयुक्त ने वार्ड स्थित सामुदायिक भवन का भी निरीक्षण किया। लगभग तीन वर्ष पूर्व निर्मित इस भवन को निगम के अधीन लेकर स्थानीय नागरिकों के सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए उपयोग में लाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने स्थानीय रहवासियों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को नियमित एवं शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों को तत्काल दुरुस्त कर क्षेत्र में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था बनाए रखने पर जोर दिया। इस अवसर पर जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे, कार्यपालन अभियंता संजय वर्मा, सहायक अभियंता चंद्रकांत साहू, उप अभियंता बसंत साहू, सहायक राजस्व अधिकारी बालकृष्ण नायडू, जोन स्वास्थ्य अधिकारी हेमंत मांझी, राजस्व निरीक्षक विजेंद्र परिहार, स्वच्छता निरीक्षक अतुल यादव सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी एवं वार्डवासी उपस्थित रहे।

बरसात से पहले निगम की सख्ती, सड़कों से हटाए जा रहे अवैध बैनर-पोस्टर, दुर्घटनाओं पर लगेगी रोक

(लोकमाया न्यूज)।

भिलाईनगर। आगामी बारिश के मौसम को देखते हुए नगर पालिक निगम भिलाई ने शहर की सड़कों और प्रमुख मार्गों पर लगे अवैध बैनर-पोस्टरों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देश पर विभिन्न जोन क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए राजनैतिक, सामाजिक एवं निजी संस्थाओं द्वारा लगाए गए अवैध विज्ञापन बैनर-पोस्टरों को हटाकर जप्त किया जा रहा है। आयुक्त के अनुसार मुख्य मार्गों, चौक-चौराहों और विद्युत पोलों पर बड़ी संख्या में बिना अनुमति लगाए गए बैनर-पोस्टर बरसात के दौरान उखड़कर सड़क पर गिर सकते हैं, जिससे यातायात बाधित होने के साथ-साथ दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है। इसी को ध्यान में रखते हुए निगम द्वारा विशेष अभियान चलाकर ऐसे सभी अवैध प्रचार-प्रसार सामग्री को हटाया जा रहा है। आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि शहर की सुंदरता और यातायात सुरक्षा को प्रभावित करने वाले अवैध बैनर-पोस्टरों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी रखी जाए। उन्होंने कहा कि बिना अनुमति सार्वजनिक स्थलों, पोलों और अन्य शासकीय संपत्तियों पर विज्ञापन सामग्री लगाने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई भी की जाएगी। निगम की इस पहल से न केवल शहर को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाने में मदद मिलेगी, बल्कि बरसात के दौरान संभावित सड़क हादसों और अव्यवस्था पर भी प्रभावी नियंत्रण किया जा सकेगा। अभियान के दौरान हटाए गए बैनर-पोस्टरों को निगम द्वारा जप्त कर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है।

नारकोटिक्स नियंत्रण अभियान के संबंध में जिला स्तरीय समिति की बैठक संपन्न

नशीली पदार्थ तस्करों की जानकारी टोल फ्री नं. 1933 में दे सकते हैं

(लोकमाया न्यूज)।

दुर्ग। जिले में नारकोटिक्स नियंत्रण अभियान को प्रभावी बनाने बुधवार 10 जून को कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गयी। कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में जिले में मादक पदार्थों के रोकथाम, नशा मुक्ति केन्द्रों की व्यवस्थाओं तथा संबंधित विभागों द्वारा की जा रही कार्यवाहियों की समीक्षा की गई। बैठक में वरिष्ट पुलिस अधीक्षक श्री विजय अग्रवाल शामिल हुए। पुलिस अधीक्षक श्री अग्रवाल ने अवगत कराया कि खुर्सीपार, कुम्हारी, सिकोलाभाठा एवं अन्य चिन्हित स्थानों पर नशीली पदार्थों के आदतन तस्करों पर विशेष नजर रखी जा रही है। साथ ही नारकोटिक्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्यवाहियां भी की जा रही है। तस्करों एवं सार्वजनिक स्थानों पर नशे का सेवन कर व्यवधान करने वालों की सूचना देने हेतु विभाग द्वारा टोल फ्री नं. 1933 जारी की गई है। आम जनता उक्त टोल फ्री नं. पर सूचना दे सकते है। विभाग द्वारा सूचना देने वालों का नाम गोपनीय रखा जाएगा। एसएसपी ने ड्रग लाइसेंसी कंपनियों एवं ई-कामर्स कंपनियों द्वारा ड्रग की सप्लाई पर चिंता जाहिर करते हुए औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारियों को इस पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए। औषधि प्रसाधन अधिकारी ने अवगत कराया कि उनकी टीम द्वारा सभी मेडिकल दुकानों की जांच की जा रही है। साथ ही बिक्री किए जा रही मेडिसिन्स की रिकार्ड रखने के निर्देश दिए गए है। वहीं नारकोटिक्स दवाइयों के रिकार्ड में गड़बड़ी मिलने पर मेडिकल दुकानों के खिलाफ कार्यवाही भी की गई है। शिक्षा विभाग द्वारा स्कूलों से संबंधित स्पोर्ट्स आफिसरों को खेल मैदान एवं परिसर के आस-पास मादक पदार्थों के बिक्री पर नजर रखने के निर्देश दिए गए है। कलेक्टर श्री सिंह ने जिले में नारकोटिक्स एवं नशा मुक्ति अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु अधिकारियों को विभागीय समन्वय के साथ कार्य करने कहा।

अवैध मादक पदार्थ पर दुर्ग पुलिस की लगातार कार्यवाही जारी, अवैध गुटका निर्माण इकाइयों पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 10 आरोपी गिरफ्तार

थाना अंडा एवं एसीसीयू की संयुक्त टीम ने मुखबिर सूचना पर कार्रवाई करते हुए अवैध गुटका निर्माण एवं पैकेजिंग संचालित दो स्थलों पर दबिश दी

(लोकमाया न्यूज)।

भिलाई। थाना अंडा क्षेत्रांतर्गत मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि कुथरेल एवं अंडा क्षेत्र में अवैध रूप से गुटका निर्माण एवं पैकेजिंग का कार्य संचालित किया जा रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए थाना अंडा पुलिस एवं एसीसीयू की संयुक्त टीम द्वारा संबंधित स्थलों पर दबिश कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान मौके से गुटका निर्माण में प्रयुक्त विभिन्न प्रकार का कच्चा माल, मशीनें, पैकेजिंग सामग्री तथा तैयार एवं अर्द्धनिर्मित उत्पाद बरामद किए गए। प्रारंभिक जांच में बिना वैधानिक अनुमति एवं अधिकार के अवैध रूप से गुटका निर्माण एवं पैकेजिंग किए जाने की पुष्टि होने पर समस्त सामग्री को विधिवत जप्त किया गया। प्रकरण

में संलिप्त 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर थाना अंडा में अपराध क्रमांक 63/2026 एवं 64/2026 के तहत धारा 318(4), 3(5) भारतीय न्याय संहिता तथा धारा 63 कॉपीराइट अधिनियम के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। मामले की विस्तृत विवेचना जारी है।

आरोपी का विवरण:- 1. बिरेन्द्र तिवारी, उम्र 47 वर्ष, निवासी ग्राम नरैनी, जिला बांदा (उ.प्र.)। 2. सुभाष कुमार गौतम, उम्र 25 वर्ष, निवासी ग्राम इब्राहिमपुर, जिला हरदोई (उ.प्र.)। 3. सुनील कुमार राजपूत, उम्र 30 वर्ष, निवासी ग्राम सकरन, जिला उन्नाव (उ.प्र.)। 4. करण राजपूत, उम्र 18 वर्ष, निवासी ग्राम तेजीखेड़ा, जिला उन्नाव (उ.प्र.)। 5. राजू मस्ताना, उम्र 32 वर्ष, निवासी ग्राम तेजीखेड़ा, जिला उन्नाव (उ.प्र.)। 6. राजकुमार यादव, उम्र 47 वर्ष, निवासी ग्राम बेरीखेड़ा, जिला कानपुर (उ.प्र.)। 7. रमेश कुमार निषाद, उम्र 40 वर्ष, निवासी ग्राम अदावल, जिला फतेहपुर (उ.प्र.)। 8. सतेन्द्र कुमार यादव, उम्र 35 वर्ष, निवासी ग्राम इटाहरा, जिला कानपुर (उ.प्र.)। 9. सोनू यादव, उम्र 35 वर्ष, निवासी रतनलाल नगर, जिला कानपुर (उ.प्र.)। 10. बसंत राजपूत, उम्र 20 वर्ष, निवासी ग्राम जमुनाखेड़ा, जिला उन्नाव (उ.प्र.)।

सियासत की शह.,बँट रही ज़मीं..ईमानदारी है नीलाम.,और ख़ामोश जिम्मेदार!

संरक्षित वन जमीन पर 70 डिसमिल में बन रहा था अवैध रिसॉर्ट ।दर्जनों पेड़ काटे , कंक्रीट के ढांचे खड़े कर दिए । जवाबदार विभाग रहे बेखबर । बड़ा सवाल ,ये मिलीभगत या लापरवाही।

- शिकायत के बाद हुई जांच।
- जेसीबी मशीन से हटाया अवैध निर्माण।

लोकमाया न्यूज ।

धमतरी (सुनील शर्मा)। सरकारी जमीन पर कब्जे ..अब किसी छुपे हुए खेल का हिस्सा नहीं हैं ..बल्कि खुलेआम और सुनियोजित तरीके से किए जा रहे हैं। सडक़ आवासीय , गैरआवसीय ,सरकारी जमीन पर खुलेआम अवैध कब्जे किए जा रहे। यह सोची-समझी साजिश के तहत एक तय पैटर्न पर चल रहा है। पहले सरकारी जमीन पर कब्ज़ा ., फिर पक्का कर दिया जाता है। कुछ ही समय में सरकारी जमीन निजी संपत्ति में बदल जाती है। सरकारी जमीन को निजी जमीन बनवाने के काले खेल में संरक्षण हैं, खुद जिम्मेदारों का .! अगर नहीं तो .. क्यों बैठे रहते हैं , ये आँखें मुंदे ।

गौरतलब है कि सरकारी ज़मीन पर कब्ज़े के खिलाफ बड़ी कार्रवाई हुई ।करीब 2 एकड़ जमीन को कब्जामुक्त कराने के दावे हैं ।गंगरेल बांध क्षेत्र के ग्राम मरादेव में अवैध रूप से निर्मित बाउंड्रीवॉल पर बुलडोजर चला, निर्माण ध्वस्त किया ।राजस्व विभाग, पुलिस और पंचायत की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की। प्रशासन का दावा है ,सरकारी जमीन पर किसी भी

प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा ।ग्राम मरादेव स्थित ज़मीन पर कब्जा कर अवैध निर्माण जारी था। शिकायत पर राजस्व अमले ने सीमांकन और दस्तावेजों की जांच की पाया कि संबंधित जमीन रिकॉर्ड में सरकारी दर्ज है। तत्पश्चात नियमत: कब्ज़ा हटाने की कार्रवाई की गई ।अफसरों की मौजूदगी में जेसीबी मशीन की सहायता से बनाई गई बाउंड्रीवॉल को ध्वस्त किया। कार्रवाई के दौरान पुलिस बल भी तैनात रहा ।

कार्यवाई करेंगेजसिस्टम का संदेश

नायब तहसीलदार दुर्गेश तंवर ने बताया कि नारद राम गोंड द्वारा रिकॉर्ड में दर्ज लगभग 2 एकड़ सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा कर बाउंड्रीवॉल का निर्माण किया गया था ।उन्होंने बताया कि यह जमीन छोटे-बड़े पेड़ तथा वन क्षेत्र की श्रेणी में दर्ज है, जिस पर किसी भी प्रकार का निजी निर्माण या कब्जा नियमों के विपरीत है ।सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए नियमानुसार कार्रवाई की गई । कार्रवाई का उद्देश्य सरकारी संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और अवैध कब्जों पर रोक लगाना है। यक्ष सवाल ये है कि, कब्ज़ा व निर्माण क्या हक़ीक़त में नारद राम कर रहा था.. या फ़िर इसके पीछे किसी रसूखदार माफिया का हाथ है। जिसे बचाने की कोशिशें की जा रहीं।

..अंदरखाने की मिलीभगत तो नहीं

इस कार्रवाई के माध्यम से प्रशासन ने स्पष्ट संकेत दिया है कि सरकारी जमीन, वन क्षेत्र और सार्वजनिक संपत्तियों पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। अफसरों ने लोगों से जमीन पर किसी भी प्रकार का अवैध निर्माण या कब्जा न करने की अपील की है ।लेकिन हकीकत इसके उलट दिख रही है। बहरहाल शहर हो या गाँव..या फिर जंगल .,लगातार बढ़ते कब्जे इस बयान को खोखला साबित कर रहे हैं। दस्तावेजों पर कई जमीन सरकारी लिखा है लेकिन रसूख ने ऐसी जमीनों पर हक़ जमा रखा है । वहीं जिम्मेदारों की आँखों पर, नोटों का पर्दा छाया हुआ है। साथ ही यह भी स्पष्ट होता है कि इस पूरे खेल में शामिल है..अंदरखाने की मिलीभगत भी।

सियासी संरक्षण.,सिस्टम में झोल ..नतीज़ा, बेजा कब्ज़ा- निर्माण

उल्लेखनीय है कि गंगरेल बांध से 700 मीटर की दूरी पर अवैध रिसॉर्ट बन रहा है। जहां निर्माण हो रहा है, वह बरारी का आश्रित गांव कोटभर्री है। यह वन्य प्राणियों का कॉरिडोर है। यहां सरकारी और संरक्षित ज़मीन (वन)पर रिसॉर्ट का निर्माण हो रहा ।कंक्रीट के ढांचे खड़े कर दिए गए ।विडम्बना यह कि राजस्व ,वन और सिंचाई विभाग के जिम्मेदार बेखबर हैं। बड़ी बात यह है कि जिस जमीन पर यह निर्माण हो रहा , वह खसरा नं 542 का हिस्सा है। रिकार्ड में यह सरकारी ज़मीन दर्ज है। बड़े -छोटे पेड़ के जंगल का उल्लेख है ।करीब 70 डिसमिल पर नियम-कायदे को धता बताते हुए यह निर्माण हो रहा था। कथित रिसॉर्ट बनाने के लिए दर्जनों पेड़ों को काट दिया गया। फ़िलहाल काम पर रोक लगा दिया गया है ।राजस्व, जल संसाधन व वन विभाग की नाक के नीचे यह अवैध निर्माण हो रहा था.. और अफसर आँखें मुंदे बैठे रहे ।बिना ग्राम व नगर निवेश विभाग की मंजूरी और डायवर्सन के निर्माण पर करोड़ों का खर्च बताता है , कि सिस्टम में कहीं न कहीं झोल है। सियासी संरक्षण का अंदेशा भी । शायद यही वजह है कि बेपरवाह बने रहते हैं.. नौकरशाह .!

क्या कहते हैं.. विभाग व जिम्मेदार -

जल संसाधन विभाग

बांध के आसपास की सरकारी जमीन की सुरक्षा पर इनकी जवाबदेही बनती है। बिना एनओसी बांध क्षेत्र के पास निर्माण होना विभागीय खामियों को उजागर करती है ।विभाग के ईई हेमलाल कुरैशिया का कहना है कि निर्माण वाली जगह सिंचाई विभाग की नहीं है। उन्होंने कहा,यह निजी संपति भी तो हो सकती है।

वन विभाग

विभाग की जमीन पर किसी भी गैर-वानिकी कार्य नहीं कराए जा सकते । बंदिश है। पेड़ों की कटाई, वन्यजीवों के कॉरिडोर में फेंसिंग होने पर जवाबदेही बनती है। डीएफओ श्रीकृष्ण जाधव ने कहा, कोटाभरी में जहां निर्माण हो रहा है, वह राजस्व विभाग के दायरे में है। वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए जवाबदेही, हमारी है, सतर्कता भी रखते हैं

राजस्व विभाग

सरकारी या खेतिहर ज़मीन पर बिना डायवर्सन या मंजूरी के व्यावसायिक निर्माण सचिव, पटवारी, आरआई और तहसीलदार की बेपरवाही का घोतक है। एसडीएम पीयूष तिवारी के मुताबिक, निर्माण की मंजूरी नहीं है। टीम ने जाँच -पड़ताल की । निर्माणकर्ता में जो नाम सामने आया है ,उन्हें नोटिस दे रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

खेल शिविर का समापन,आज अग्निवीरों का सम्मान

धमतरी । जिला प्रशासन और खेल एवं युवा कल्याण विभाग की ओर से आयोजित 30 दिवसीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का समापन 12 जून को होगा। इस मौके पर जिले के चयनित अग्निवीरों का सम्मान भी किया जाएगा। कार्यक्रम इंडोर स्टेडियम, आमातालाब में रखा गया है। इसकी शुरुआत सुबह 7.30 बजे विश्व साइकिल दिवस पर रैली से होगी। अतिथि हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना करेंगे। रैली रुद्री चौक से निकलेगी। लक्ष्मी निवास मार्ग से होते हुए इंडोर स्टेडियम, आमातालाब में समाप्त होगी।

सुबह 8.45 बजे सरस्वती वंदना के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। मुख्य समारोह सुबह 9 बजे शुरू होगा। शिविरार्थी रिदमिक योग का प्रदर्शन करेंगे। कुश्ती, कराते, बॉक्सिंग के प्रदर्शन होंगे। इसके बाद अतिथियों का उद्बोधन होगा। सुबह 10 बजे इंडोर स्टेडियम परिसर में जिला स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता होगी। सुबह 10.15 बजे शिविर के उत्कृष्ट प्रतिभागियों को पुरस्कार दिए जाएंगे। चयनित अग्निवीरों का सम्मान किया जाएगा।

प्रारूप समावेशी विकास, आधुनिक अधोसंरचना को समाहित करने वाला हो : सांसद

महासमुंद । सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में तुमगांव निवेश क्षेत्र विकास योजना प्रारूप 2041 के लिए छत्तीसगढ़ नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम 1973 के प्रावधानों के तहत महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में वर्ष 2041 तक के लिए प्रारूप विकास की योजना की तैयारी पर मंथन किया गया। बैठक में कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह, नगर निवेश के श्री विनीत नायर, नगर पंचायत अध्यक्ष श्री बलराम कांत साहू, जनपद अध्यक्ष श्रीमती दिशा दीवान, विधायक प्रतिनिधि श्री दिव्यांग पांडेय, उप पुलिस अधीक्षक प्रतिभा पाण्डेय सहित आस-पास क्षेत्र के ग्राम पंचायतों के सरपंच शामिल हुए। बैठक में नगर तथा ग्राम निवेश कार्यालय रायपुर से आए अधिकारियों ने बताया कि तुमगांव निवेश क्षेत्र में 2025 को आधार मानकर विकास की संभावनाओं को देखते हुए वर्ष 2041 तक विकास की कार्ययोजना प्रस्तुत की गई। बैठक में बताया गया कि तुमगांव निवेश क्षेत्र में तुमगांव नगर पंचायत सहित 11 ग्राम पंचायत शामिल है। जिसकी कुल जनसंख्या 19 हजार 879 है तथा कुल क्षेत्रफल 5045 हेक्टेयर है। जिन ग्राम पंचायतों को निवेश क्षेत्र में शामिल किया गया है उनमें बेन्द्रीडीह विरान, कौआझर, चोरभट्ठी, नवापारा, परसदा, कौंदकेरा, बनसिवनी, सोरिद, अमावस, गोपालपुर एवं भोरिंग शामिल है। प्रस्तुति के दौरान बताया गया कि निवेश क्षेत्र को समावेशी आर्थिक विकास आधुनिक अधोसंरचना द्वारा संचालित तथा कृषि संसाधन सांस्कृतिक विरासत एवं प्राकृतिक सौंदर्य से समृद्ध एक जीवंत एवं सतत क्षेत्रीय केन्द्र के रूप में रूपांतरित किया जाएगा।

दिव्यांग बच्चों की पहचान के लिए जिले में चलेगा विशेष सर्वे अभियान

17 जुलाई तक घर-घर पहुंचकर 0 से 18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों का किया जाएगा चिन्हांकन

लोकमाया न्यूज ।

महासमुंद। जिले के 0 से 18 वर्ष आयु वर्ग के दिव्यांग एवं विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की पहचान सुनिश्चित करने जिले में विशेष सर्वेक्षण अभियान प्रारंभ किया गया है। अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह ने समाज कल्याण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग तथा समावेशी शिक्षा से जुड़े अधिकारियों-कर्मचारियों को अंतर्विभागीय समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर श्री लंगेह ने कहा कि दिव्यांग बच्चों के चिन्हांकन कार्य को पूरी संवेदनशीलता और गंभीरता के साथ किया जाए। सर्वेक्षण दल घर-घर पहुंचकर बच्चों की पहचान करें, ताकि जिले का कोई भी पात्र बच्चा शासन की योजनाओं एवं सुविधाओं से वंचित न रहे। इस सर्वे अभियान के अंतर्गत 17 जुलाई तक

सत्यापन एवं चिन्हांकन कार्य किया जाएगा। सर्वे के दौरान बच्चों की दिव्यांगता की स्थिति के साथ-साथ उनके आधार कार्ड की उपलब्धता एवं स्थिति का भी आकलन किया जाएगा। अभियान के तहत दिव्यांग बच्चों को शिक्षा, विशेष शिक्षण सामग्री, सहायक उपकरण, चिकित्सा परीक्षण, दिव्यांग प्रमाण-पत्र एवं अन्य शासकीय योजनाओं से जोड़ा जाएगा।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हेमंत रमेश नंदनवार ने बताया कि दिव्यांगता के लक्षणों की सूक्ष्म पहचान सही श्रेणी निर्धारण के लिए अत्यंत आवश्यक है। कई दिव्यांगताएं सामान्य रूप से दिखाई नहीं देतीं, इसलिए सर्वेक्षण के दौरान विशेष चेकलिस्ट के आधार पर प्रत्येक बच्चे का सावधानीपूर्वक परीक्षण किया जाएगा। उन्होंने सर्वे प्रपत्रों की त्रुटिरहित एंट्री एवं डिजिटल डाटा की शुद्धता बनाए रखने के निर्देश दिए।

जिला मिशन समन्वयक श्री रेखराज शर्मा ने बताया कि जिले में वर्तमान में दृष्टिबाधित, श्रवण बाधित, चलन बाधित, बौद्धिक दिव्यांगता, विशिष्ट अधिगम अक्षमता, सिकल सेल सहित कुल 21 प्रकार की दिव्यांगता श्रेणियां शामिल हैं। सर्वे कार्य के लिए विकासखंड श्रोत समन्वयकों, बीआरपी एवं स्पेशल एजुकेटर्स को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। इस बार प्रत्येक विद्यालय में एक शिक्षक को इन्क्लूसिव एम्बेसडर बनाया जा रहा है, जो विद्यालय में अध्ययनरत दिव्यांग बच्चों के मेंटर के रूप में कार्य करेंगे। बैठक में बताया गया कि महासमुंद जिले में वर्तमान में कुल 3,461 दिव्यांग बच्चे दर्ज हैं। जिसमें महासमुंद विकासखंड अंतर्गत 1,017 बच्चे, पिथौरा विकासखंड में 645 बच्चे, बसना में 612 बच्चे, सरायपाली में 595 एवं बागबाहरा विकासखंड में 592 बच्चे है।

जिला शिक्षा अधिकारी श्री बी. एल. देवांगन ने जिलेवासियों से अपील की है कि सर्वेक्षण दल के घर पहुंचने पर बच्चों से संबंधित सही एवं सटीक जानकारी उपलब्ध कराएं, ताकि अभियान को सफल बनाया जा सके और प्रत्येक पात्र बच्चे तक शासन की सुविधाएं पहुंचाई जा सकें।

जनपद सीईओ ने ली सचिवों, ग्राम रोजगार सहायकों एवं आवास मित्रों समीक्षा बैठक

लोकमाया न्यूज ।

महासमुंद। जनपद पंचायत महासमुंद अंतर्गत गुरुवार को भोरिंग एवं पटेवा क्लस्टर में कुल 58 ग्राम पंचायतों के सचिवों, ग्राम रोजगार सहायकों एवं आवास मित्रों की विभिन्न जनकल्याणकारी एवं फ्लैगशिप योजनाओं से संबंधित कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह एवं जिला पंचायत सीईओ श्री हेमंत नंदनवार द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन को सुनिश्चित करने विशेष रूप से निर्देशित किया गया।

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत महासमुंद बी.एस. मंडावी द्वारा प्रथम पाली में भोरिंग क्लस्टर अंतर्गत 28 ग्राम पंचायतों के सचिवों, आवास मित्रों एवं रोजगार सहायकों से योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली गई। इस दौरान योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

जनपद सीईओ ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग किनारे विचरण करने वाले पशुओं को हटाने की पूर्वानुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। मरम्मत योग्य हैंडपंपों को लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से समन्वय स्थापित कर शीघ्र दुरुस्त कराने, सभी सार्वजनिक पेयजल स्त्रोतों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने तथा जल जीवन मिशन के तहत संचालित पानी टंकियों में नियमित जल उपचार कराने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा नदी किनारे स्थित ग्रामों में संभावित आपदा की स्थिति को देखते हुए एनडीआरएफ/एसडीआरएफ की गाइडलाइन के अनुसार आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के लिए भी निर्देशित किया गया।

जिले में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना पर जिला स्तरीय प्रशिक्षण सम्पन्न

- **शत-प्रतिशत पात्र हितग्राहियों के पंजीयन एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन पर दिया गया जोर**

लोकमाया न्यूज ।

महासमुंद। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिले में एक दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन बागबाहरा स्थित आईसीडीएस परियोजना कार्यालय में किया गया। इस प्रशिक्षण में योजना के सफल संचालन, पात्र हितग्राहियों के शत-प्रतिशत पंजीयन, लंबित प्रकरणों के निराकरण एवं मैदानी अमले की क्षमता वृद्धि पर विशेष जोर दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के विभिन्न परियोजना क्षेत्रों से आए बाल विकास परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ), सेक्टर पर्यवेक्षक एवं डाटा एंट्री ऑपरेटरों ने सहभागिता की। इस दौरान योजना के तकनीकी, प्रशासनिक एवं व्यवहारिक पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी गई, ताकि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का लाभ अधिक से अधिक पात्र महिलाओं तक समय पर पहुंच सके। प्रशिक्षण में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्री टिकवेंद्र जटवार ने जरूरी मार्गदर्शन दिया तथा प्रशिक्षण आई.पी.ई. ग्लोबल के सहयोग से आयोजित की गई।

राज्य स्तर से प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स द्वारा प्रतिभागियों को योजना के प्रावधानों, पात्रता शर्तों, नवीन दिशा-निर्देशों तथा पोर्टल संचालन की प्रक्रिया से अवगत कराया गया। प्रशिक्षण के दौरान अभिनव पाण्डेय डिस्ट्रिक्ट मैनेजर, सेक्टर पर्यवेक्षक शीला प्रधान एवं उमा पटेल तथा ऑपरेटर सोनालिका द्वारा प्रतिभागियों को योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए तकनीकी एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

कृषक कल्याण परिषद अध्यक्ष ने ली कृषि एवं समवर्गीय विभागों की समीक्षा बैठक

लोकमाया न्यूज ।

महासमुंद । छत्तीसगढ़ राज्य कृषक कल्याण परिषद के अध्यक्ष श्री सुरेश चंद्रवंशी ने आज कार्यालय उप संचालक कृषि के सभा कक्ष में कृषि एवं समवर्गीय विभागों तथा कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में विभागीय योजनाओं की प्रगति, आगामी खरीफ सीजन की कार्ययोजना एवं किसानों के हित से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में अध्यक्ष श्री चंद्रवंशी ने जिले के सभी सहकारी समितियों में किसानों के लिए खाद एवं बीज की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा निर्धारित दर पर वितरण व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों को समय पर आवश्यक कृषि आदान

उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिकता है। उन्होंने किसानों के समग्र विकास के लिए फसल विविधिकरण को बढ़ावा देने, योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने तथा मैदानी स्तर पर किसानों की समस्याओं का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। विभागीय कार्ययोजना में किसानों के सुझावों एवं समस्याओं को शामिल कर शासन स्तर पर भेजने कहा गया।बैठक में खेत बचाओ अभियान के तहत रासायनिक खेती के स्थान पर जैविक एवं प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने, दलहन एवं तिलहन फसलों का रकबा बढ़ाने, किसानों को प्रशिक्षण देने और जागरूकता अभियान चलाने पर जोर दिया गया। साथ ही सिंचाई व्यवस्था के विस्तार एवं विभिन्न योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए। बैठक में संयुक्त संचालक कृषि श्री एल.आर. खरे, उप संचालक कृषि एफ.आर. कश्यप, कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक आर.एल. शर्मा, उद्यानिकी विभाग, मत्स्य पालन विभाग, सिंचाई विभाग, जिला विपणन संघ, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं किसान उपस्थित रहे।

संगोष्ठी कार्यक्रम आयोजित

महासमुंद । जिले में खेत बचाओ अभियान कार्यक्रम अंतर्गत 30 जून तक रासायनिक उर्वरकों के सीमित व समझदारी पूर्ण उपयोग और प्राकृतिक खेती के प्रति किसानों व आम नागरिकों में जागरूकता और जनभागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से कृषक चौपाल एवं कृषक संगोष्ठी कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज विकासखण्ड महासमुंद में 5 ग्राम पंचायत, बसना में 8, पिथौरा में 2 एवं सरायपाली में 7 कुल 22 ग्राम पंचायतों में कृषक चौपाल एवं कृषक संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कृषक चौपालों में कृषि वैज्ञानिकों एवं विभागीय अधिकारियों ने बताया कि रासायनिक उर्वरकों के असंतुलित उपयोग से भूमि की प्राकृतिक उर्वरता एवं दीर्घकालिक उत्पादन क्षमता प्रभावित हो रही है। इस चुनौती से निपटने के लिए जैविक एवं प्राकृतिक खेती मिशन को बढ़ावा दिया जा रहा है।

आदिम जाति एबस आवंटन में महासमुंद की उपेक्षा भाजपा सरकार का सौतेला व्यवहार : चंद्राकर

लोकमाया न्यूज ।

महासमुंद। पूर्व संसदीय सचिव छग शासन व महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवन लाल चंद्राकर ने कहा कि साय कैबिनेट ने प्रदेश में 240 ई-बसों के संचालन को मंजूरी दी है। ये बसें रायपुर, दुर्ग-भिलाई, बिलासपुर और कोरबा में चलेंगी। लेकिन महासमुंद जिले को एक भी ई-बस नहीं दी गई। यह महासमुंद की जनता के साथ सरकार की उपेक्षा पूर्ण व्यवहार को दर्शाता है।

श्री चंद्राकर ने कहा कि महासमुंद की जनता ने भाजपा को दो विधायक दिए। लोकसभा में भी भाजपा प्रत्याशी को भारी मतों से जिताकर भेजा। इसके बावजूद साय सरकार हर योजना में महासमुंद को नजरअंदाज कर रही है। पेट्रोल-डीजल के दामों में लगातार वृद्धि के कारण बस यात्रियों को भारी किराया वहन करना पड़ रहा है। 50 किलोमीटर के सफर में सीधे 25 से 30 रुपए किराए में वृद्धि होने से आम यात्रियों, छात्रों और मजदूरों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाकर सरकार ने पहले ही जनता को महंगाई के बोझ तले दबा दिया है। अगर महासमुंद को ई-बस की सुविधा मिल जाती तो यहां के लोगों को भी सस्ती, सुलभ और प्रदूषण रहित परिवहन सुविधा मिलती। लेकिन, सरकार ने महासमुंद के लोगों से यह

राहत भी छीन ली।

उन्होंने सरकार पर जनादेश का अपमान का आरोप लगाते हुए सवाल किया कि जब महासमुंद ने भाजपा को भरपूर समर्थन दिया, तो विकास में हिस्सेदारी क्यों नहीं दिया जा रहा। रायपुर, दुर्ग-भिलाई, बिलासपुर, कोरबा को ई-बस और महासमुंद के साथ दोहरा मापदंड क्यों अपनाया गया। क्या महासमुंद छत्तीसगढ़ का हिस्सा नहीं है? श्री चंद्राकर ने सरकार पर भेदभाव का आरोप लगाते हुए कहा कि ई-बसें प्रदूषण कम करेंगी और जनता को सस्ती परिवहन सुविधा देंगी। महासमुंद के लोगों को स्वच्छ परिवहन का अधिकार क्यों नहीं दिया जा रहा। साय सरकार केवल चुनिंदा शहरों के विकास की बात करती है। महासमुंद, जो कृषि और व्यापार का बड़ा केंद्र है, उसे हर बार दरकिनार किया जाता है। यह सरकार की क्षेत्रीय असंतुलन की नीति को दिखाता है।

श्री चंद्राकर ने कहा कि हम मांग करते हैं कि कैबिनेट के फैसले पर पुनर्विचार हो। महासमुंद को उसकी जनसंख्या और जरूरत के हिसाब से ई-बसों का कोटा तुरंत दिया जाए। भाजपा ने वोट तो महासमुंद से ले लिया, पर विकास देने की बारी आई तो पीठ दिखा दी। महासमुंद की जनता यह अपमान बर्दाश्त नहीं करेगी। कांग्रेस पार्टी सड़क से सदन तक इस भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाएगी।

खरीफ 2026 के लिए रासायनिक उर्वरकों की विक्रय दर निर्धारित

- **किसानों को निर्धारित दर पर उपलब्ध होंगे यूरिया, डीएपी सहित अन्य उर्वरक**

लोकमाया न्यूज ।

महासमुंद। खरीफ सीजन 2026 को ध्यान में रखते हुए किसानों को समय पर गुणवत्तायुक्त उर्वरक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा विभिन्न रासायनिक उर्वरकों की कृषक विक्रय दर निर्धारित की गई है। निर्धारित दरों के अनुसार जिले में यूरिया, डीएपी, एनपीके, एमओपी, एसएसपी, जिंकटेड सहित नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी उर्वरकों का विक्रय किया जा रहा है।

उप संचालक कृषि श्री एफ.आर. कश्यप ने बताया कि यूरिया उर्वरक का कृषक विक्रय दर 266.50 रुपये प्रति बोरी निर्धारित की गई है। वहीं डीएपी उर्वरक की दर कंपनी के अनुसार 1350 रुपये प्रति बोरी तक निर्धारित है। एनपीके उर्वरकों में 12:32:16 का मूल्य 1190 रुपए, 20:20:0:13 का मूल्य 1850 रुपए एवं 12:26:26 की दर 1990 रुपए निर्धारित की गई हैं। इसी प्रकार एमओपी (पोटाश) की दर 1975 रुपये प्रति बोरी रहेगी।

एसएसपी पावडर, 551 एसएसपी दानेदार 591 रुपए, जिंकटेडएसएसपी पावडर 576 रुपए एवं टीएसपी 1300 रुपए दर तय की गई हैं, जिससे किसानों को बाजार में निर्धारित मूल्य पर उर्वरक उपलब्ध हो सके। इसके अतिरिक्त आधुनिक कृषि को बढ़ावा देने के लिए इफको नैनो यूरिया (500 मिलीलीटर बोतल) 225 रुपये तथा इफको नैनो डीएपी (500 मिलीलीटर बोतल) 600 रुपये की दर से उपलब्ध कराया जाएगा।

कृषि विभाग ने सभी उर्वरक विक्रेताओं एवं समितियों को निर्देशित किया है कि किसानों को निर्धारित दर पर ही उर्वरक उपलब्ध कराएं तथा अधिक मूल्य वसूली की स्थिति में संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। विभाग द्वारा खरीफ सीजन में उर्वरकों की उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था की सतत निगरानी की जा रही है। निर्धारित दर से अधिक दाम पर विक्रय किए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। किसान भाई इसकी शिकायत नजदीकी कृषि विभाग के कार्यालय में कर सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

अवैध रूप से परिवहन कर रहे जप्त स्वापक औषधि और गांजा नष्टीकरण 15 से 17 जून को

जगदलपुर। पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा ने बताया कि माननीय उच्चतम न्यायालय नई दिल्ली में दायर क्रिमिनल अपील क्रमांक 652/12 भारत संघ विरूद्ध मोहनलाल में पारित दिशा-निर्देश के पालन में गठित जिला स्तरीय औषधि निपटान समिति द्वारा जिला बस्तर, क्षेत्रांतर्गत अवैध रूप से परिवहन कर रहे जप्त स्वापक औषधि और मन: प्रभावी पदार्थ (गांजा) को ग्राम पंचायत नगरनार में स्थित राष्ट्रीय खनिज विकास निगम प्राइवेट लिमिटेड के भस्मीकरण संयंत्र के माध्यम से विधिवत नष्टीकरण किये जाने का निर्णय लिया गया है। जिसकी नष्टीकरण की तिथि एवं जब्त मादक पदार्थ गांजा की मात्रा निम्नानुसार है, 15 जून को 772.482 किलोग्राम गांजा एवं सिरप 65 नग, 16 जून को 981.198 किलोग्राम गांजा और 17 जून को 480.968 किलोग्राम गांजा कुल- 2234.648 किलोग्राम गांजा एवं सीरप 65 नग। उक्त निर्धारित तिथि एवं अवैध मादक पदार्थ का चयनित स्थल में जिला स्तरीय औषधि निपटान समिति सदस्यों एवं पंचान के समक्ष नष्टीकरण कार्यवाही सम्पन्न किया जाएगा। पूर्व में नष्टीकरण की कार्यवाही करने के लिए 11 से 13 जून निर्धारित किया गया था जिसमें संशोधन कर नया तिथि नियत किया गया है।

प्रयास आवासीय विद्यालयों की कक्षा 9वीं प्रवेश परीक्षा का संशोधित मॉडल उत्तर जारी

जगदलपुर। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा प्राप्त जानकारी अनुसार मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजनांतर्गत संचालित प्रयास बालक एवं कन्या आवासीय विद्यालयों में सत्र 2026-27 की कक्षा 9वीं में प्रवेश हेतु आयोजित प्राक्कयन परीक्षा का संशोधित मॉडल उत्तर जारी कर दिया गया है। गौरतलब है कि प्रवेश परीक्षा का आयोजन 10 मई 2026 को किया गया था। परीक्षा के उपरांत 20 मई 2026 को मॉडल उत्तर जारी कर अभ्यर्थियों एवं संबंधित पक्षों से दावा-आपत्तियां आमंत्रित की गई थीं। दावा-आपत्तियां प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 30 मई 2026 निर्धारित की गई थी। निर्धारित अवधि में प्राप्त सभी दावा-आपत्तियों का परीक्षण एवं निराकरण करने के बाद विभाग द्वारा संशोधित मॉडल उत्तर जारी किया गया है। प्रयास बालक एवं कन्या आवासीय विद्यालयों के सत्र 2026-27 की कक्षा 9 वीं प्रवेश परीक्षा का संशोधित मॉडल उत्तर विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध कराया गया है। अभ्यर्थी एवं अभिभावक संशोधित मॉडल उत्तर विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर देख सकते हैं।

मिनीमाता महतारी जतन योजना से मिला आर्थिक संबल, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को मिला संरक्षण

बीजापुर। श्रम विभाग द्वारा संचालित मिनीमाता महतारी जतन योजना पंजीकृत निर्माण श्रमिक परिवारों के लिए एक महत्वपूर्ण सामाजिक सुरक्षा योजना के रूप में कार्य कर रही है। इस योजना के अंतर्गत

पंजीकृत महिला निर्माण श्रमिकों को प्रथम एवं द्वितीय संतान के जन्म पर 20-20 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाती है, जिससे मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के संरक्षण तथा बच्चों के समुचित पालन-पोषण में सहायता मिलती है। योजना से लाभान्वित हितग्राही श्रीमती चांदनी गुरला, पति श्री महेन्द्र गुरला, ग्राम गोटाईगुड़ा, विकासखंड भोपालपटनम की निवासी हैं। वे एक श्रमिक परिवार से संबंध रखती हैं और मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करती हैं। सीमित आय और आर्थिक कठिनाइयों के कारण परिवार को बच्चों की देखभाल, स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं तथा दैनिक जरूरतों की पूर्ति में अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ता था। श्रम विभाग द्वारा ग्राम गोटाईगुड़ा में आयोजित जागरूकता एवं पंजीयन शिविर के माध्यम से श्रीमती चांदनी गुरला का निर्माण श्रमिक के रूप में पंजीयन किया गया। पंजीयन के बाद उन्हें विभाग की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। द्वितीय संतान के जन्म के पश्चात उन्होंने मिनीमाता महतारी जतन योजना के अंतर्गत आवेदन प्रस्तुत किया, जिसके फलस्वरूप उन्हें नियमानुसार 20 हजार रुपये की सहायता राशि प्राप्त हुई। प्राप्त राशि का उपयोग उन्होंने नवजात शिशु के पोषण, स्वास्थ्य देखभाल, दवाइयों, वस्त्रों तथा अन्य आवश्यक जरूरतों की पूर्ति में किया। इससे परिवार को आर्थिक राहत मिली और बच्चे के बेहतर पालन-पोषण में सहायता प्राप्त हुई। श्रीमती चांदनी गुरला ने बताया कि श्रम विभाग की इस योजना से उन्हें कठिन समय में महत्वपूर्ण आर्थिक सहयोग मिला, जिससे परिवार की आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में मदद मिली। उन्होंने इस लाभकारी योजना के लिए शासन एवं श्रम विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया।

खादी-ग्रामोद्योग बोर्ड ने युवाओं से स्वरोजगार स्थापना हेतु मांगे आवेदन

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कुटीर व लघु उद्योग स्थापना कार्यक्रमों के तहत इच्छुक युवाओं से आवेदन आमंत्रित किए हैं, जिससे न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, बल्कि स्थानीय रोजगार सृजन और पारंपरिक कौशलों का संरक्षण भी किया जा सकेगा। ग्रामोद्योग विभाग के उप संचालक से मिली जानकारी के अनुसार बोर्ड द्वारा शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के इच्छुक युवाओं को बैंकों के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है, जिस पर शासन की ओर से अधिकतम 35 प्रतिशत तक का अनुदान प्रदान किया जा रहा है। इसी क्रम में राज्य शासन द्वारा संचालित मुख्यमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के युवाओं को लक्षित करता है। इस योजना के अंतर्गत होटल, ग्राहक सेवा केंद्र, साउंड सिस्टम, सिलाई, मोटर साइकिल व मोबाइल रिपेयरिंग, फोटोकॉपी और स्टूडियो जैसी सेवा इकाइयों के साथ-साथ बेकरी, मिनी राइस मिल, वेल्डिंग वर्कशॉप, रेडीमेड वस्त्र निर्माण, दोना-पत्तल, मसाला व मोमबत्ती निर्माण और बुटीक जैसे विनिर्माण क्षेत्रों में भी ऋण उपलब्ध कराया जाता है।

21 साल बाद कानून के शिकंजे में आया हत्याकांड का फरार आरोपी, तेलंगाना से गिरफ्तार

पैरोल पर छूटने के बाद नहीं लौटा था जेल, नाम बदलकर तेलंगाना में छिपकर रह रहा था

लोकमाया न्यूज ।

बचेली। दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा जिले के थाना कटेकल्याण पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। वर्ष 2001 के हत्या प्रकरण में शामिल और पिछले 21 वर्षों से फरार चल रहे आरोपी को तेलंगाना राज्य से गिरफ्तार कर लिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना कटेकल्याण में दर्ज अपराध क्रमांक 02/2001, धारा 302, 201 एवं 34 भादवि के मामले में आरोपी सोढ़ी मासा पिता कुम्मा (उम्र लगभग 45 वर्ष), निवासी ग्राम गाटम डोंगरीपारा, थाना कटेकल्याण को तेलंगाना के कोत्तागुडेम क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी वर्ष 2001 में हत्या के मामले में केंद्रीय कारागृह जगदलपुर में निरुद्ध था। वर्ष 2005 में उसे 14 दिनों की पैरोल पर गृह ग्राम जाने की अनुमति मिली थी, लेकिन पैरोल अवधि समाप्त होने के बाद वह वापस जेल नहीं लौटा और फरार हो गया। फरारी के दौरान आरोपी ने तेलंगाना के कोत्तागुडेम स्थित कासनपल्ली क्षेत्र में अपना नाम बदलकर लालाराम सोढ़ी रख लिया था और वहीं पहचान छिपाकर रह रहा था। थाना

कटेकल्याण पुलिस लगातार उसकी तलाश में जुटी हुई थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी का पुत्र हड़मा उर्फ सुरेश सोढ़ी गांव आया हुआ है। पूछताछ में आरोपी के तेलंगाना में नाम और पता बदलकर रहने की महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई। सूचना के आधार पर पुलिस अधीक्षक दंतेवाड़ा एवं पुलिस अनुविभागीय अधिकारी कटेकल्याण के मार्गदर्शन में विशेष टीम गठित की गई। बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक के निर्देशानुसार थाना कटेकल्याण से निरीक्षक निर्मल वर्मा, आरक्षक भीमाराम कोर्राम एवं डीएसएफ आरक्षक कन्हैया यादव की टीम तेलंगाना रवाना हुई। पुलिस टीम ने कोत्तागुडेम (तेलंगाना) पहुंचकर फरार एवं स्थायी वारंटी आरोपी सोढ़ी मासा को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को माननीय प्रथम अपर सत्र न्यायालय, जगदलपुर में पेश किया गया, जहां से न्यायालय के आदेशानुसार उसे केंद्रीय कारागृह जगदलपुर भेज दिया गया। इस कार्रवाई में थाना कटेकल्याण के उप निरीक्षक बी.आर. राजपूत, सहायक उप निरीक्षक पूनम साय धुर्वा, प्रधान आरक्षक सुकड्डूराम बघेल, आरक्षक बृजमोहन पैकरा, आरक्षक भीमाराम कोर्राम तथा डीएसएफ आरक्षक कन्हैया यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सहूलियत, सम्मान और सेहत हर घर नल से बदली जिंदगी

लोकमाया न्यूज ।

जगदलपुर। रोज सुबह उठते ही घर में नल से साफ पानी आते देखने की खुशी क्या होती है, इसे कमली से पूछिए। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव को अपने आंगन में लगे नल से आ रहे पानी की धार को दिखाते खुशी से उनकी आंखें डबडबा गईं। जल जीवन मिशन ने कमली जैसी हजारों महिलाओं को अमूल्य खुशियां दी हैं। कभी पीने और निस्तारी के पानी के लिए दिनभर चिंतित रहने वाली इन महिलाओं का जीवन घर में लगे नल ने बदल दिया है।

उप मुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्री अरुण साव अपने चार दिनों के बस्तर प्रवास के दौरान जल जीवन मिशन का काम देखने कमली के भी गांव पहुंचे। कमली के गांव बस्तर जिले के तोकापाल विकासखण्ड के दुगनपाल में उन्होंने कुछ और घरों में भी जाकर नल से पानी आते देखा। जल जीवन मिशन से घर में पानी पहुंचने की खुशी सभी महिलाओं के चेहरे पर दिख रही थी। जल जीवन मिशन दूरस्थ गांवों और वनांचलों की महिलाओं के जीवन में बड़ा बदलाव ला रहा है। आधी आबादी के एक बड़े हिस्से को पीने के पानी के लिए रोज जूझना पड़ता था। खासतौर से गर्मियों के दिनों में जब हर साल सिर पर पानी के बर्तन का सफर कुछ सौ मीटरों से कुछ किलोमीटरों में बदल जाता था। जीवन के लिए अनिवार्य जरुरत पानी की व्यवस्था गर्मियों में महिलाओं का जीवन दुष्कर बना देती थी। दुगनपाल में भी महिलाओं को रोज गांव के हैंडपंप या कुआं पर जाकर घर के सभी लोगों के लिए पानी का इंतजाम करना पड़ता था। घर में नल लग जाने से अब इस समस्या से निजात मिल गई है। जल जीवन मिशन के काम जैसे-जैसे पूरे होते जा रहे हैं, महिलाओं की बाहर से पानी लाने की चिंता और तकलीफ दूर होते जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ में अब तक साढ़े आठ हजार से अधिक योजनाओं को पूर्ण कर संचालन के लिए पंचायतों को सौंपा जा चुका है। जल जीवन मिशन महज हर घर तक पेयजल पहुंचाने की योजना नहीं है। यह महिलाओं की दिनचर्या और जीवन में भी बड़ा बदलाव ला रहा है। गांवों में परंपरागत रूप से घर में पेयजल और अन्य जरूरतों के लिए पानी के इंतजाम का जिम्मा महिलाओं पर ही है। घर तक पानी की पहुंच न होने के कारण उन्हें हैंडपंपो, सार्वजनिक नलों, कुंओं या अन्य स्रोतों से रोज पूरे परिवार के लिए जल संग्रहण करना पड़ता है। रोजाना का यह श्रमसाध्य और समयसाध्य काम बारिश तथा भीषण गर्मी के दिनों में और कठिन हो जाता है। कई इलाकों में गर्मियों में जल स्रोतों के सूख जाने के कारण दूर-दूर से पानी लाने की मजबूरी रहती है। परिवार के लिए पानी की व्यवस्था हर दिन का संघर्ष बन जाता है। महिलाओं के दिन के कई घंटे इसी काम में निकल जाते हैं। जल जीवन मिशन हर घर तक नल से जल पहुंचाने के साथ ही महिलाओं को कई समस्याओं से निजात दिला रहा है। घर तक स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल पहुंचने से वे कई चिंताओं से मुक्त हो गई हैं। अब रोज-रोज पानी के लिए बहुत सारा श्रम और समय नहीं लगाना पड़ता। इससे उन्हें घर के दूसरे कामों, बच्चों की परवरिश, खेती-बाड़ी एवं आजीविका के अन्य कार्यों के लिए अधिक समय मिल रहा है और वे इन कार्यों पर अपना ज्यादा ध्यान व समय दे पा रही हैं। जल जीवन मिशन से बारहों महीने घर पर ही जलापूर्ति से लगातार बारिश तथा गर्मी के दिनों में बाहर से पानी लाने की मुसीबत दूर हो गई है। गर्मियों में जलस्तर के नीचे चले जाने से तथा बरसात में लगातार बारिश से जल की गुणवत्ता प्रभावित होती है। गुणवत्ताहीन पेयजल से पेट तथा निस्तारी के लिए खराब जल के उपयोग से त्वचा संबंधी रोगों का खतरा रहता है। जल जीवन मिशन ने सेहत के इन खतरों को भी दूर कर दिया है।

कड़ी सुरक्षा के बीच संपन्न हुई बीएड और बीएससी नर्सिंग प्रवेश परीक्षा

बीएड प्रवेश परीक्षा में 2,219 और नर्सिंग प्रवेश परीक्षा में 719 परीक्षार्थी हुए शामिल

लोकमाया न्यूज ।

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा बस्तर संभाग के परीक्षार्थियों के लिए गुरुवार 11 जून 2026 को प्री-बीएड और बीएससी नर्सिंग प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन अत्यंत कड़े सुरक्षा प्रबंधों और सख्त नियमों के बीच सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया। स्थानीय स्तर पर की गई व्यापक तैयारियों के साथ परीक्षा का समय सुबह 10 बजे से दोपहर 12:15 बजे तक निर्धारित किया गया था, जिसके लिए जगदलपुर में कुल 13 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। इस बार प्री-बीएड की परीक्षा के लिए 9 केंद्र तय किए गए थे, जिनमें शासकीय काकतीय पीजी कॉलेज धरमपुरा, बाल विहार हायर सेकण्डरी स्कूल, शासकीय दन्तेश्वरी पीजी महिला महाविद्यालय, शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या हायर सेकण्डरी स्कूल, शासकीय बहुउद्देशीय हायर सेकण्डरी स्कूल, सेजेस शासकीय कन्या हायर सेकण्डरी स्कूल गीदम रोड, और स्वामी आत्मानंद स्कूल धरमपुरा, अग्रसेन चैक व रेलवे कालोनी शामिल रहे। इन 9 केंद्रों पर पंजीकृत कुल 2,938 परीक्षार्थियों में से 2,219 परीक्षार्थी उपस्थित रहे, जबकि 719 अनुपस्थित पाए गए। वहीं दूसरी ओर बीएससी नर्सिंग की परीक्षा शेष 4 केंद्रों पर आयोजित की गई, जिनमें शहीद गुण्डाधूर कृषि कॉलेज कुम्हरावण्ड, धरमु माहरा शासकीय महिला पॉलिटेक्निक धरमपुरा, शासकीय हायर सेकण्डरी स्कूल पथरागुड़ा और शासकीय हायर सेकण्डरी स्कूल आसना को केंद्र बनाया गया था। नर्सिंग परीक्षा के लिए कुल 1,040 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 725 अभ्यर्थियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और 315 अनुपस्थित रहे। इस प्रकार दोनों परीक्षाओं को मिलाकर बस्तर जिले में कुल 2,944 परीक्षार्थी शामिल हुए। कलेक्टर आकाश छिकारा के निर्देशानुसार प्रशासन ने निष्पक्ष, पारदर्शी और कड़ाई से परीक्षा संपन्न कराने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे, जिसके तहत सभी परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र पर तय समय से ढाई घंटे पहले पहुंचना अनिवार्य किया गया था। परीक्षा केंद्रों के मुख्य द्वार पर मेटल डिटेक्टर से सभी परीक्षार्थियों की सघन जांच की गई और इसके बाद ही वीक्षकों द्वारा इंटरनेट से निकाले गए साफ-सुथरे मूल प्रवेश पत्र तथा मूल पहचान पत्र का गहन सत्यापन करके उन्हें प्रवेश दिया गया। जिन परीक्षार्थियों के प्रवेश पत्र में फोटो स्पष्ट नहीं थी, उन्हें अपने साथ दो रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो लाने की सलाह दी गई थी। परीक्षा के दौरान कड़े नियमों का पालन करना अनिवार्य था, जिसके तहत परीक्षार्थी केवल हल्के रंग की हाफ टी-शर्ट या हल्के कपड़े और पैरों में चप्पल पहनकर ही परीक्षा देने पहुंचे क्योंकि जूता-मोजा पहनकर आने की अनुमति नहीं दी गई थी।

जन्म से बंद थे मलद्वार और मूत्र मार्ग, दो सफल ऑपरेशनों ने बदली अरुलेश की जिंदगी

लोकमाया न्यूज ।

जगदलपुर। बस्तर जिले के तोकापाल विकासखंड के ग्राम छापर भानपुरी निवासी तीन वर्षीय अरुलेश बघेल के जीवन में अब खुशियों ने दस्तक दे दी है। जन्म से ही मलद्वार और मूत्र मार्ग बंद होने जैसी गंभीर जन्मजात समस्या से जूझ रहे इस मासूम के लिए बीते कुछ वर्ष बेहद कठिन रहे, लेकिन समय पर चिकित्सा और विशेषज्ञ डॉक्टरों के प्रयासों ने उसकी जिंदगी बदल दी।

अरुलेश के पिता तुलसीदास बघेल बताते हैं कि बेटे की बीमारी उनके परिवार के लिए सबसे बड़ी चिंता का कारण थी। जन्म से ही मलद्वार और पेशाब का रास्ता बंद होने के कारण बच्चे को लगातार शारीरिक तकलीफों का सामना करना पड़ता था। अपने बेटे को पीड़ा में देखकर माता-पिता भी बेहद व्याकुल रहते थे।

विगत वर्ष फरवरी 2025 में स्वास्थ्य केन्द्र में जांच के दौरान अरुलेश की गंभीर स्थिति का पता चला, जिसके बाद उसे बेहतर उपचार के लिए रायपुर स्थित मेडिकल कॉलेज

अस्पताल रेफर किया गया। वहां आयुष्मान कार्ड के माध्यम से नि:शुल्क उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई गई। जून 2025 में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने उसके मलद्वार का पहला सफल ऑपरेशन किया। ऑपरेशन के बाद बच्चे की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला और उसके जीवन में नई उम्मीद जगी। इसके बाद चिकित्सकों की निगरानी में उपचार जारी रहा। विशेषज्ञों के परामर्श के अनुसार फरवरी 2026 में रायपुर में ही अरुलेश के मूत्र मार्ग का दूसरा ऑपरेशन किया गया, जो पूरी तरह सफल रहा। दोनों जटिल ऑपरेशन के साथ ही लगातार उपचार एवं चिकित्सकीय परामर्श सहित समुचित देखभाल के फलस्वरूप अब अरुलेश स्वस्थ जीवन जी रहा है और सामान्य बच्चों की तरह खेल-कूद तथा दैनिक गतिविधियां कर पा रहा है। तुलसीदास बघेल कहते हैं कि बेटे को स्वस्थ देखकर पूरे परिवार को सुकून मिला है, सबसे ज्यादा खुशी अरूलेश की दादी को मिली है जो उसके साथ ज्यादा समय बिताती है। उन्होंने उपचार में सहयोग करने वाले स्थानीय स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, चिकित्सकों तथा मेडिकल कॉलेज अस्पताल रायपुर के विशेषज्ञ डॉक्टरों के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही आयुष्मान योजना के माध्यम से मिली उपचार सुविधा के लिए सरकार को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस सहायता ने उनके परिवार को आर्थिक और मानसिक दोनों प्रकार की बड़ी राहत दी है।

पत्रकार सुरक्षा कानून का पालन नहीं होने से पत्रकार आक्रोशित

लोकमाया न्यूज ।

जगदलपुर। पत्रकार सुरक्षा कानून के प्रभावी क्रियान्वयन और पत्रकारों के खिलाफ बिना जांच सीधे एफआईआर दर्ज किए जाने के मामलों के विरोध में बस्तर जिला पत्रकार संघ ने 11 जून को जगदलपुर में महा धरना-प्रदर्शन आयोजित करने की घोषणा की। आंदोलन में बस्तर संभाग के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में पत्रकारों के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है।

बस्तर जिला पत्रकार संघ का कहना है कि प्रदेश में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू होने के बावजूद कई मामलों में उसके प्रावधानों का पालन नहीं किया जा रहा है। संगठन के अनुसार कानून का उद्देश्य पत्रकारों को निष्पक्ष और निर्भीक होकर कार्य करने के लिए आवश्यक सुरक्षा प्रदान करना है, लेकिन व्यवहारिक स्तर पर कई मामलों में निर्धारित प्रक्रिया की अनदेखी की जा रही है।

संघ के पदाधिकारियों का आरोप है कि पत्रकारों से जुड़े मामलों में कानून के तहत आवश्यक जांच और परीक्षण की प्रक्रिया पूरी किए बिना सीधे एफआईआर दर्ज कर दी जाती है। उनका मानना है कि ऐसी कार्रवाई न केवल पत्रकार सुरक्षा कानून की मूल भावना के विपरीत है, बल्कि इससे पत्रकारों की स्वतंत्र कार्यप्रणाली भी प्रभावित होती है। संगठन का कहना है कि किसी भी शिकायत या विवाद की स्थिति में पहले निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार जांच होनी चाहिए, उसके बाद ही आगे की कार्रवाई की जानी चाहिए।

पत्रकार संघ का कहना है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में पत्रकारों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। पत्रकार समाज और शासन के बीच सेतु का कार्य करते हैं तथा जनहित से जुड़े मुद्दों को सामने लाने में अहम भूमिका निभाते हैं। ऐसे में पत्रकारों के खिलाफ किसी भी कार्रवाई में पारदर्शिता और कानूनी प्रक्रिया का पालन आवश्यक है ताकि निष्पक्ष पत्रकारिता प्रभावित न हो। संघ ने स्पष्ट किया है कि प्रस्तावित धरना-प्रदर्शन किसी व्यक्ति, संस्था या विभाग विशेष के विरोध में नहीं है।

बिहान योजना से आत्मनिर्भर बनीं मनिता कुंवर, सतवा गांव में शुरू किया सिलाई सेंटर और किराना दुकान

लोकमाया न्यूज ।

बीजापुर। विकासखंड मुख्यालय भैरमगढ़ से 15 किलोमीटर दूर नियद नेल्लानार ग्राम पंचायत बांगोली के आश्रित ग्राम सतवा में आजीविका के नए अवसरों ने ग्रामीणों की जिंदगी में सकारात्मक बदलाव लाया है। पहले ग्रामीणों को दैनिक उपयोग की सामग्री खरीदने के लिए इंद्रावती नदी पार कर भैरमगढ़ या गीदम जाना पड़ता था, लेकिन अब गांव में ही आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। नक्सल प्रभाव से मुक्त होने के बाद राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन

'बिहान' के तहत जनपद पंचायत भैरमगढ़ द्वारा ग्राम सतवा में उसमुरिया स्व-सहायता समूह का गठन किया गया। समूह की महिलाओं को नियमित रूप से पंचसूत्र का पालन कराते हुए आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

इसी क्रम में समूह की सदस्य श्रीमती मनिता कुंवर ने बैंक लिंकेज के माध्यम से प्राप्त 50 हजार रुपये की सहायता राशि से गांव में सिलाई सेंटर एवं किराना दुकान की शुरुआत की। वर्तमान में वे दोनों गतिविधियों का सफलतापूर्वक संचालन कर रही हैं। श्रीमती मनिता कुंवर ने बताया कि उन्हें प्रतिदिन औसतन 500 से 700 रुपये की आय प्राप्त हो रही है, जिससे हर माह लगभग 10 से 15 हजार रुपये की शुद्ध बचत हो जाती है। उनके इस प्रयास से न केवल परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है, बल्कि गांव के लोगों को भी स्थानीय स्तर पर आवश्यक वस्तुएं और सिलाई संबंधी सेवाएं उपलब्ध होने लगी हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पहले छोटी-छोटी जरूरतों के लिए भैरमगढ़ या गीदम तक जाना पड़ता था, लेकिन अब गांव में ही सुविधाएं मिलने से समय और खर्च दोनों की बचत हो रही है।

जल संकट पर त्वरित कार्रवाई: शांति नगर वार्ड में पानी की समस्या हुई दूर

लोकमाया न्यूज ।

बीजापुर। बीजापुर नगरपालिका के शांति नगर वार्ड में जल संकट की समस्या को लेकर वार्डवासियों द्वारा मंगलवार को नगरपालिका में ज्ञापन सौंपा गया था। नागरिकों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए नगरीय प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई की और मंगलवार को ही जल शोधन संयंत्र में खराब हुई मोटर की मरम्मत कराई। मोटर की मरम्मत पूरी होने के बाद शांति नगर वार्ड में नियमित जल आपूर्ति पुन: शुरू कर दी गई है, जिससे वार्डवासियों को राहत मिली है। नगरपालिका प्रशासन ने बताया कि पेयजल व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए हैं।

नगरपालिका बीजापुर के मुख्य नगरपालिका अधिकारी (सीएमओ) श्री बंशीलाल नुरुटी ने जानकारी देते हुए बताया कि जल शोधन संयंत्र की मोटर सुधार कार्य के बाद अब शांति नगर वार्ड में नियमित रूप से पानी की आपूर्ति की जा रही है तथा नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

सहायक पषु चिकित्सा क्षेत्राधिकारी पद पर संविदा नियुक्ति हेतु 25 जून तक आवेदन आमंत्रित

कोरबा। जिला कोरबा अंतर्गत विभागीय पषु चिकित्सा संस्थाओं में पषु चिकित्सा सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु स्थानीय व्यवस्था के तहत जिला प्रषासन के डीएमएफ मद अंतर्गत सहायक पषु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी के रिक्त 9 पदों पर संविदा भर्ती के लिए पात्र अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किया गया है। इसके लिए इच्छुक पात्र उम्मीदवारों को कार्यालय उप संचालक पषु चिकित्सा सेवायें कोरबा में 25 जून 2026 को सायं 04 बजे तक आवेदन पत्र सह शैक्षणिक एवं आवष्यक दस्तावेजों का एक सेट स्व-प्रमाणित छाया प्रतियों के साथ रजिस्टर्ड डाक अथवा स्वयं उपस्थित होकर प्रस्तुत करना होगा। नियम, शर्तें, आवेदन एवं विस्तृत जानकारी जिले के वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आईटीआई चोरभट्ठी में प्रवेष हेतु ऑनलाइन आवेदन 15 जून तक

कोरबा। शासकीय औद्योगिक प्रषिक्षण संस्था चोरभट्ठी जिला कोरबा में सत्र 2026-27 में व्यवसाय कोपा में 48 सीट एवं फिटर में 20 सीटों में प्रवेष होना है। इसके लिए इच्छुक अभ्यर्थी 15 जून तक ऑनलाइन आवेदन रजिस्ट्रेषन कर सकते हैं। विस्तृत जानकारी विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध है।

पुसौर में उर्वरक कारोबारियों पर प्रशासन की कार्रवाई

रायगढ़। जिले में किसानों को निर्धारित मात्रा और उचित व्यवस्था के तहत उर्वरक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर के निर्देश पर उर्वरक दुकानों की सघन जांच जारी है। इसी क्रम में संयुक्त जांच दल द्वारा पुसौर क्षेत्र में की गई कार्रवाई के दौरान दो अलग-अलग प्रतिष्ठानों में गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं, जिसके बाद जिला प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई करते हुए एक दुकान से 9 टन यूरिया जब्त किया है, जबकि दूसरी दुकान पर 21 दिनों का विक्रय प्रतिबंध लगाया गया है। उप संचालक कृषि ने बताया कि संयुक्त जांच दल ने अग्रवाल खाद भंडार, पुसौर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान में एचयूआरएल कंपनी का लगभग 09 टन यूरिया भौतिक रूप से भंडारित पाया गया। जांच के समय उपलब्ध स्टॉक पंजी, विक्रय अभिलेख एवं पीओएस मशीन का मिलान करने पर उक्त यूरिया की कोई प्रविष्टि दर्ज नहीं मिली। जांच दल ने पाया कि वास्तविक भंडारण और अभिलेखों में दर्ज स्टॉक के बीच स्पष्ट अंतर है। प्रथम दृष्टया यह मामला उर्वरक भंडारण एवं विक्रय से संबंधित नियमों के उल्लंघन का प्रतीत होने पर अधिकारियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पूरे 09 टन यूरिया को जब्त कर जप्ती पंचनामा तैयार किया तथा आगे की विस्तृत जांच प्रारंभ कर दी है। संयुक्त जांच दल ने आज बाबा मोहनदास एग्रो शॉप, पुसौर का भी निरीक्षण किया। जांच के दौरान एसएसपी उर्वरक के स्टॉक का मिलान करने पर पीओएस एंट्री, स्टॉक रजिस्टर और वास्तविक भंडारण में अंतर पाया गया। अधिकारियों के अनुसार दुकान में उपलब्ध उर्वरक की मात्रा और अभिलेखों में दर्ज आंकड़ों में विसंगति सामने आई, जो उर्वरक वितरण व्यवस्था में गंभीर लापरवाही और नियमों के उल्लंघन की ओर संकेत करती है।

पीएम स्वनिधि महोत्सव : महापौर एवं आयुक्त ने कोसाबाड़ी जोन में आयोजित स्वनिधि महोत्सव शिविर का किया निरीक्षण

कोसाबाड़ी जोन कार्यालय में आज आयोजित हुआ पीएम स्वनिधि महोत्सव शिविर, आज 12 जून को भी कोसाबाड़ी जोन में ही लगेगा शिविर

लोकमाया न्यूज ।

कोरबा। महापौर श्रीमती संजूदेवी राजूपत एवं आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने कोसाबाड़ी जोन कार्यालय में आयोजित पीएम स्वनिधि महोत्सव शिविर का निरीक्षण किया, शिविर में पहुंचे हितग्राहियों से भेंटकर उनके ऋण प्रकरणों व जमा किये गये आवेदनों पर चर्चा की। उन्होने अधिकारियों एवं बैंकर्स को निर्देशित करते हुये कहा कि पूर्व में लंबित सभी आवेदनों का निराकरण कराते हुये सभी पात्र हितग्राहियों को योजना से लाभान्वित करें तथा शिविर में हितग्राहियों द्वारा जमा किये जा रहे आवेदनों पर त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित कराते हुये उन्हें योजना का लाभ दिलवायें। इस अवसर पर वरिष्ठ पार्षद अशोक चावलानी, अजय गोंड़, चन्द्रकली जायसवाल, पंकज देवांगन, नोडल अधिकारी पवन वर्मा आदि सहित अन्य लोग उपस्थित थे। छत्तीसगढ़ शासन नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग मंत्रालय नवा रायपुर अटलनगर से प्राप्त दिशा निर्देशों के अनुसार नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्रांतर्गत विभिन्न तिथियों में स्वनिधि महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है, इसके तहत प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि योजनांतर्गत शहरी पथ विक्रेताओं एवं असंगठित श्रमिकों को वित्तीय समावेशन डिजिटल सशक्तिकरण एवं सामाजिक सुरक्षा लाभों से जोड़ने तथा पथ विक्रेताओं के लिये सूक्ष्म ऋण पहुंच, सामाजिक कल्याण सुनिश्चित करने आदि से जुड़े विविध कार्य किये जा रहे हैं। नगर पालिक निगम केारबा क्षेत्रांतर्गत विगत 04 जून से शिविर आयोजन की कडी में विगत दिनों कोरबा एवं टीपी नगर जोन में महोत्सव शिविर लगायें गये। इसी कड़ी में आज निगम के कोसाबाड़ी जोन कार्यालय में शिविर आयोजित किया गया। महापौर श्रीमती संजूदेवी राजूपत एवं आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने पीएम स्वनिधि महोत्सव शिविर का निरीक्षण किया, शिविर में पहुंचे हितग्राहियों से भेंट मुलाकात की, उनके ऋण प्रकरणों व जमा कराये गये आवेदनों पर चर्चा की। महापौर श्रीमती राजपूत ने अधिकारियों एवं बैंकर्स को निर्देशित करते हुये कहा कि पूर्व में लंबित सभी आवेदनों का निराकरण कराते हुये सभी पात्र हितग्राहियों को योजना से लाभान्वित करें तथा आज के शिविर में हितग्राहियों द्वारा जमा किये जा रहे आवेदनों पर त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित कराते हुये उन्हें योजना का लाभ दिलवायें। उन्होने कहा कि विगत दिनों कोरबा व टीपीनगर जोन में जो शिविर आयोजित हुये है, उन प्राप्त आवेदनों पर शीघ्रता से कार्यवाही करें। शिविर के दौरान वरिष्ठ पार्षद अशोक चावलानी, अजय गोंड़, चन्द्रकली जायसवाल, पंकज देवांगन, नोडल अधिकारी पवन वर्मा, जोन कमिश्नर भूषण उरांव, सहायक नोडल अधिकारी तपन तिवारी, लीड बैंक मैनेजर कृष्ण भगत, एफएल.सी. बी.चन्द्रशेखर, सहायक राजस्व अधिकारी सुमित गुप्ता, दीपक यादव, मनोज राजपूत, अरविंद कुर्रे, आदि सहित विभिन्न बैंकर्स के प्रतिनिधि, सामुदायिक संगठक व काफी संख्या में हितग्राहीगण उपस्थित थे।

पीएम स्वनिधि योजना स्ट्रीट वेंडर्स के लिये बन रही वरदान - प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की महत्वपूर्ण योजना पीएम स्वनिधि योजना स्ट्रीट वेंडर्स के लिये वरदान साबित हो रही है, यहाँ उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के निर्देश पर शहरी पथ विक्रेताओं विशेषकर रेहडी, ठेला, पटरी फुटपाथ पर, समान रखकर बेचने वालों, फेरीवालों आदि को उनके व्यवसाय के लिये आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा द्वारा 01 जून 2020 को पी.एम. स्वनिधि योजना क्रियान्वित की गई, इस योजना के तहत पथ विक्रेताओं को 15 हजार रूपये का बिना गारंटी वाला कार्यशील पूंजी ऋण दिया जाता है, फिर बाद में 25 हजार रूपये एवं 50 हजार रूपये के ऋण 07 प्रतिशत ब्याज सब्सिडी के साथ प्रदान किए जाते हैं। योजना के उद्देश्य पथ विक्रेताओं को वित्तीय सहायता प्रदान करना एवं डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देना है।

आगे इन तिथियों में लगेंगे जोनवार शिविर - नगर पालिक निगम केारबा क्षेत्र में आयोजित किये जा रहे पीएम स्वनिधि महोत्सव शिविर की अगली कड़ी में कोसाबाडी जोन में ही पुन: 12 जून को, पं.रविशंकर शुक्ल नगर जोन में 15 व 16 जून को, बालको जोन में 18 व 19 जून को, दर्री जोन में 22 व 23 जून को तथा सर्वमंगला नगर जोन को 25 व 26 जून को स्वनिधि महोत्सव शिविर के आयोजन किये जायेंगे। प्रत्येक शिविर सुबह 11 बजे से शाम 04 बजे तक निर्धारित तिथियों में आयोजित होंगे।

मिली स्वीकृति, अब विधि महाविद्यालय में विद्यार्थी कर सकेंगे एलएलएम की पढ़ाई

नांदगांव शिक्षा मंडल का आभा मंडल और निखरा ...

लोकमाया न्यूज ।

राजनांदगांव। नांदगांव शिक्षा मंडल ,राजनांदगांव की शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को और ज्यादा ऊंचाई प्राप्त हुई है । बहु प्रतिक्षित एल एल एम कक्षाओं के संचालन को उच्च शिक्षा विभाग , छत्तीसगढ़ शासन द्वारा स्वीकृति प्रदान कर दी गई । 25 सीटों के लिए मिली हरि झंडी ने नगर के पंडित किशोरीलाल शुक्ल विधि महाविद्यालय में विधि की शिक्षा ग्रहण कर रहे भविष्य के अधिवक्ताओं के लिए स्वर्णिम भविष्य का मार्ग प्रशस्त किया है । शैक्षणिक सत्र 2026-27 से उक्त पाठ्यक्रम में विद्यार्थी प्रवेश ले सकेंगे । नांदगांव शिक्षा मंडल के अध्यक्ष श्री सुरेश एच लाल ,अधिवक्ता ने बताया कि पंडित किशोरीलाल शुक्ल विधि महाविद्यालय द्वारा संचालित तीन वर्षीय एल एल बी शिक्षा के लिए भी 40 अतिरिक्त सीट प्रदान की गई हैं । साथ ही अब एल एल एम जैसे उच्च स्तरीय पाठ्यक्रम के लिए मिली स्वीकृति संस्था की प्रतिबद्धता के दृष्टिकोण से मिल का पत्थर साबित होगी । नगर में एल एल एम पाठ्यक्रम की मान्यता हेतु विशेष रूप से विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के प्रयास के लिए नांदगांव शिक्षा मंडल ने

कृतज्ञता प्रकट की है । स्थानीय प्रशासन सहित जन प्रतिनिधियों ने भी एल एल एम स्वीकृति हेतु अपना अमूल्य योगदान किया । संस्था के श्रीकिशन खंडेलवाल , अनिल वार्ष्णेय , कमलेश उभरानी, उमेश अग्रवाल , अशोक कोटड़िया , अशोक चौधरी , किशोर बेलावाला , जितेंद्र मिश्रा , सचिन अग्रहरि , विधि महाविद्यालय के प्रशासक डॉ. आर. एन.सिंह सहित संस्था के अन्य सदस्यों ने उक्त उपलब्धि पर महाविद्यालय परिवार को शुभकामनाएं दी हैं ।

रेत निकालने पर प्रतिबंध किया सुनिश्चित, रेत घाट पहुंच दी हिदायत

खनिज उड़नदस्ता दल का औचक निरीक्षण- 1 चौन माउंटेन व 3 ट्रेक्टर किए जब्त

लोकमाया न्यूज ।

कोरबा। कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देश तथा उप संचालक, खनि प्रशासन के मार्गदर्शन में जिले में चल रहे रेत घाटों से 10 जून से 15 अक्टूबर तक रेत निकालने पर प्रतिबंध लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के तहत गठित दो खनिज उड़नदस्ता दलों ने जिले में जोगीपाली, तरदा, कुदुरमाल, कटबितला, भैंसामुड़ा, गितारी, बगदर, चिचोली, भिलाई खुर्द, चुईया, कछार, घमोटा, धवईपुर, चारपारा, कुदमुरा में चल रहे वैध घाटों का औचक निरीक्षण किया।

जिस दौरान घाट से रेत निकालने पर प्रतिबंध को सुनिश्चित करते हुए, संबंधित को 10 जून से 15 अक्टूबर तक घाट से रेत न निकालने की भी हिदायत दी गई। कुदमुरा रेत घाट में चौन माउंटेन द्वारा उत्खनन करते पाए जाने पर कार्यवाही करते हुए, जब्त कर सील कर दिया गया। वहीं भिलाईखुर्द में ईंट का अवैध परिवहन कर रहे एक ट्रेक्टर को सिटी कोतवाली थाना में तथा डिंगापुर में ईंट व मिट्टी का उत्खनन कर परिवहन कर रहे 2 ट्रेक्टर पर कार्यवाही करते हुए जब्त कर रामपुर थाना अभिरक्षा में रखा गया।

खनिज विभाग ने स्पष्ट किया है कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जिले में 10 जून से 15 अक्टूबर तक नदियों से रेत निकालने पर प्रतिबंध सुनिश्चित करने, अवैध खनन पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना, प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा शासकीय राजस्व की हानि को रोकना है। नियमों का उल्लघंन करने, अवैध उत्खनन एवं परिवहन में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियमों और अन्य वैधानिक प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जा रही है। विभाग ने चेतावनी दी है कि अवैध खनन और परिवहन के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सिंधी कॉलोनी में अवैध रेत भंडारण से रहवासी परेशान, कार्रवाई की मांग

कोरबा। शहर के डी.डी.एम. स्कूल रोड स्थित सिंधी कॉलोनी में अवैध रेत भंडारण को लेकर स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। रहवासियों का आरोप है कि रिहायशी इलाके में नियमों को ताक पर रखकर धड़ल्ले से रेत डंप की जा रही है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है।

बंद प्लॉट और स्कूल के सामने जमा की जा रही रेत

शिकायतकर्ताओं के अनुसार, कॉलोनी के एक बंद प्लॉट में, जिसकी चारों ओर लगभग 10 फीट ऊंची दीवार बनी हुई है, पिछले कई दिनों से अवैध रूप से रेत का भंडारण किया जा रहा है। इसके अलावा, डी.डी.एम. स्कूल के ठीक सामने स्थित एक अन्य प्लॉट में भी भारी मात्रा में रेत जमा की गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कथित रूप से दिलीप और उसके पुत्र लकी द्वारा इस रेत का भंडारण कराया

जा रहा है।

स्कूली बच्चों और राहगीरों के लिए बढ़ा खतरा

यह पूरा क्षेत्र आवासीय है, जहां आसपास कई घनी कॉलोनियां स्थित हैं। इसी मुख्य मार्ग से प्रतिदिन स्कूली बच्चे, ट्यूशन जाने वाले छात्र-छात्राएं और आम नागरिक गुजरते हैं।

प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की गुहार

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इससे पहले भी इस क्षेत्र में कई बार रेत का अवैध भंडारण किया जा चुका है, लेकिन समय पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने के कारण ऐसे तत्वों के हौसले लगातार बढ़ रहे हैं।

नागरिकों ने जिला प्रशासन, खनिज विभाग और पुलिस प्रशासन से मांग की है कि मामले की तुरंत जांच की जाए और अवैध रेत भंडारण करने वालों के खिलाफसख्त कानूनी कार्रवाई की जाए ताकि क्षेत्र में सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनी रहे।

विदेष (ईजराईल) में रोजगार के अवसर

कोरबा। नेशनल स्कील डेव्हलपमेंट कॉर्पोरेशन ;एनएसडीसीद्ध के अंतर्गत भारत-ईजराईल फ्रेमवर्क एग्रीमेंट किया गया है। जिसके तहत् ईजराईल में होम बेस्ड केयर गिवर के लिए विदेश में रोजगार के अवसर छ0ग0 शासन कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए हैं। पदों की कुल संख्या - 3500 है, वेतन प्रतिमाह लगभग 200000/- है। यह अनुबंध दो वर्ष के लिए किया गया है जिसे आवश्यकतानुसार बढ़ाया जा सकता है। पद के लिए आवश्यक मापदंड-आयु 25 से 45 वर्ष, न्यूनतम 10वीं कक्षा उत्तीर्ण, इंटरमीडिएट स्तर पर अंग्रेजी विषय, न्यूनतम 3 वर्ष का वैध पासपोर्ट, शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ, लंबाई 1.5 मीटर से अधिक, वजन 45 कि.ग्रा. से अधिक, इसके पूर्व ईजराईल में कार्य न किया हो। वांछनीय शैक्षणिक योग्यता- भारतीय नियामक प्राधिकरण से मान्यता प्राप्त 990 घंटे का ओजेटी सहित केयर गिविंग प्रमाण पत्र अनिवार्य है। जनरल ड्यूटी असिस्टेंट, आक्जलरी नर्स मिडवाईफ, जनरल नर्स मिडवाईफ, बी.एस.सी. (नर्सिंग), फिजियोथेरेपी, नर्स असिस्टेंट/मिडवाईफ में कोई एक प्रमाण पत्र। सेवा प्रदान करने वाले आवेदकों को नियोजक द्वारा आवास एवं भोजन की सुविधा दी जावेगी। चिकित्सा बीमा उपलब्ध होगा, 9 दिनों का राष्ट्रीय अवकाश तथा 16 दिनों की वार्षिक अवकाश दी जावेगी।

पी.एम.ए.वाई. के हितग्राही आवासगृहों का निर्माण एक सप्ताह के अंदर प्रारंभ करायें : आयुक्त

आयुक्त आशुतोष पाण्डेय पहुंचे वार्ड क्र. 19 व 20 पथरीपारा क्षेत्र, प्रधानमंत्री आवास योजना के दर्जनों हितग्राहियों से मुलाकात कर उन्हें शीघ्र आवास निर्माण प्रारंभ करने को कहा

लोकमाया न्यूज ।

कोरबा। आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने प्रधानमंत्री आवास योजना के बीएलसी घटक के ऐसे हितग्राही जिनको स्वीकृति पत्र प्राप्त हो चुके हैं, से कहा कि वे अपने आवासगृहों का निर्माण एक सप्ताह के अंदर प्रारंभ करायें तथा आवास निर्माण कार्य में तेजी लाकर 18 माह की अवधि के अंदर निर्माण कार्य पूर्ण करें ताकि वे मुख्यमंत्री जी की गृहप्रवेश सम्मान योजना अंतर्गत प्राप्त होने वाली 32850 रूपये की अतिरिक्त राशि का लाभ प्राप्त कर सकें। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री जी द्वारा आपको पक्का मकान उपलब्ध कराने के लिये यह महत्वपूर्ण योजना क्रियान्वित की गई है, अत: आप सब इस योजना का अधिकतम लाभ उठायें।

आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय अपने प्रात: भ्रमण के दौरान नगर पालिक निगम कोरबा के वार्ड क्र. 19, 20 पथरीपारा स्लम क्षेत्र पहुंचे। आयुक्त श्री पाण्डेय ने प्रधानमंत्री योजना के दर्जनों ऐसे हितग्राहियों जिनको भवन निर्माण स्वीकृति पत्र महीनों पूर्व प्राप्त हो चुके हैं, किन्तु उनके द्वारा अभी तक मकान का निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं कराया गया है, से मुलाकात की। उन्होने इन हितग्राहियों से कहा कि यह अफसोसजनक है कि महीनों पूर्व स्वीकृत पत्र प्राप्त होने जाने के पश्चात भी उनके द्वारा अभी तक आवास निर्माण का कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है, और न ही आवास निर्माण के पूर्व की कोई अन्य कार्यवाही की गई है, अत: तत्काल आवासगृहों का निर्माण कार्य प्रारंभ करायें। उन्होने कहा कि यदि उनके द्वारा स्वीकृत पत्र प्राप्ति के 18 माह के अंदर मकान का निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाता है तो उन्हे गृहप्रवेश सम्मान योजना के तहत 32850 रूपये की अतिरिक्त राशि भी प्राप्त होगी, अत: समयसीमा में आवास निर्माण पूर्ण कर इस योजना का लाभ भी प्राप्त करें। पथरीपारा बस्ती भ्रमण व हितग्राहियों से मुलाकात के दौरान निगम के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय तिवारी, योजना की सहायक नोडल अधिकारी रूचि साहू, सीएलटीसी विरेन्द्र सिंह सैनी, अमन शर्मा, शशिकांत साहू, कौशल साहू, अनिल मोहंती, अमन साहू, रितेश शुक्ला आदि के साथ अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

निगम क्षेत्र में स्वीकृत हैं 4027 नये आवासगृह - यहाँ उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के अंतर्गत नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्र में 4027 नये आवासगृहों की स्वीकृति प्राप्त हुई है, जिनमें से लगभग 3500 हितग्राहियों को आवास स्वीकृति पत्र व भवन अनुज्ञा दी जा चुकी है तथा शेष का वितरण किया जा रहा है। वर्तमान में 1201 हितग्राहियों ने आवास का निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया है तथा यह कार्य प्रगति पर है, शेष हितग्राही निर्माण कार्य प्रारंभ करने में विलंब कर रहे हैं, आयुक्त श्री पाण्डेय ने इन हितग्राहियों से अपील करते हुये कहा है कि वे तत्काल आवासगृहों का निर्माण प्रारंभ करायें, समयसीमा में कार्य को पूरा करें तथा गृहप्रवेश सम्मान योजना का अतिरिक्त लाभ प्राप्त करें। गृहप्रवेश सम्मान योजना अंतर्गत मिलती हैं 32850 रू. की अतिरिक्त राशि - यहाँ उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा गृहप्रवेश सम्मान योजना क्रियान्वित की गई है, जिसमें यदि हितग्राही 18 माह के अंदर आवास निर्माण कार्य का पूर्ण कर लेता है तो उसे इस योजना अंतर्गत 32850 रूपये की अतिरिक्त राशि प्रदान की जाती है, चूंकि मकान निर्माण कार्य प्रारंभ करने में विलंब किया जा रहा है, तो मकान का निर्माण भी उक्त समयसीमा में नहीं हो पायेगा, जिससे वे 32850 रूपये के अतिरिक्त राशि प्राप्त करने से वंचित हो जायेगे।

04 किश्तों में मिलती है राशि - यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री आवास योजना बीएलसी घटक अंतर्गत हितग्राहियों को 02 लाख 50 हजार रूपये की राशि 04 किश्तों में प्रदान की जाती है।

सहकारी समिति से मिली सुविधा, किसान शैलेंद्र प्रसाद साहू की बढ़ी उम्मीदें

किसान हितैषी नीतियों का धरातल पर दिख रहा प्रभाव

लोकमाया न्यूज ।

कोरबा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार किसानों की खुशहाली और कृषि विकास को नई गति देने के लिए लगातार प्रभावी कदम उठा रही है। किसानों को खेती के लिए आवश्यक संसाधन समय पर और सहज रूप से उपलब्ध कराना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसी कड़ी में खरीफ सीजन से पहले जिले में खाद, बीज एवं अन्य कृषि आदान सामग्री का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित किया गया है, जिससे किसानों को बिना किसी परेशानी के सहकारी समितियों के माध्यम से आवश्यक सामग्री उपलब्ध हो रही है। शासन की दूरदर्शी योजनाओं और सुव्यवस्थित व्यवस्थाओं का लाभ किसानों को सीधे मिल रहा है, जिससे उनकी खेती की तैयारियां सुगम हुई हैं और बेहतर उत्पादन की उम्मीद भी बढ़ी है। कोरबा जिले के ग्राम विजयपुर निवासी कृषक श्री शैलेंद्र प्रसाद साहू इसका एक उदाहरण हैं। लगभग साढ़े तीन एकड़ कृषि भूमि में धान की खेती करने वाले श्री साहू अपने पुत्र के साथ खेती-किसानी का कार्य करते हैं और कृषि ही उनके परिवार की मुख्य आजीविका का आधार है। आगामी खरीफ सीजन की तैयारियों के लिए वे कटघोरा स्थित सहकारी समिति पहुंचे, जहां उन्हें आवश्यकतानुसार बीज, 3 बोरी डीएपी एवं 6 बोरी यूरिया आसानी से उपलब्ध हो गया। उन्होंने बताया कि समिति में निर्धारित प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें बिना किसी परेशानी के खाद प्राप्त हो गया, जिससे खेती की तैयारियां समय पर शुरू करने में मदद मिली। श्री साहू ने कहा कि खरीफ सीजन के दौरान किसानों की सबसे बड़ी चिंता खाद-बीज की उपलब्धता को लेकर रहती है, लेकिन अब ऐसी कोई परेशानी नहीं हुई। शासन द्वारा पर्याप्त मात्रा में खाद का भंडारण सुनिश्चित किए जाने से किसानों को आवश्यक सामग्री समय पर मिल रही है। उन्होंने समिति के कर्मचारियों के सहयोग और व्यवस्थाओं की भी सराहना की।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि समय पर कृषि आदान सामग्री मिलने से फसल उत्पादन बेहतर होगा और किसानों को इसका लाभ मिलेगा। श्री साहू ने कहा कि राज्य सरकार किसानों की जरूरतों और समस्याओं को समझते हुए लगातार उनके हित में निर्णय ले रही है। इससे किसानों का आत्मविश्वास बढ़ा है और खेती को लेकर नई उम्मीद जगी है। श्री साहू ने किसानों के हित में किए जा रहे प्रयासों के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन की किसान हितैषी नीतियों से खेती करना आज अधिक सुगम और सम्मानजनक बन गया है।

फीफा विश्व कप का भव्य आगाज

शकीरा, बर्ना बॉय, जे बाल्विन और बेलिंडा की शानदार प्रस्तुतियों ने बांधा समां

मैक्सिको सिटी। फीफा विश्व कप 2026 का रंगारंग उद्घाटन समारोह के साथ आगाज हुआ है। संगीत, रोशनी, आतिशबाजी और विश्वस्तरीय कलाकारों की शानदार प्रस्तुतियों ने स्टेडियम में मौजूद हजारों दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

फुटबॉल के सबसे बड़े महाकुंभ फीफा विश्व कप 2026 का आगाज एक भव्य और रंगारंग उद्घाटन समारोह के साथ हुआ। संगीत, रोशनी और शानदार आतिशबाजी से सजे इस समारोह ने स्टेडियम में मौजूद हजारों दर्शकों को रोमांच से भर दिया। दुनिया के कई मशहूर कलाकारों की दमदार प्रस्तुतियों ने माहौल को उत्सव में बदल दिया, जबकि हर प्रदर्शन के साथ दर्शकों का उत्साह भी चरम पर पहुंचता गया।

माना और बेलिंडा ने की समारोह की शुरुआत

उद्घाटन समारोह की शुरुआत लोकप्रिय बैंड माना की प्रस्तुति से हुई। मंच पर उनकी परफॉर्मेंस के दौरान आसमान आतिशबाजी की रोशनी से जगमगा उठा। इसके बाद लैटिन पॉप स्टार बेलिंडा ने मंच संभाला और अपने शानदार प्रदर्शन से दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। स्टेडियम खचाखच भरा हुआ था और प्रशंसक संगीत की धुनों पर थिरकते नजर आए।

जे बाल्विन ने बिखेरे रंग

समारोह के अगले चरण में कोलंबियाई स्टार जे बाल्विन ने अपने लोकप्रिय गीत क्यू केलर पर प्रस्तुति दी। इस दौरान मंच पर रंगों, रोशनी और विशेष विजुअल इफेक्ट्स का शानदार संगम देखने को मिला। पूरे स्टेडियम का माहौल उत्साह और ऊर्जा से भर गया।

शकीरा और बर्ना बॉय की प्रस्तुति बनी आकर्षण का केंद्र

उद्घाटन समारोह का सबसे बड़ा आकर्षण शकीरा और बर्ना बॉय की संयुक्त प्रस्तुति रही। दोनों कलाकारों ने दाई दाई गीत पर शानदार परफॉर्मेंस दी, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। शकीरा की दमदार मौजूदगी और बर्ना बॉय की जोशीली प्रस्तुति ने पूरे स्टेडियम को एक साथ झूमने पर मजबूर कर दिया। दर्शक भी गीत के साथ गाते और तालियां बजाते नजर आए। प्रस्तुति के अंत में शानदार आतिशबाजी के साथ उद्घाटन समारोह का समापन हुआ।

बढ़त लेने के बाद भी जीत दर्ज नहीं कर सका चेकिया, दक्षिण कोरिया ने वापसी कर 2-1 से हराया

दक्षिण कोरिया ने पिछड़ने के बाद दमदार वापसी करते हुए चेकिया को 2-1 से हराकर फीफा विश्व कप में विजयी शुरुआत की है। दक्षिण कोरिया और चेकिया के बीच ये मैच काफी रोमांचक रहा। इस मैच में पहले हॉफ तक दोनों टीमें कोई गोल नहीं कर सकीं, लेकिन दूसरे हॉफ में कुल तीन गोल हुए और दक्षिण कोरिया बाजी मारने में सफल रहा। चेकिया ने 59वें मिनट में गोल का खाता खोला और दक्षिण कोरिया पर 1-0 की बढ़त बना ली। चेकिया के लिए लाडिसलाव क्रेजकी ने पहला गोल किया। लेकिन दक्षिण कोरिया ने भी हार नहीं मानी और हांग इन बियोम ने 67वें में गोल कर टीम को बराबरी दिलाई। इसके बाद दक्षिण कोरिया के लिए ओह हियोन ग्यू ने दूसरा गोल किया और 2-1 की बढ़त बना ली। चेकिया की टीम अंत तक इस बढ़त को कम नहीं कर सकी और उसे हार का सामना करना पड़ा। पहले हॉफ में गोल करने के कई मौके गंवाए- चेकिया और दक्षिण कोरिया के बीच मैच शुरुआती मिनट से ही रोमांचक रहा है। कोरिया को नौवें मिनट में फ्री किक मिली और उसके पास बढ़त लेने का अच्छा मौका था, लेकिन चेकिया का बैकलाइन मजबूती से डटा रहा और गोल नहीं हो सका। इसके बाद 11वें मिनट में कोरिया को कॉर्नर मिला, लेकिन चेकिया ने फिर गोल होने नहीं दिया। कोरिया ने लगातार दबाव बढ़ाना शुरू किया, लेकिन ली हान बेओम गोलकीपर को नहीं भेद सके।

गिल्बर्टो मोरा का कीर्तिमान, फीफा विश्वकप में मेक्सिको के लिए खेलने वाले बने सबसे युवा खिलाड़ी

मेक्सिको सिटी (ए)। मेक्सिको सिटी स्टेडियम में फीफा विश्व कप 2026 के शुरू होते ही इतिहास रच दिया गया। सिर्फ 17 साल की उम्र में युवा खिलाड़ी गिल्बर्टो मोरा ने मेक्सिको के फुटबॉल इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया। मोरा मैदान पर उतरते ही विश्व कप में मेक्सिको का प्रतिनिधित्व करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। यह पल मैच के 65वें मिनट में आया जब मोरा को बेंच से बाहर बुलाया गया। उनके आते ही घरेलू दर्शकों ने जोरदार तालियां बजाईं, जिसमें बॉक्सिंग मेगास्टार कैनेलो अल्वारेज भी शामिल थे।

विश्व कप में हिस्सा लेने वाले छठे युवा

17 साल और 240 दिन की उम्र में मोरा विश्व कप में खेलने वाले छठे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। पेले (17 साल और 235 दिन), सॉलोमन ओलेम्बे (17 साल और 185 दिन), फेमी ओपाबुनमी (17 साल और 101 दिन), सैमुअल इटो (17 साल और 99 दिन), और नॉर्मन व्हाइटसाइड (17 साल और 41 दिन) वर्ल्ड कप में हिस्सा ले चुके हैं। दक्षिणी मेक्सिको के टक्सटला गुटिरेज में जन्मे और तिजुआना में पले-बढ़े मोरा ने 16 साल की उम्र से ठीक दो महीने पहले शीर्ष स्तर पर डेब्यू किया था। मोरा ने 2025 के फीफा अंडर-20 विश्व कप चिली 2025 में अपने खेल से खासा प्रभावित किया था। इस टूर्नामेंट में मेक्सिको क्वार्टर फाइनल तक पहुंचा और मोरा ने अपनी उम्र से कहीं अधिक परिपक्व खेल दिखाया।

2025 में सीनियर टीम के लिए की शुरुआत

मेक्सिको की सीनियर राष्ट्रीय टीम के लिए उनकी शुरुआत 2025 के कॉनकाकाफ गोल्ड कप में हुई। कोच जेवियर एगुइरे उन पर भरोसा जताया और उन्होंने उम्मीदों पर खरा उतरते हुए शानदार प्रदर्शन किया। मोरा ने क्वार्टर फाइनल में सऊदी अरब के खिलाफ अपना डेब्यू किया, और मेक्सिको की सीनियर नेशनल टीम का प्रतिनिधित्व करने वाले सबसे कम उम्र के फुटबॉलर बन गए। सेमीफाइनल में उन्होंने राउल जिमेनेज के लिए निर्णायक गोल बनाने में मदद की। 17 साल का यह खिलाड़ी खेल को पढ़ने और अंदाजा लगाने, लाइनों के बीच से रिसीव करने, दबाव से बचने, और सही टाइमिंग के साथ बॉल छोड़ने की अपनी काबिलियत के लिए जाना जाता है। वह सिर्फ एक असाधारण टैलेंट नहीं है; उनके पास दबाव होने पर बॉल पाने का धैर्य, रचनात्मकता, और हिम्मत है।

मशहूर भारतीय निशानेबाजी कोच जसपाल राणा का निधन, एशियाई और राष्ट्रमंडल खेल में जीते हैं पदक

नई दिल्ली (ए)। मशहूर भारतीय निशानेबाजी कोच जसपाल राणा का शुक्रवार को निधन हो गया। राणा एशियाई खेलों के पूर्व स्वर्ण पदक विजेता हैं और ओलंपिक में दो बार पदक जीत चुकीं स्टार निशानेबाज मनु भाकर के कोच रह चुके हैं। राणा को 49 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। बताया जा रहा है कि जर्मनी से लौटने के बाद अचानक ही उनकी तबीयत बिगड़ गई थी और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनका निधन हृदय की बीमारी के इलाज के दौरान हुआ है। राणा के परिवार में उनकी पत्नी रीना राणा, बेटी देवांशी, बेटा युवराज, पिता नारायण सिंह राणा और उनकी बहन सुषमा सिंह और छोटा भाई सुभाष राणा शामिल हैं।

फ्लाइट में ही बिगड़ गई थी तबीयत

राणा म्यूनिख में आईएसएसएफ विश्व कप के बाद जर्मनी से लौटे थे। वह फिलहाल भारतीय पिस्टल निशानेबाजों के हाई परफॉर्मेंस कोच के रूप में कार्य कर रहे थे। भारतीय टीम ने इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया था और दो स्वर्ण तक इतने ही रजत पदक जीते थे। भारतीय राइफल संघ (एनआरएआई) के एक सूत्र ने कहा, हां, जसपाल को फ्लाइट में कुछ दिक्कतें हो रही थी और दिल्ली में उतरने के बाद वह सीधे अस्पताल गए। वहां, उनका टेस्ट किया गया और स्टेंट डाला गया। एनआरएआई ने उन्हें आधिकारिक तौर पर 25 मीटर पिस्टल इवेंट के लिए हाई-परफॉर्मेंस कोच नियुक्त किया था। राणा को कड़ी ट्रेनिंग रूटीन शुरू करने का श्रेय दिया जाता है। एनआरएआई ने फरवरी 2025 में राणा को 25 मीटर पिस्टल इवेंट के लिए हाई-परफॉर्मेंस कोच नियुक्त किया था। खेल और शूटर्स की अगली पीढ़ी को तैयार करने में उनके बड़े योगदान के लिए सरकार ने उन्हें 2020 में प्रतिष्ठित द्रोणाचार्य अवॉर्ड से सम्मानित किया।

राणा ने भारत में निशानेबाजी को बढ़ाया आगे

राणा का निधन भारतीय निशानेबाजी जगत के लिए एक बहुत बड़ा झटका है। राणा ने एक चैंपियन खिलाड़ी और कोच, दोनों ही रूपों में तीन दशकों से ज्यादा समय तक अपना योगदान दिया। उन्होंने एशियाई खेलों, राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई चैंपियनशिप में कई पदक जीते और देश के सबसे सफल निशानेबाजों में से एक के रूप में अपनी पहचान बनाई।

राणा ने कई वर्षों तक शानदार ढंग से भारत का प्रतिनिधित्व किया और

भारतीय निशानेबाजी कोच जसपाल के निधन पर राष्ट्रपति मुर्मू ने जताया शोक, पीएम ने भी दी श्रद्धांजलि

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई राजनेताओं ने भारतीय निशानेबाजी टीम के कोच जसपाल राणा के निधन पर दुख जताया है। जसपाल का शुक्रवार को दिल्ली में 49 वर्ष की आयु में निधन हो गया। भारतीय निशानेबाजी के दिग्गज और कोच जसपाल राणा के निधन पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई नेताओं ने शोक जताया है। जसपाल का शुक्रवार को दिल्ली में इलाज के दौरान निधन हो गया। वह 49 वर्ष के थे।

निशानेबाजी को लोकप्रिय बनाने में अहम भूमिका निभाई, खासकर उस समय जब देश में यह खेल विकसित हो रहा था। शूटिंग रेंज पर उनकी उपलब्धियों ने उन्हें काफी पहचान दिलाई और युवा शूटर्स की एक पीढ़ी को इस खेल को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

12 साल की उम्र में जीता था पहला स्वर्ण

अपने मुखर स्वभाव, बेबाक टिप्पणी करने और खेल के प्रति जुनून के कारण भारतीय निशानेबाजी जगत में विद्रोही माने जाने वाले जसपाल राणा में असाधारण प्रतिभा थी और उन्होंने महज 12 साल की उम्र में राष्ट्रीय स्तर का अपना पहला स्वर्ण पदक जीता था। 1994 के राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों में 25 मीटर पिस्टल में स्वर्ण पदक राणा म्यूनिख में आयोजित आईएसएसएफ विश्व कप के बाद भारत लौट रहे थे, लेकिन फ्लाइट में ही उनकी तबीयत बिगड़ गई। दिल्ली एयरपोर्ट से उन्हें सीधे अस्पताल ले जाया गया और उनका निधन हृदय की बीमारी के इलाज के दौरान हुआ। राणा का निधन भारतीय निशानेबाजी जगत के लिए एक बहुत बड़ा झटका है। राणा ने एक चैंपियन खिलाड़ी और कोच, दोनों ही रूपों में तीन दशकों से ज्यादा समय तक अपना योगदान दिया।

जीतना उनकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहली बड़ी सफलता थी। दरअसल एशियाई खेलों का उनका स्वर्ण पदक राजा रणधीर सिंह के 1978 में सोने का तमगा जीतने के 16 साल बाद भारत का पहला स्वर्ण पदक था।

रणधीर सिंह का हाल ही में वृद्धावस्था संबंधी बीमारियों से जूझने के बाद निधन हो गया था। एक निशानेबाज के रूप में राणा के करियर का सबसे बड़ा क्षण 2006 के दोहा एशियाई खेलों में आया जब उन्होंने तीन स्वर्ण पदक और एक रजत पदक जीता, जिसमें उस समय के विश्व रिकॉर्ड की बराबरी करना भी शामिल था। एक उत्कृष्ट निशानेबाज के रूप में शानदार करियर के बाद राणा जूनियर राष्ट्रीय टीम के कोच और हाई परफॉर्मेंस कोच के रूप में अपनी भूमिकाओं से भारतीय निशानेबाजी में बदलाव लेकर आए।

मनु भाकर की अगुवाई में भारत की 30 सदस्यीय शूटिंग टीम घोषित, ईशा और सुरुचि से भी पदक की उम्मीद

नई दिल्ली (ए)। एशियन गेम्स 2026 के लिए एनआरएआई ने मनु भाकर की अगुवाई में भारत की 30 सदस्यीय शूटिंग टीम की घोषणा कर दी है। टीम में 18 राइफल-पिस्टल और 12 शॉटगन निशानेबाज शामिल हैं, जबकि ईशा सिंह, सुरुचि और रुद्रांक्ष पाटिल जैसे खिलाड़ियों से पदक की बड़ी उम्मीदें हैं।

राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियन गेम्स 2026 के लिए भारत की 30 सदस्यीय शूटिंग टीम की घोषणा कर दी है। 19 सितंबर से 4 अक्तूबर तक आयोजित होने वाले एशियाई खेलों में शूटिंग प्रतियोगिताएं 17 सितंबर से 3 अक्तूबर तक आयोजित की जाएंगी। भारतीय दल में 15 पुरुष और 15 महिला निशानेबाजों को जगह मिली है। टीम की अगुवाई डबल ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर करेंगी। सभी चयनित खिलाड़ियों ने युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा निर्धारित कड़े क्वालिफिकेशन मानदंडों को पूरा किया है।

मल्टी-इवेंट खिलाड़ियों पर एनआरएआई का भरोसा

एशियन गेम्स आयोजन समिति द्वारा निर्धारित 30 खिलाड़ियों की सीमा को ध्यान में रखते हुए चयन समिति ने ऐसे खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी है, जो एक से अधिक स्पर्धाओं में भाग लेने की क्षमता रखते हैं। इसी रणनीति के तहत विदर्सा के. विनोद, रुद्रांक्ष बालासाहेब पाटिल, मनु भाकर और ईशा सिंह को विभिन्न स्पर्धाओं में शामिल किया गया है।

एनआरएआई अध्यक्ष कालिकेश सिंह देव ने कहा कि भारतीय शूटिंग में प्रतिभाओं की गहराई को देखते हुए चयन प्रक्रिया काफी चुनौतीपूर्ण रही। समिति ने प्रत्येक स्पर्धा का विस्तृत मूल्यांकन कर ऐसी टीम चुनी है, जो भारत को अधिकतम पदक दिलाने में सक्षम हो। उन्होंने कहा, अंतिम टीम भारतीय शूटिंग की ताकत, गहराई और बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाती है। हमें विश्वास है कि यह दल आइची-नागोया में देश का गौरव बढ़ाएगा।

हालिया प्रदर्शन से बढ़ी उम्मीदें

भारतीय निशानेबाज हाल के महीनों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। हाल ही में संपन्न आईएसएसएफ विश्व कप में भारत ने कई पदक जीते। विशेष रूप से ईशा सिंह ने म्यूनिख विश्व कप में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने के साथ विश्व रिकॉर्ड भी बनाया। वहीं सुरुचि और ईशा सिंह ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण और रजत पदक जीतकर भारत की मजबूत दावेदारी पेश की।

18 राइफल-पिस्टल और 12 शॉटगन निशानेबाज शामिल

भारतीय दल में कुल 18 राइफल एवं पिस्टल तथा 12 शॉटगन निशानेबाजों को शामिल किया गया है।

पदकों पर रहेगा भारत का फोकस

भारतीय शूटिंग दल में अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का संतुलित मिश्रण देखने को मिल रहा है। मनु भाकर, ईशा सिंह, रुद्रांक्ष पाटिल, एलावेनिल वलारिवन और ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर जैसे खिलाड़ियों से भारत को पदक की बड़ी उम्मीदें रहेंगी। हालिया अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन को देखते हुए भारतीय टीम एशियन गेम्स 2026 में मजबूत दावेदार मानी जा रही है।

विश्वकप के उद्घाटन समारोह में विकेड बैंड देगा प्रस्तुति, मैच से ठीक पहले होगा कार्यक्रम

एजबेस्टन। महिला टी20 विश्व कप 2026 की आज से शुरुआत होने जा रही है। टूर्नामेंट के पहले मैच में मेजबान इंग्लैंड का सामना श्रीलंका से होगा। इससे पहले उद्घाटन समारोह आयोजित किया जाएगा जिसमें विकेड बैंड प्रस्तुति देगा। स्टार एम्मा किंग्स्टन और जीजी स्टैलन इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच होने वाले मुकाबले से पहले लाइव परफॉर्मेंस में एल्फाबा और ग्लिंडा के रूप में विकेड के पूरे कलाकारों का नेतृत्व करेंगी। यह प्रदर्शन आईसीसी के उस दृष्टिकोण का हिस्सा है जिसके तहत टूर्नामेंट को खेल से परे ले जाकर सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण अनुभव तैयार किए जाते हैं, जिनमें विशिष्ट क्रिकेट को विश्व स्तरीय मनोरंजन के साथ जोड़ा जाता है। यह आयोजन लंदन के वेस्ट एंड में विक्ड के सफल प्रदर्शन की 20वीं वर्षगांठ के साथ भी मेल खाता है। महिला टी20 विश्व कप का उद्घाटन समारोह मैच से ठीक पहले आयोतिज होगा और इसके साथ ही महिला क्रिकेट के इस महाकुंभ की शुरुआत होगी।

पहले से कहीं अधिक बड़ा और रोमांचक होगा टूर्नामेंट- इस बार महिला टी20 विश्व कप में कुल 12 टीमें हिस्सा ले रही हैं। यह भाग लेने वाली टीम की संख्या के हिसाब से भी सबसे बड़ा है जिसमें 2024 की तुलना में आयरलैंड और नीदरलैंड भी शामिल हो गए हैं। यह विस्तार इस बात का संकेत है कि महिला क्रिकेट दुनिया भर में मजबूत हो रहा है, लेकिन इससे भी अधिक खुशी की बात है कि सभी टीम को बराबरी का मौका मिल रहा है और नई प्रतिभाएं सामने आ रही हैं।

दो ग्रुप में बंटी है टीमें - महिला टी20 विश्व कप के लिए 12 टीमों को छह-छह के दो ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप 1 में ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, भारत, नीदरलैंड, पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका हैं। वहीं, ग्रुप 2 में इंग्लैंड, आयरलैंड, न्यूजीलैंड, स्कॉटलैंड, श्रीलंका और वेस्टइंडीज हैं। दोनों ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करेगी। भारत अपने अभियान की शुरुआत 14 जून को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मैच से करेगा। महिला टी20 विश्व कप का उद्घाटन समारोह भारतीय समयानुसार रात 10 से 10:45 के बीच आयोजित हो सकता है। इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच मैच रात 11 बजे से शुरू होगा। मैच और उद्घाटन समारोह को भारतीय प्रशंसक भारत में टूर्नामेंट के आधिकारिक प्रसारणकर्ता स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर देख सकेंगे।

वैभव सूर्यवंशी को अंतरराष्ट्रीय डेब्यू के लिए करना होगा इंतजार

नई दिल्ली। भारत को इस महीने के अंत में दो मैचों की टी20 सीरीज के लिए आयरलैंड का दौरा करना है। इस सीरीज के लिए युवा बल्लेबाजी सनसनी वैभव सूर्यवंशी को भी मौका दिया गया है। माना जा रहा है कि 15 साल के वैभव आयरलैंड के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय डेब्यू कर सकते हैं। लेकिन अब जो स्थिति बन रही है उसे देखते हुए लग रहा है कि उन्हें इसके लिए इंतजार करना पड़ सकता है। दरअसल, भारत के आयरलैंड दौरे पर संकट के बादल छा गए हैं।

रद्द हुआ इंटर प्रोविंशियल टी20 फेस्टिवल

यहीं नहीं बेलफास्ट में भड़के दंगे के बाद लिस्बर्न में आयोजित होने वाले इंटर प्रोविंशियल टी20 फेस्टिवल को रद्द कर दिया गया है जिसकी पुष्टि बीते गुरुवार को आयरलैंड क्रिकेट की तरफ से की गई। उस दौरान बताया गया था कि सीनियर कप और नेशनल कप मैचों के बारे में फैसला अगले 48 घंटों में लिया जाएगा। **आयरलैंड क्रिकेट का आया बयान:** इस पूरे मामले को लेकर आयरलैंड क्रिकेट ने भी बयान जारी किया है। क्रिकेट आयरलैंड ने कहा, बोर्ड उन इलाकों पर नजर गड़ाए हुए है जहां अशांति बनी हुई है। रविवार को खेले जाने वाले आयरिश सीनियर कप और नेशनल कप मैचों के बारे में फैसला अगले 48 घंटों में लिया जाएगा। हम संबंधित अधिकारियों और अपने प्रांतीय संघों के साथ लगातार संपर्क में हैं। खिलाड़ियों, कोचों, मैच अधिकारियों और समर्थकों की सुरक्षा और संरक्षा हमारी चर्चाओं में सबसे महत्वपूर्ण है। जैसे ही और जानकारी मिलेगी उसे साझा किया जाएगा।

आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम: श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), वैभव सूर्यवंशी, शिवम दुबे, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव।

ऑस्ट्रेलियन ओपन: महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं पीवी सिंधू और तन्वी शर्मा, भारत का शानदार अभियान जारी

नई दिल्ली (ए)। ऑस्ट्रेलियन बैडमिंटन ओपन 2026 के महिला एकल में गुरुवार को पीवी सिंधू और तन्वी शर्मा का प्रदर्शन शानदार रहा, जिन्होंने अपने-अपने मुकाबले जीतकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। विश्व नंबर 10 पीवी सिंधू ने हमवतन और विश्व नंबर 39 खिलाड़ी इशरानी बरुआ को 22-20, 21-12 से हराया। तीसरी वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी ने पहले गेम में इशरानी से मिली कड़ी चुनौती का सामना किया और फिर दूसरे गेम में दबदबा बनाते हुए क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। यह मैच 42 मिनट तक चला। 2 बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधू क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे की चेन सु-यू से मुकाबला करेंगी।

वहीं, एक अन्य ऑल-इंडियन मुकाबले में 17 वर्षीय तन्वी शर्मा ने अपनी सीनियर हमवतन मालविका बंसोड़ के खिलाफ 21-13, 21-15 से शानदार जीत दर्ज की। इस जीत के साथ तन्वी ने साल के अपने दूसरे क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। क्वार्टर फाइनल में उनका सामना जापान की तीन बार की वर्ल्ड चैंपियन और टॉप सीड अकाने यामागुची से होगा। एक अन्य मुकाबले में, तान्या हेमंत को थाईलैंड की दूसरी वरीयता प्राप्त और वर्ल्ड नंबर-8 खिलाड़ी पोर्नपावी चोचुवोंग के हाथों 12-21, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा, जिसके साथ उनका सफर समाप्त हो गया है। हालांकि, मेंस डबल्स में, एमआर अर्जुन और हरिहरन अमसाकरुणन की जोड़ी ने न्यूजीलैंड के माइकल ओवेन और डायलन सोएडजासा की जोड़ी के खिलाफ 21-17, 21-7 से आसान जीत दर्ज करते हुए अपनी उम्मीदें बरकरार रखी हैं। मेंस डबल्स इवेंट में अर्जुन और हरिहरन ही एकमात्र भारतीय बचे हैं, क्योंकि अच्युतादित्य राव डोड्डावरपु और अर्जुन रेड्डी पोचाना शुरुआती दौर में स्थानीय जोड़ी कांकी इगावा और ओई ये हर्न से 15-21, 15-21 से हारकर बाहर हो गए थे।

भारत की टॉप-रैंक वाली डबल्स जोड़ी, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी, बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट में शामिल नहीं हो पाईं, क्योंकि सात्विक को पिछले हफ्ते इंडोनेशिया में कंधे में चोट लग गई थी। इस टूर्नामेंट में भारत की मिक्स्ड डबल्स चुनौती समाप्त हो गई है। ध्रुव रावत और मनीषा कीर की जोड़ी को जापान के अकीरा कोगा और नात्सुो सैतो के हाथों 19-21, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा।

खाने-पीने की इन चीजों का सेवन करने से बचें

कम हो जाएगा लिवर से जुड़ी बीमारियों का खतरा

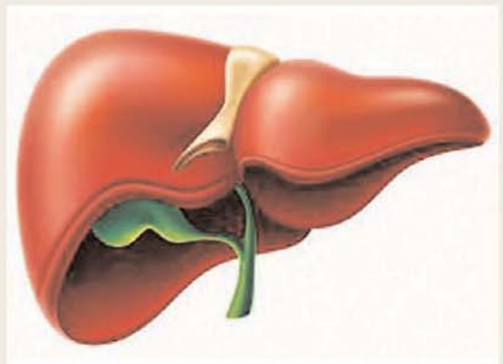

अगर आप अपने लिवर की सेहत को मजबूत बनाए रखना चाहते हैं, तो आपको अपने खान-पान पर खास ध्यान देने की जरूरत है। अनहेल्दी खान-पान की वजह से आपका लिवर बुरी तरह से डैमेज हो सकता है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि लिवर खून को साफ करने का काम करता है और अगर आपका लिवर हेल्दी नहीं रहेगा तो आपको सेहत से जुड़ी कई समस्याओं का सामना करना पड़ेगा।

फ्राइड फूड्स से परहेज करने की कोशिश करें

जो लोग अक्सर फ्राइड फूड्स खाते हैं, उन्हें लिवर से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। तला-भुना खाना लिवर में सूजन पैदा कर सकता है। लिवर से जुड़ी बीमारियों से बचने के लिए फ्राइड फूड्स से परहेज करने में ही समझदारी है।

शुगरी ड्रिंक्स पीने से बचना चाहिए

क्या आप अक्सर शुगरी ड्रिंक्स पीते हैं? अगर हां, तो आपकी इस आदत की वजह से लिवर से जुड़ी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। फैटी लिवर समेत दूसरी लिवर से जुड़ी समस्याओं से बचने के लिए शुगरी ड्रिंक्स को अपने डाइट प्लान में शामिल न करें।

नुकसान पहुंचा सकता है प्रोसेस्ड मीट

अगर आप भी अक्सर प्रोसेस्ड मीट का सेवन करते हैं, तो आपको सावधान हो जाना चाहिए। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक प्रोसेस्ड मीट आपके लिवर की सेहत को बुरी तरह से प्रभावित कर सकता है। यही वजह है कि आपको लिमिट में रहकर ही प्रोसेस्ड मीट को कंज्यूम करना चाहिए।

घातक साबित हो सकती है शराब पीने की आदत

अगर आप शराब पीते हैं, तो न केवल आपका लिवर बल्कि आपकी ओवरऑल हेल्थ बुरी तरह से डैमेज हो सकती है। सेहत से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को कम करने के लिए आपको शराब पीना छोड़ देना चाहिए।

दूध के साथ करें इन चीजों का सेवन

दूर हो जाएगी विटामिन बी12 की कमी

विटामिन बी12 की कमी आपकी सेहत पर बुरा असर डाल सकती है। इसलिए आपको इस जरूरी पोषक तत्व की कमी को जल्द से जल्द दूर करने की कोशिश करनी चाहिए। इसके लिए आप अपने डाइट प्लान में थोड़े बहुत बदलाव कर सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि दूध के साथ कुछ चीजों को कंज्यूम करके आपको विटामिन बी12 की कमी से छुटकारा मिल सकता है।

खा सकते हैं खजूर – विटामिन बी12 की कमी को दूर करने के लिए खजूर का सेवन किया जा सकता है। रात में सोने से पहले दो से चार खजूर को गुनगुने दूध के साथ कंज्यूम करने से जल्द ही विटामिन बी12 की कमी दूर हो सकती है। इसके अलावा इस तरह से खजूर का सेवन करके आप अपनी स्लीप क्वॉलिटी को भी काफी हद तक सुधार सकते हैं।

दूध के साथ पनीर खाएं – पनीर में विटामिन बी12 की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। सोने से पहले गुनगुने दूध के साथ थोड़ा सा पनीर खाएं और विटामिन बी12 की कमी से छुटकारा पाएं। अगर आप अंडा खा लेते हैं, तो दूध के साथ बॉइल्ड एग को भी कंज्यूम कर सकते हैं। दूध के साथ पनीर या फिर अंडे का सेवन करके आप अपनी ओवरऑल हेल्थ को भी काफी हद तक सुधार सकते हैं।

फायदेमंद साबित होगा मेथी दाना 9

अमरूद के पत्तों में छिपा है सेहत का खजाना

जानें इससे मिलते हैं कौन से फायदे और सेवन का सही तरीका

अमरूद का सेवन सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं अमरुद के पत्तों भी आयुर्वेदिक गुणों से भरपूर होते हैं। अमरुद के पत्तों में एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन और मिनिरल्स होते हैं जो समग्र स्वास्थ्य का समर्थन कर सकते हैं। ऐसे में चलिए जानते हैं अमरुद का सेवन करने से सेहत को कौन से फायदे होते हैं और इसका इस्तेमाल कैसे करें?

अमरुद के पत्तों से मिलते हैं ये फायदे:

पाचन होता है बेहतर: अमरूद के पत्ते एसिडिटी को कम करके और पोषक तत्वों के बेहतर अवशोषण को बढ़ावा देकर दस्त और सूजन जैसी पाचन समस्याओं में मदद कर सकते हैं।

रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है मजबूत: अमरूद के पत्तों में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट के उच्च स्तर प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने और संक्रमण से बचाने में मदद कर सकते हैं।

स्किन से जुड़ी परेशानियां होती हैं दूर: अमरूद के पत्तों का उपयोग उनके विरोधी भड़काऊ और एंटीऑक्सीडेंट गुणों के कारण मुँहासे, काले धब्बे और उम्र बढ़ने के संकेतों सहित विभिन्न त्वचा संबंधी समस्याओं को दूर करने के लिए किया जा सकता है।

दांतों के लिए फायदेमंद: अमरूद के पत्तों को चबाने से दांत दर्द और मसूड़ों की समस्याओं को कम करने में मदद मिल सकती है। इसमें मौजूद जीवाणुरोधी गुण मसूड़ों की बीमारी, दांत दर्द और सांसों की बदबू को रोकने में मदद करते हैं।

हृदय स्वास्थ्य के लिए लाभकारी: अमरूद के पत्ते खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करके और संभावित रूप से रक्तचाप विनियमन का समर्थन करके हृदय स्वास्थ्य में योगदान दे सकते हैं।

रक्त शर्करा नियंत्रण: अमरूद के पत्ते रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं, संभावित रूप से मधुमेह वाले व्यक्तियों या जोखिम वाले लोगों को लाभ पहुंचा सकते हैं।

पीरियड्स के दर्द में फायदेमंद: अमरूद के पत्ते मासिक धर्म में ऐंठन के लिए भी लाभ प्रदान कर सकते हैं, संभावित रूप से दर्द की तीव्रता को कम करने के साथ-साथ वजन घटाने में भी सहायता कर सकते हैं।

कैसे करें अमरुद के पत्तों का इस्तेमाल?

ताजे या सूखे अमरूद के पत्तों को 5-10 मिनट तक पानी में उबालें फिर उसे छानकर पिएं। आप स्वाद के लिए शहद या नींबू मिला सकते हैं। अमरूद के पत्तों को पानी में उबालकर ठंडा होने दें। शैम्पू करने के बाद ठंडे पानी से बालों को धोएँ, इससे बाल मज़बूत होंगे और बालों का झड़ना कम होगा। आराम और सुगंधित स्नान के लिए अपने नहाने के पानी में अमरूद के पत्ते डालें।

सुबह खाली पेट पिएं ये देसी ड्रिंक्स, वजन होगा तेजी से कम

अगर आपका वजन तेजी से बढ़ रहा है तो उसे कम करने के लिए अपनी डाइट में इन कुछ देसी ड्रिंक्स को शामिल करें। इन ड्रिंक्स को खाली पेट पीने से न केवल वजन कम होता है बल्कि सेहत से जुड़े अन्य कई फायदे मिलते हैं। संतुलित आहार और नियमित व्यायाम के साथ अपनी सुबह की दिनचर्या में इन ड्रिंक्स को शामिल करने से मेटाबॉलिज़्म तेज होता है जिससे वजन कम करना आसान हो जाता है। चलिए जानते हैं किन ड्रिंक्स के सेवन से बढ़ते मोटापे पर लगाम लगाया जा सकता है।

इन देसी ड्रिंक्स से करें दिन की शुरुआत:

नींबू पानी: नींबू पानी विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। खाली पेट सेवन करने से शरीर को डिटॉक्स करने, पाचन में सुधार करने और पेट भरा होने का एहसास दिलाती है। एक गिलास गर्म पानी में आधा नींबू का रस निचोड़ें। अच्छी तरह से हिलाएँ और इसे खाली पेट पिएँ।

जीरा पानी: जीरा रसोई का एक मुख्य हिस्सा है। जीरा पानी वजन कम करने के साथ आपका पाचन भी दुरुस्त करता है। साथ ही यह जीरा पानी पाचन एंजाइमों को एक्टिव करता है, जिससे खाना आसानी से पच जाता है। जीरा पानी पेट फूलना, कब्ज और एसिडिटी जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है। एक कप पानी में 1 चम्मच जीरा रात भर भिगोएँ। सुबह इसे उबालें, छान लें और इसे गर्म-गर्म पीएँ। नाश्ते से कम से कम 20 मिनट पहले इसे पिएँ।

आंवला का जूस: आंवला विटामिन सी से भरपूर होता है और बेहतर पाचन को बढ़ाता है, वजन को कम करता है, मेटाबॉलिज्म बढ़ाता है और बॉडी को डिटॉक्सफाई करता है। एक गिलास गर्म पानी में 2 बड़े चम्मच ताजा आंवला का जूस मिलाएँ। इसे खाली पेट पिएँ। इसे चाय या कॉफ़ी के साथ पीने से बचें।

दालचीनी का पानी: अगर आप वजन तेजी से कम करना चाहते हैं तो दालचीनी के पानी से बेहतर कोई विकल्प नहीं है। दालचीनी का पानी चयापचय को तेज करने और इंसुलिन के स्तर को नियंत्रण में रखने में मदद कर सकता है, जिससे वजन प्रबंधन में सहायता मिलती है। एक कप पानी उबालें और उसमें एक चम्मच दालचीनी पाउडर या दालचीनी की एक छड़ी डालें। इसे 10 मिनट तक भीगने दें। छान लें और गरम-गरम पी लें।

दिल की सेहत को मजबूत बनाए अंजीर का पानी

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि अंजीर के पानी में पोटैशियम, मैग्नीशियम, कैल्शियम, विटामिन ए, विटामिन बी, विटामिन के, फाइबर, प्रोटीन, आयरन और जिंक समेत कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। यही वजह है कि इस ड्राई फ्रूट के पानी को ओवरऑल हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए आपको सुबह-सुबह खाली पेट अंजीर का पानी पीना चाहिए।

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद

अगर आप पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाना चाहते हैं तो अंजीर का पानी पीना शुरू कर दीजिए। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक अंजीर का पानी आपकी गट हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। इसके अलावा फाइबर रिच अंजीर का पानी पीकर आप अपनी वेट लॉस जर्नी को भी आसान बना सकते हैं।

दिल की सेहत को मजबूत बनाए

क्या आप दिल से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को कम करना चाहते हैं? अगर हां, तो आपको अंजीर के पानी को अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा बना लेना चाहिए। अंजीर के पानी में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपके दिल की सेहत को मजबूत बनाने में कारगर साबित हो सकते हैं। अंजीर का पानी आपकी बोन हेल्थ के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है।

मिलेंगे एक से बढ़कर एक फायदे

जो लोग कमजोर इम्यूनिटी की वजह से बार-बार बीमार पड़ जाते हैं, उन्हें अंजीर का पानी पीने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने के लिए भी इस ड्राई फ्रूट के पानी को कंज्यूम किया जा सकता है। सेहत से जुड़ी इन समस्याओं से छुटकारा पाने और शरीर को फौलादी बनाने के लिए हर रोज सुबह-सुबह अंजीर का पानी पीना शुरू कर दीजिए और महज कुछ ही हफ्तों के अंदर खुद-ब-खुद पॉजिटिव असर देखिए।

कितनी देर में खराब हो जाती है चाय?

कई लोगों को इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि सर्दियों का मौसम चल रहा है या फिर गर्मियों का, उन्हें दिन में एक से दो बार चाय तो पीनी ही होती है। कुछ लोग अपने दिन की शुरुआत चाय से करते हैं, तो वहीं कुछ लोग अपनी थकावट को दूर करने के लिए चाय का सेवन करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ज्यादा देर तक रखी हुई चाय को पीना आपकी सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकता है?

कितनी देर में हो जाती है खराब?

दूध वाली चाय को ज्यादा देर तक नहीं रखना चाहिए। एक बार आपने चाय को पका लिया, तो आपको चाय को ठंडा होने से पहले पी लेना चाहिए। चाय को आधे घंटे से पहले ही पी लेना चाहिए। दूध वाली चाय हर्बल टी की तुलना में जल्दी खराब हो जाती है। हर्बल टी को आप कुछ घंटों तक फ्रिज में स्टोर करके रख सकते हैं।

डाइजेस्टिव सिस्टम पर पड़ सकता है बुरा असर

अगर आपने ज्यादा देर तक रखी हुई चाय को पिया, तो आपके डाइजेस्टिव सिस्टम पर बुरा असर पड़ सकता है। छोटी सी लगने वाली इस गलती की वजह से एसिडिटी, कब्ज और फूड पॉइजनिंग जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। इसके अलावा चाय को ज्यादा देर तक रखने के कारण उसके अंदर मौजूद पोषक तत्व भी कम होते चले जाते हैं।

धमाल 4 के ट्रेलर लॉन्च के लिए बनाई गई ये योजना, पहली बार दिखेगा ऐसा नजारा

अजय देवगन की बहुप्रतीक्षित फिल्म धमाल 4 के पोस्टर और रिलीज तारीख का खुलासा हो गया है। हाल ही में ऐलान किया गया कि इसका ट्रेलर आज 12 जून को आधिकारिक तौर पर रिलीज किया जाएगा। ताजा जानकारी है कि निर्माता ट्रेलर को एक भव्य कार्यक्रम के तहत लॉन्च करेंगे जिसके लिए बड़ी तैयारी चल रही है। रिपोर्ट के अनुसार, मुंबई के बाहरी इलाके में स्थित पार्क इमैजिका में यह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

रिपोर्ट के अनुसार, एक सूत्र ने बताया, धमाल 4 एक खास फिल्म है और इसलिए, निर्माताओं को यह स्पष्ट था कि ट्रेलर लॉन्च का अनुभव भी अनोखा होना चाहिए। इसी के अनुरूप, उन्होंने इमैजिका को आयोजन स्थल के रूप में चुना। और बस इतना ही नहीं। मनोरंजन पार्क में आने वाले मीडियाकर्मियों को एक ऐसा रोमांचक अनुभव मिलेगा जो पारंपरिक ट्रेलर रिलीज से कहीं बढ़कर होगा। कुल मिलाकर ट्रेलर लॉन्च को एक लाइव मनोरंजन अनुभव में बदलने की योजना है। सूत्र ने आगे कहा, कार्यक्रम का सबसे बड़ा आकर्षण 60 फीट लंबा पोस्टर अनावरण होगा। इसमें पूरी स्टारकास्ट की उपस्थिति में पोस्टर एक भव्य झरने से नीचे गिरेगा।

अभिनेत्री नियति फातनानी का खुलासा, खतरों के खिलाड़ी के प्रोमो के बाद हुई थी ट्रोलिंग

अभिनेत्री नियति फातनानी ने कहा है कि रियलिटी शो के दौर में कई बार मशहूर हस्तियों की बातों को संदर्भ से अलग करके देखा और परखा जाता है।

फातनानी ने खतरों के खिलाड़ी के दौरान अपने अनुभव का जिक्र करते हुए बताया कि एक प्रोमो जारी होने के बाद उन्हें काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था। हालांकि, पूरा एपिसोड प्रसारित होने के बाद लोगों को वास्तविक स्थिति समझ में आई और उन्होंने उनका समर्थन किया। फातनानी ने अपने अनुभव का उदाहरण देते हुए कहा, खतरों के खिलाड़ी के दौरान जब एक प्रोमो रिलीज हुआ था, तब मुझे प्रशंसकों की ओर से काफी आलोचना झेलनी पड़ी। हालांकि, जो लोग मुझे जानते थे, उन्हें पूरा भरोसा था कि मैं कभी कुछ गलत नहीं करूंगी। एपिसोड प्रसारित होने के बाद सभी को सच्चाई पता चल गई और उन्होंने मेरा समर्थन किया। दरअसल, उस व्यक्ति को शो से बाहर कर दिया गया था। अभिनेत्री ने कहा, प्रशंसक अपने पसंदीदा कलाकारों के प्रति बेहद भावुक होते हैं और यह एक सेलिब्रिटी होने का स्वाभाविक हिस्सा है। सोशल मीडिया के दौर में प्रतिभा और दृश्यता में कौन अधिक महत्वपूर्ण है, इस सवाल पर फातनानी ने कहा कि दोनों पूरी तरह अलग-अलग चीजें हैं।

उन्होंने कहा, अगर कोई कलाकार प्रतिभाशाली है और अच्छा प्रदर्शन कर सकता है, तो निर्देशक और निर्माता उसे भूमिका के लिए चुनेंगे। दूसरी ओर, व्यावसायिक नजरिए से यदि किसी परियोजना को दृश्यता से फायदा मिलता है, तो प्रभावशाली सोशल मीडिया हस्तियों को भी कास्ट किया जा सकता है। सोशल मीडिया आज मनोरंजन उद्योग का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है।

जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी सोशल मीडिया पर अपने रिश्ते को छिपाने का दबाव महसूस किया है, तो उन्होंने इससे इनकार किया।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह रिश्ते में शामिल लोगों पर निर्भर करता है। यदि दोनों साथी सहज हैं, तो बाकी किसी बात का कोई खास महत्व नहीं रह जाता।

भूत बंगला की ओटीटी रिलीज का ऐलान, आज 12 जून को नेटफ्लिक्स आएगी अक्षय कुमार की फिल्म

अक्षय कुमार इन दिनों आगामी कॉमेडी फिल्म वेलकम टू द जंगल को लेकर खबरों में हैं। इस बीच, उनकी पिछली हॉरर कॉमेडी भूत बंगला डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दस्तक देने के लिए तैयार है। प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित यह फिल्म 17 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और इसने दुनियाभर में 253 करोड़ रुपये से ज्यादा का ग्रॉस कलेक्शन किया है। जिन लोगों ने अभी तक फिल्म को नहीं देखा है, उनके पास घर बैठकर फिल्म देखने का शानदार मौका है। बालाजी टेलीफिल्म्स के बैनर तले बनी भूत बंगला नेटफ्लिक्स पर 12 जून को दस्तक दे रही है। निर्माताओं ने ऐलान करते हुए लिखा, ज़ोर ज़ोर से बोलके सबको डरा दो। भूत बांग्ला में जल्दी एंट्री होगी। फिल्म में वामिका गब्बी, राजपाल यादव, तब्बू, परेश रावल, जीशू सेनगुप्ता और असरानी भी अहम किरदारों में हैं। इसकी कहानी काल्पनिक गांव मंगलपुर के इर्द-गिर्द घूमती है, जहां वधुसुर का आतंक है। वह नई नवेली दुल्हनों को रहस्यमयी तरीके से गायब कर देता है।

नेटफ्लिक्स की ओर से फिल्म का पोस्टर शेयर करने के साथ ही इसकी रिलीज का ऐलान किया गया है. पोस्ट के कैप्शन में लिखा गया, जोर से बोलकर सबको डरा दो. भूत बंगला में जल्द एंट्री होगी. भूत

जाह्नवी कपूर की हॉरर फिल्म के लिए तैयारी, इस निर्देशक संग बातचीत जारी

जाह्नवी कपूर इस वक्त राम चरण की फिल्म पेद्दी से लोगों का ध्यान खींच रही हैं। इस फिल्म में उन्होंने अचियम्मा नाम की एक गांव की लड़की का किरदार निभाया है।

यह देवरा (2024) के बाद साउथ में उनकी दूसरी फिल्म है। ताजा जानकारी है कि जाह्नवी अपनी अगली फिल्म के लिए तैयारी शुरू कर चुकी हैं। वह एक हाई-कॉन्सेप्ट हॉरर फिल्म के लिए बातचीत कर रही हैं, जिसका निर्देशन तुम्बाड वाले राही अनिल बर्वे करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, इस हॉरर फिल्म के लिए जाह्नवी और निर्माताओं के बीच बातचीत अंतिम चरण में हैं। सूत्र ने कहा, जाह्नवी कपूर फिलहाल अपनी अगली फिल्म के लिए स्क्रिप्ट पढ़ रही हैं और संभावित परियोजनाओं पर चर्चा कर रही हैं। उन्होंने राही अनिल बर्वे द्वारा निर्देशित हॉरर फिल्म में गहरी दिलचस्पी दिखाई है। तैयारियों का काम पहले ही शुरू हो चुका है और निर्माता इस साल के अंत तक प्रोडक्शन शुरू करने की उम्मीद कर रहे हैं।

सूत्र ने आगे कहा, जाह्नवी के लिए यह एक बिलकुल नया किरदार है और इसके लिए व्यापक तैयारी की जरूरत है। वह जल्द अनुबंध पर हस्ताक्षर करेंगी। फिल्म का निर्माण बड़े पैमाने पर निर्मित क्रिएचर हॉरर के रूप में चल रहा है। इसे जियो स्टूडियोज का समर्थन प्राप्त होगा। शूटिंग इस साल के अंत में शुरू हो सकती है। जाह्नवी लग जा गले में नजर आएंगी, जिसमें टाइगर श्रॉफ और लक्ष्य भी हैं। यह 14 मई, 2027 को रिलीज होगी।

पेद्दी के आगे है जवानी तो इश्क होना है भी मचा रही बवाल, 6ठे दिन दुनियाभर में 50 करोड़ के हुई पार

वरुण धवन, पूजा हेगड़े और मृणाल ठाकुर की फ़िल्म है जवानी तो इश्क होना है 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. इस फिल्म से वरुण धवन और उनके पिता डेविड धवन ने चौथी बार साथ काम किया है. इस फिल्म को क्रिटिक्स और दर्शकों दोनों से मिक्स्ड रिव्यू मिला है. इसी के साथ ये बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार परफॉर्म तो नहीं कर रही है फिर भी ये ठीक-ठाक कमाई कर पा रही है और धीरे-धीरे नए मुकाम हासिल कर रही है. चलिए यहां है जवानी तो इश्क होना है के छठे दिन का कलेक्शन जानते हैं.

डेविड धवन की है जवानी तो इश्क होना है की शुरुआत तो ठीक-ठाक वीकेंड के साथ हुई, लेकिन पहले सोमवार के बाद से इसमें लगातार गिरावट देखी जा रही है. वहीं अब सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, छठे दिन फ़िल्म की कमाई में पिछले दिन के मुकाबले 27.3त्न की गिरावट आई और इसने 7,495 शो में 2.85 करोड़ रुपये कमाए. इसी के साथ अब भारत में इस फिल्म का 6 दिनों का कुल नेट कलेक्शन 34.15 करोड़ रुपये हो गया है, जबकि ग्रॉस कलेक्शन 40.60 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है

ओवरसीज में वरुण धवन की इस फ़िल्म ने छठे दिन 0.75 करोड़ रुपये कमाए, जिससे इसका कुल ओवरसीज़ ग्रॉस कलेक्शन 11.25 करोड़ रुपये हो गया है. वहीं घरेलू ग्रॉस कलेक्शन को मिलाकर, फ़िल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 51.85 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है.

है जवानी तो इश्क होना है अभी अनुराग कश्यप की बॉबी देओल स्टारर बंदर, बुची बाबू सना की पेद्दी और हॉलीवुड फैंटेसी एडवेंचर फ़िल्म ही-मैन एंड द मास्टर्स ऑफ़ द यूनिवर्स के साथ स्क्रीन शेयर कर रही है. बावजूद इसके वरुण धवन स्टारर ने दुनियाभर में 50 करोड़ से ज्यादा का कारोबार कर लिया है.

टमाटर से बनाए जा सकते हैं ये 5 स्वादिष्ट व्यंजन, जानिए रेसिपी

टमाटर एक ऐसी सब्जी है, जो न केवल सलाद में बल्कि कई स्वादिष्ट व्यंजनों में भी इस्तेमाल की जा सकती है। टमाटर में विटामिन-सी, पोटेशियम और एंटी-ऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो सेहत के लिए फायदेमंद हैं। आइए आज हम आपको टमाटर से बनाए जाने वाले कुछ ऐसे व्यंजनों की रेसिपी बताते हैं, जो खाने में बेहद स्वादिष्ट और पौष्टिक हैं। इन व्यंजनों को बनाना भी आसान है और ये आपके खाने का मजा बढ़ा सकते हैं।

टमाटर का हलवा- टमाटर का हलवा एक खास और स्वादिष्ट मिठाई है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले टमाटर को उबालकर उसका पेस्ट बना लें, फिर घी में सूजी भूनें और उसमें टमाटर का पेस्ट मिलाएं। इसके बाद इसमें चीनी, इलायची पाउडर और सूखे मेवे डालकर पकाएं। यह हलवा न केवल स्वादिष्ट है बल्कि पोषण से भरपूर भी है। इसे आप किसी खास मौके पर बना सकते हैं या किसी भी समय मिठाई के रूप में परोस सकते हैं।

टमाटर का पुलाव- टमाटर का पुलाव एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है जब आप कुछ नया आजमाना चाहते हैं। इसे बनाने के लिए सबसे पहले बासमती चावल को धोकर भिगो दें, फिर तेल या घी में जीरा, तेजपत्ता, दालचीनी डालकर भूनें। अब कटे हुए प्याज डालें और सुनहरा होने तक भूनें, फिर कटे हुए टमाटर डालकर पकाएं जब तक वे नरम हो जाएं। इसके बाद भिगोए हुए चावल डालकर पानी मिलाएं और धीमी आंच पर पकने दें।

टमाटर का रायता- गर्मियों में ठंडा-ठंडा रायता कौन नहीं पसंद करता? टमाटर का रायता बनाने के लिए सबसे पहले दही को अच्छे से फेंट लें, फिर इसमें कद्दूकस किया हुआ टमाटर, काला नमक, भुना जीरा पाउडर और हरी मिर्च डालकर मिलाएं। इसे ठंडा-ठंडा परोसें। यह रायता खाने में बहुत ही स्वादिष्ट और पौष्टिक है। इसे आप किसी भी मुख्य भोजन के साथ परोस सकते हैं। यह रायता न केवल आपके खाने को ताजगी देता है बल्कि आपके पेट को भी शांत रखता है।

टमाटर की कढ़ी- पंजाबी कढ़ी तो आपने कई बार खाई होगी, लेकिन क्या आपने कभी टमाटर की कढ़ी चखी है? अगर नहीं तो आज ही आजमाएं। इसके लिए बेसन के घोल में मसाले मिलाकर छोटे-छोटे पकौड़े बना लें, फिर पानी उबालकर उसमें हल्दी, नमक, लाल मिर्च मिलाकर पकाएं। अब इन पकौड़ों को इसमें डालकर पकाएं। दूसरी तरफ टमाटर की ग्रेवी बनाने के लिए टमाटर, प्याज, अदरक-लहसुन का पेस्ट बनाकर मिलाएं। अंत में दोनों को मिलाकर परोसें।

टमाटर की चटनी- दाल-चावल या पराठे किसी भी व्यंजन के साथ परोसने लायक यह चटनी बहुत ही आसान तरीके से बनाई जा सकती है। इसके लिए सबसे पहले टमाटर, प्याज, लहसुन, हरी मिर्च, धनिया पत्तियां और नींबू रस मिलाकर पीस लें। अब इस मिश्रण को कटोरे में निकालकर उसमें नमक, जीरा पाउडर और थोड़ा-सा तेल डालें। आपका स्वादिष्ट टमाटर की चटनी तैयार है। इसे आप अपने खाने में शामिल कर सकते हैं।

बालों के झड़ने का कारण बन सकती हैं ये 5 गलतियां, इनसे बचें

बालों के झड़ने की समस्या से हर कोई परेशान है। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं, जिनमें बालों की देखभाल से जुड़ी गलतियां शामिल हैं। अक्सर लोग अपने बालों की देखभाल करते समय कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जिनसे बालों की जड़ें कमजोर हो जाती हैं और बाल झड़ने लगते हैं। आइए आज हम आपको बालों की देखभाल से जुड़ी ऐसी गलतियों के बारे में बताते हैं, जो बालों के झड़ने का कारण बन सकती हैं।

रोजाना शैंपू करने की गलती

अगर आप उन लोगों में से हैं, जो रोजाना अपने सिर पर शैंपू करते हैं तो यह बालों की देखभाल से जुड़ी सबसे बड़ी गलती है। रोजाना शैंपू करने से सिर का प्राकृतिक तेल खत्म हो जाता है, जिससे बालों की जड़ें कमजोर होने लगती हैं और बाल टूटने लगते हैं। बेहतर होगा कि आप हफ्ते में 2-3 बार ही अपने सिर पर शैंपू करें। इससे बालों की सेहत बनी रहती है और वे मजबूत बनते हैं।

गीले बालों पर कंघी करने की आदत

गीले बालों पर कंघी करना भी बालों के झड़ने का एक कारण हो सकता है। दरअसल, गीले बाल कमजोर होते हैं और उन पर ज्यादा दबाव पड़ने से वे टूट सकते हैं। इसलिए गीले बालों पर कंघी करने

से बचना चाहिए। इसके बजाय आप गीले बालों को सूखे तौलिये से हल्के हाथों से थपथपा सकते हैं। इसके बाद जब बाल थोड़े सूख जाएं तब ही कंघी करें, इससे बाल टूटने की संभावना कम हो जाएगी।

कंडीशनर का गलत तरीके से इस्तेमाल करना

बालों की देखभाल के लिए कंडीशनर का इस्तेमाल करना जरूरी है, लेकिन इसे गलत तरीके से इस्तेमाल करने पर बालों को नुकसान भी पहुंच सकता है।

कई लोग पूरे सिर पर कंडीशनर लगा लेते हैं, जबकि इसे सिर्फ बालों की लंबाई पर लगाना चाहिए। इसके अलावा सिर की जड़ों पर कंडीशनर लगाने से सिर की त्वचा चिपचिपी हो जाती है, जिससे बाल झड़ने की संभावना बढ़ जाती है। ऐसी गलतियों से बचकर बालों को स्वस्थ रखा जा सकता है।

गर्म पानी से सिर धोना

गर्म पानी से सिर धोना भी एक बड़ी गलती है। गर्म पानी बालों की नमी को छीन लेता है और उन्हें रूखा बना देता है, जिससे बाल टूटने लगते हैं।

इसलिए हमेशा अपने सिर को धोने के लिए गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें।

इसके अलावा ठंडे पानी से अंतिम धोने से बालों में चमक आती है और वे स्वस्थ दिखते हैं। इस तरह आप अपने बालों को स्वस्थ रख सकते हैं और उनकी चमक बरकरार रह सकती है।

गर्म पानी से सिर धोना

गर्म पानी से सिर धोना भी एक बड़ी गलती है। गर्म पानी बालों की नमी को छीन लेता है और उन्हें रूखा बना देता है, जिससे बाल टूटने लगते हैं। इसलिए हमेशा अपने सिर को धोने के लिए गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें। इसके अलावा ठंडे पानी से अंतिम धोने से बालों में चमक आती है और वे स्वस्थ दिखते हैं। इस तरह आप अपने बालों को स्वस्थ रख सकते हैं और उनकी चमक बरकरार रह सकती है।

संक्षिप्त समाचार

भारत भाग्य विधाता प्रभावशाली फिल्म : रोली शुक्ला

रायपुर। विगत दिनों भारत भाग्य विधाता फिल्म की अभिनेत्री एवं मंडी लोकसभा की सांसद कंगना रनौत अपनी फिल्म भारत भाग्य विधाता के प्रीमियर शो के लिए जोरा माल आई हुई थी। उनके फिल्म का प्रोमो छग के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के उपस्थिति में रिलीज हुआ। उक्त फिल्म 26.11 में मुंबई में हुई आतंकवादी घटनाओं पर आधारित है। आतंकवादियों ने जिस तरीके से मुंबई में बम ब्लास्ट करके दहशत फैलाई उस पर नर्स की भूमिका में कंगना की भूमिका बेहद प्रभावी है। उक्त विचार जोरा माल में आयोजित फिल्म की दर्शक रोहणी पुरम निवासी रोली शुक्ला ने व्यक्त किया । रोली ने बताया कि फिल्म बेहद प्रभावशाली है। उक्त फिल्म दिल्ली शासन द्वारा टैक्स फ्री की गई है। उन्होंने छग के मुख्यमंत्री विष्णुदेव सरकार से भारत भाग्य विधाता फिल्म को छत्तीसगढ़ में टैक्स फ्री करने की मांग की है। ताकि शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र के आम लोगों को पता चले की। आतंकवादियों ने मुंबई को नष्ट करने में कैसा षडयंत्र रचा था।

गैस सिलेंडर की मारामारी से आम उपभोक्ता हो रहे परेशान

रायपुर। अमेरिका और ईरान के बीच हो रहे युद्ध के चलते यहां दैनिक उपयोग में आने वाली वस्तुएं महंगी हो गई है वहीं पेट्रोल डीजल की किल्लत भी प्रदेश के अन्य जिलों में आम उपभोक्ता झेल रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सार्वजनिक बयान दे चुके हैं कि प्रदेश एवं देश में पेट्रोल डीजल एवं गैस की कोई कमी नहीं है। आम जनता अफवाहों के जाल में न फंसे जबकि जमीनी तौर पर स्थिति कुछ और है। रायपुर कलेक्टर गौरव सिंह द्वारा गैस एवं पेट्रोल डीलरों के बैठक में अनावश्यक रूप से उपभोक्ता को परेशान करने पर सख्त कार्यवाही किए जाने की चेतावनी दी गई थी इसके बाद भी शहर के गैस डीलर आम उपभोक्ता को केवाईसी एवं ओटीपी के नाम पर परेशान कर रहे हैं। शहर में गैस उपभोक्ता गैस सिलेंडर की रिफील की कालाबाजारी से परेशान हो रहे हैं। 2000 रूपए देने पर भी गैस रिफील उपभोक्ताओं को नहीं मिल रही है। गैस महिला उपभोक्ता दलदल सिवनी निवासी रेखा बंजारे एवं पुराना राजेन्द्रनगर निवासी भारती अग्रवाल ने कलेक्टर रायपुर एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से गैस सिलेंडर रिफील की कालाबाजारी रोकने की मांग की है। गौरतलब है कि मिली जानकारी के अनुसार पिछले दिनों धमतरी में पेट्रोल की कालाबाजारी किए जाने की सूचना मिली है, वहां पर वाहन चालकों को 140 रूपए लीटर पेट्रोल बेचा जा रहा है। जबकि आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में एवं कांकेर में भी अधिकांश पेट्रोल पंप सूखे हुए हैं जिसके चलते दोपहिया वाहन एवं चौपहिया वाहन चालक परेशान हो रहे हैं। युद्ध की स्थिति का लाभ उठाते हुए पेट्रोल एवं गैस डीलर एसोसिएशन के सदस्य आम उपभोक्ताओं को परेशान कर रहे हैं। शहर की अनेक महिला उपभोक्ताओं ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को प्रदेश के समस्त जिलाधीशों एवं पुलिस अधीक्षकों को इस संबंध में कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ तत्काल सख्त कार्यवाही करने की मांग की है।

भौता क्षेत्र को मिली 10.50 करोड़ के सड़क का भूमिपूजन

मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने किया भूमि पूजन, लगभग 13.5 किमी डामरीकृत सड़क से ग्रामवासियों को मिलेगा लाभ

लोकमाया न्यूज।

एमसीबी, मनेंद्रगढ़। जिले के मनेंद्रगढ़ जनपद क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भौता सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों के लिए एक बड़ी सौगात सामने आई है। वर्ष 1994 से सड़क निर्माण की मांग कर रहे ग्रामीणों का इंतजार अब खत्म होने जा रहा है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के तहत लगभग 13.5 किलोमीटर लंबी पक्की डामरीकृत सड़क का निर्माण किया जाएगा, जिसकी अनुमानित लागत लगभग 10 करोड़ 50 लाख रुपये है। क्षेत्र के विधायक एवं छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने विधिवत भूमि पूजन कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया।

ग्रामीणों ने बताया कि पिछले तीन दशकों से सड़क निर्माण की मांग लगातार की जा रही थी, लेकिन अब जाकर इस बहुप्रतीक्षित परियोजना को स्वीकृति मिली है। सड़क निर्माण से क्षेत्र के लोगों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलेगी और विकास की नई राह खुलेगी।

दो महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं का हुआ शुभारंभ

भूमि पूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि क्षेत्र के विकास को गति देने के उद्देश्य से दो महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं का भूमि पूजन किया गया है। इनमें मुख्य मार्ग से बड़का पारा तथा मेन रोड से नारायणपुर बोदरा पारा तक सड़क निर्माण कार्य शामिल है।उन्होंने बताया कि इस मार्ग का लगभग साढ़े आठ किलोमीटर हिस्सा वर्षों से अत्यंत जर्जर अवस्था में था। बरसात के दिनों में सड़क की हालत इतनी खराब हो जाती थी कि दोपहिया वाहन तक नहीं चल पाते थे। ग्रामीणों को अस्पताल, स्कूल, बाजार और अन्य आवश्यक कार्यों के लिए भारी

कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था।

सात पंचायतों को सीधा लाभ

मंत्री जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बनने वाली यह सड़क क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगी। सड़क निर्माण से भौता, नारायणपुर सहित मध्यप्रदेश सीमा से लगे कई गांवों को सीधा लाभ मिलेगा। इसके अलावा मरवाही, कोड़ा, नेवरी एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के लिए भी आवागमन अधिक सुगम और सुरक्षित होगा।

उन्होंने कहा कि सड़क बनने से किसानों को अपनी उपज बाजार तक पहुंचाने में आसानी होगी, विद्यार्थियों को स्कूल और कॉलेज जाने में सुविधा मिलेगी तथा मरीजों को समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। इससे क्षेत्र की सामाजिक और आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी।

ढाई वर्षों में मिली लगभग 100 किलोमीटर सड़कों की सौगात

कार्यक्रम में बताया गया कि भौता से सटे सात ग्राम पंचायतों में पिछले ढाई वर्षों के दौरान लगभग 100 किलोमीटर सड़क निर्माण कार्य की सौगात दी जा चुकी है। इनमें कई सड़कें पूर्ण होकर लोगों के उपयोग में आ चुकी हैं, जबकि कई अन्य सड़कों का निर्माण कार्य प्रगति पर है या शीघ्र प्रारंभ होने वाला है।ग्रामीणों ने सड़क निर्माण कार्य शुरू होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह परियोजना क्षेत्र के लंबे समय से लंबित विकास कार्यों में से एक थी।

5 दिवसीय वीर हिंदू विजेता हिंदू प्रशिक्षण शिविर का हुआ शुभारंभ

लोकमाया न्यूज।

रायपुर। डॉ प्रवीण भाई तोगड़िया जी के नेतृत्व में पूरे देश में कार्य करने वाला कट्टर हिंदू संगठन राष्ट्रीय बजरंग दल छत्तीसगढ़ का वीर हिंदू विजेता हिंदू प्रशिक्षण शिविर युवा प्रोटेक्शन ट्रेनिंग का उद्घाटन राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री माननीय प्रदीप गौर जी के द्वारा किया गया वीर हिंदू विजेता हिंदू प्रशिक्षण शिखर में युवाओं को शारीरिक, मानसिक,बौद्धिक एवं व्यक्तित्व विकास का प्रशिक्षण दिया जावेगा जिससे कि युवा आत्मरक्षा के साथ-साथ देश धर्म एवं संस्कृति की रक्षा के लिए सदा तैयार रहे। ऐसा राष्ट्रीय बजरंग दल का मुख्य उद्देश्य है वीर हिंदू विजेता हिंदू प्रशिक्षण शिविर के उद्घाटन में राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री प्रदीप गौर जी ने अपने बौद्धिक मे संगठन की महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए पांच दिवस तक चलने वाले प्रशिक्षण की क्रमश: जानकारी दी एवं अपने ओजशश्वी भाषण से युवाओं में जोश भरा। पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में ट्रेनर द्वारा युवाओं को दैनिक दिनचर्या का पालन करते हुए, योग प्राणायाम, तीरंदाजी, लक्ष्यभेद, नियुद्ध, दंड, गुलेल, बाधा,खेल कूद,अनुशासन, व्यक्तित्व विकास एवं वक्तत्व कला का प्रशिक्षण दिया जा रहा है इस प्रशिक्षण मे छत्तीसगढ़ प्रांत के प्रांत संगठन मंत्री राहुल बादीवा महामंत्री महेंद्र साब, प्रांत मंत्री नागेश्वर साहू प्रांत अध्यक्ष कृष्ण राव, प्रांत उपाध्यक्ष जितेंद्र महंत महामंत्री मुकेश चक्रधारी हिंदू हेल्पलाइन महामंत्री हेमंत साहू प्रांत मीडिया प्रभारी सूर्यकुमार राय सह संगठन मंत्री गौरी शंकर भलावी सहित जिला, ब्लॉक, तहसील के हिन्दू वीर पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड ने मोहर्रम-उर्स में डीजे, बैंड-बाजा और आतिशबाजी पर लगाई रोक, 50 हजार जुर्माने की चेतावनी

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज ने मोहर्रम, उर्स और अन्य आयोजन को लेकर महत्वपूर्ण अपील जारी करते हुए प्रदेश की सभी ताजिया कमेटियों, दरगाह कमेटियों, उर्स कमेटियों, मुतवल्लियान और इंतेजामिया कमेटियों से कहा है कि सभी धार्मिक कार्यक्रम केवल कुरआन, हदीस और शरीअत के मुताबिक ही आयोजित किए जाएं। मोहर्रम, उर्स और अन्य मजहबी आयोजनों में डीजे, धुमाल, बैंड-बाजा, नाच-गाना, आतिशबाजी तथा अन्य गैर-शरई गतिविधियों की किसी भी स्थिति में अनुमति नहीं होगी। वक्फ बोर्ड ने कहा है कि धार्मिक आयोजनों की गरिमा और पवित्रता बनाए रखना सभी संबंधित समितियों की जिम्मेदारी है। बोर्ड ने चेतावनी दी है कि किसी जुलूस, उर्स या मजहबी तकरीब में प्रतिबंधित गतिविधियां पाए जाने पर संबंधित समिति और उसके जिम्मेदार पदाधिकारियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। आवश्यकता पडने पर संबंधित समिति की मान्यता समाप्त करने की भी कार्रवाई की जा सकती है। वक्फ बोर्ड ने यह भी कहा है कि नियमों के उल्लंघन की स्थिति में संबंधित समिति और इंतेजामिया पर 50 हजार रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। बोर्ड ने सभी आयोजकों से अपील की है कि वे कार्यक्रमों को पूरे अदब, एहतराम और अनुशासन के साथ संपन्न कराएं तथा किसी भी विवाद या अनुचित गतिविधि से बचें। वक्फ बोर्ड ने प्रदेश के मुस्लिम समाज से हजरत इमाम हुसैन और शहीद-ए-कर्बला की कुर्बानियों की याद में मोहर्रम को सादगी, इबादत, सब्र और अखलाक के साथ मनाने की अपील की है।

स्मार्ट मीटर के बढ़े हुए बिजली बिलों पर फूटा उपभोक्ताओं का गुस्सा, बिजली कार्यालय में धरना

लोकमाया न्यूज।

रायपुर। राजधानी रायपुर के लाखे नगर स्थित बिजली कार्यालय में गुरुवार को स्मार्ट मीटर के जरिए आ रहे कथित मनमाने और अत्यधिक बिजली बिलों को लेकर उपभोक्ताओं का आक्रोश फूट पड़ा। बड़ी संख्या में उपभोक्ता अपनी शिकायतें लेकर कार्यालय पहुंचे, लेकिन सुनवाई नहीं होने से नाराज लोगों ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री कन्हैया अग्रवाल को मौके पर बुलाया। उपभोक्ताओं की समस्याएं सुनने पहुंचे कन्हैया अग्रवाल ने अधिकारियों की अनुपस्थिति और कथित संवेदनहीनता पर नाराजगी जताई। इसके बाद वे पीड़ित उपभोक्ताओं के साथ बिजली कार्यालय परिसर में धरने पर बैठ गए। करीब डेढ़ घंटे तक चले विरोध प्रदर्शन के बाद बिजली विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को हस्तक्षेप करना पड़ा। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि स्मार्ट मीटर के कारण बिजली बिलों में हुई तीन से पांच गुना तक की वृद्धि की शिकायतों की जांच की जाएगी। यदि किसी प्रकार की गड़बड़ी पाई जाती है तो संबंधित बिलों में सुधार किया जाएगा। साथ ही जांच पूरी होने तक किसी भी उपभोक्ता का बिजली कनेक्शन नहीं काटने का भरोसा भी दिया गया। धरने के दौरान कन्हैया अग्रवाल ने राज्य सरकार और बिजली विभाग पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटर के माध्यम से आम जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाला जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उपभोक्ताओं की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो भविष्य में बिजली विभाग के मुख्यालय का घेराव किया जाएगा। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक और प्रभावित बिजली उपभोक्ता शामिल रहे। इस दौरान उपभोक्ताओं ने बढ़े हुए बिजली बिलों की निष्पक्ष जांच और त्वरित समाधान की मांग की।

स्वामी आत्मानंद स्कूलों में छत्तीसगढ़ी में एमए पास विद्यार्थियों को नियुक्ति में दी जाए प्राथमिकता : रोहित साहू

लोकमाया न्यूज।

रायपुर। स्वामी आत्मानंद स्कूलों में छत्तीसगढ़ प्रदेश में छत्तीसगढ़ी भाषा को प्राथमिकता देने के लिए जहां छग भाषा आयोग का गठन किया गया है। वहीं राज्य निर्माण के 26 वर्षों बाद भी अब तक छत्तीसगढ़ी में एमए पास विद्यार्थियों को शासकीय शालाओं में नियुक्ति में प्राथमिकता नहीं मिली है। ज्ञातव्य है कि पं. रविशंकर शुक्ल विवि में एमए छत्तीसगढ़ी का कोर्स चालू है एवं उसमें प्रति वर्ष अनेक विद्यार्थी अध्ययनरत है। इस संबंध में सीनियर एवं प्रथम बैच पास आउट छत्तीसगढ़ी एमए रोहित साहू ने चर्चा के दौरान स्वामी आत्मानंद स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति छग में पासआउट विद्यार्थियों को प्रथम प्राथमिकता देकर करने की मांग मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र साहू से की है।

गौरतलब है कि इस संबंध में शिवघाट पुराना सरकंडा बिलासपुर निवासी पं. नंदकिशोर शुक्ल ने तो बकायदा छग को प्राथमिक स्कूलों में लागू करने के लिए छग बाना पहनकर अनेक वर्षों से सायकल चलाकर अभियान चलाया है। वे कई बार रायपुर प्रेस क्लब में भी आकर पत्रकारों के समक्ष छत्तीसगढ़ी को प्राथमिक स्कूलों में लागू करवाने की मांग को लेकर पत्रकारवार्ता वार्ता कर चुके है। ज्ञातव्य है कि पं. शुक्ल राष्ट्रीय स्वयं संघ के पुराने मप्र के सबसे पुराने कार्यकर्ता है। संघ प्रमुख बाला साहब देवरस सहित उन्होंने अनेक संघ प्रमुखों के साथ कार्य किया है। रोहित साहू ने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा सरकार प्रदेश एवं केंद्र में है। उसके बावजूद भी संघ कार्यकर्ताओं की विष्णुदेव सरकार उपेक्षा कर रही है। जबकि छत्तीसगढ़ी आदिवासी मुख्यमंत्री होने के नाते उन्हें प्रदेश के स्कूलों में छत्तीसगढ़ी भाषा में स्नातकों को तत्काल प्रभाव से नियुक्ति देनी चाहिए।

छत्तीसगढ़ में परिवहन विभाग का विशेष अभियान 350 वाहनों की जांच, 5.50 लाख का जुर्माना वसूला

लोकमाया न्यूज।

रायपुर। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग और माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के तहत छत्तीसगढ़ परिवहन विभाग द्वारा प्रदेशभर में सड़क सुरक्षा और यात्री सुरक्षा को लेकर एक विशेष जांच एवं प्रवर्तन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं को रोकना और सार्वजनिक परिवहन को सुरक्षित बनाना है। अभियान के दौरान अब तक लगभग 350 वाहनों की सघन जांच की जा चुकी है। नियमों की अनदेखी और विभिन्न अनियमितताएं पाए जाने पर वाहन स्वामियों से 5.50 लाख रुपए का समन शुल्क (जुर्माना) वसूल किया गया है। इसके साथ ही, नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन संचालकों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई भी की गई है। परिवहन आयुक्त श्री एस. प्रकाश ने राज्य के सभी क्षेत्रीय और जिला परिवहन अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में संचालित यात्री बसों, विशेषकर स्लीपर कोच बसों की कड़ाई से जांच करने के निर्देश दिए हैं। इस विशेष अभियान के तहत मुख्य बिंदुओं पर रूप से कार्रवाई की जा रही है। स्लीपर कोच बसों में चालक दल (क्रू) के लिए बनाए गए अनधिकृत विभाजनों (पार्टीशन) और स्लीपर बर्थ में लगाए गए अवैध स्लाइडरों को मौके पर ही हटाया जा रहा है। सभी बसों में सुरक्षा के लिहाज से न्यूनतम 10 किलोग्राम क्षमता के अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जा रही है। बसों में जीपीएस की उपलब्धता और उसकी कार्यशीलता को परखा जा रहा है। साथ ही, निर्धारित मानकों के विपरीत बनी श्बस बॉडीश् के खिलाफ भी कानूनी कदम उठाए जा रहे हैं।

आधुनिक जीवन शैली व तनावमुक्त जीवन पर विशेष व्याख्यान

साइंस के साथ साइलेंस का समन्वय ही तनाव मुक्त जीवन की कुंजी...

- अतीत की बातों को भूलकर वर्तमान में जीना सीखें...
- संवाद की कमी से पारिवारिक दूरियाँ तनाव पैदा कर रही है...

लोकमाया न्यूज।

रायपुर। आज के आधुनिक युग में जहाँ विज्ञान ने हमें असीमित साधन और सुविधाएँ दी हैं, वहीं मनुष्य मानसिक शांति और मानवीय संवेदनाओं से दूर होता चला गया है। आज के भागमभाग भरे जीवन में हम प्ले बटन दबाकर बिना किसी उद्देश्य के भाग रहे हैं। हम विराम (पॉज) लगाना भूल गए हैं। आज जीवन में तनाव इस कदर व्याप्त हो चुका है कि लोगों को तनाव न होने पर भी तनाव होने लगता है।

यह विचार भीनमाल (राजस्थान) की ब्रह्माकुमारी गीता दीदी ने इन्दिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित व्याख्यान सत्र में व्यक्त किए। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा आयोजित इस कार्यकम में कृषि विश्वविद्यालय की डीन आरती गुहा, विद्यार्थी कल्याण के डीन डॉ. संजय शर्मा और ब्रह्माकुमारी अदिति सहित बड़ी संख्या में कृषि वैज्ञानिक व छात्र उपस्थित थे।

उन्होंने आगे कहा कि आजकल हमारा जीवन हमेशा प्ले मोड पर रहता है और हम बिना किसी उद्देश्य के एक ऐसी दौड़ में भाग रहे हैं जिसका कोई अंत नहीं है। इस अंधी दौड़ ने समाज के हर वर्ग और हर उम्र के व्यक्ति को तनाव से भर दिया है। तनाव हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है।

उन्होंने तनाव के कारणों की चर्चा करते हुए यह स्पष्ट किया कि बहुत से लोग वर्तमान में जीने के बजाय अतीत की उन बातों का चिंतन करते रहते हैं जिन्हें बदलना संभव नहीं है। इसका सबसे अच्छा समाधान यह है कि जिन चीजों को आप बदल नहीं सकते उन्हें स्वीकार करे और जिन्हें स्वीकार नहीं कर सकते उन्हें बदलने का प्रयास करें। दुनिया में कोई भी ऐसा ताला नहीं बना जिसकी चाबी न हो। हर समस्या का समाधान मौजूद है। बस धैर्य की आवश्यकता है। श्रीमद् भगवत गीता का संदर्भ देते हुए उन्होंने कहा कि जो कुछ भी हुआ उसे खुशी से स्वीकार करना मन की शांति के लिए आवश्यक है।

उन्होंने तनाव से छुटकारा पाने के लिए कुछ व्यावहारिक सुझाए भी दिए

- सात्विक आहार और सादा जीवन सात्विक और शुद्ध शाकाहारी भोजन- यह तन और मन दोनों को स्वस्थ रखने में सहायक है। हम उस भोजन को फेंक देते हैं जिसमें एक बाल (केश) होता है, फिर उस भोजन को कैसे ग्रहण कर सकते हैं जिसमें किसी का लाल (संतान) होता है?
- डिजिटल डिटॉक्स- सोने से कम से कम एक घंटा पहले मोबाइल और अन्य डिजिटल उपकरणों से दूरी बनाना गहरी नींद और बेहतर मानसिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है।
- अपने परिवार और मित्रों के साथ क्वालिटी टाइम बिताएं और अपनी भावनाओं को साझा करें।
- मेडिटेशन (ध्यान) परमात्मा से जुड़ने और मौन का अभ्यास करने से निर्णय लेने की क्षमता बढ़ती है और मन हल्का महसूस करता है।

बच्चों के हाथों में औजार नहीं, शिक्षा, संस्कार और सपनों की उड़ान होनी चाहिए : मंत्री राजवाड़े

लोकमाया न्यूज।

रायपुर। अंतर्राष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित, सम्मानजनक और खुशहाल बचपन प्रदान करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। बाल श्रम बच्चों के अधिकारों का हनन है, जो उनके शिक्षा, स्वास्थ्य और सर्वांगीण विकास के अवसरों को छीन लेता है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं। उनके हाथों में किताबें, खेल और रचनात्मक अवसर होने चाहिए, न कि श्रम का बोझ। किसी भी बच्चे से मजदूरी कराना उसके सपनों और संभावनाओं को सीमित करने के समान है। बाल श्रम केवल सामाजिक बुराई ही नहीं, बल्कि कानूनन दंडनीय अपराध भी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बच्चों को शिक्षा, सुरक्षा और संरक्षण का अधिकार दिलाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। बाल श्रम, बाल तस्करी और बच्चों के शोषण जैसी कुप्रथाओं के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। लेकिन इस अभियान को सफल बनाने के लिए समाज के प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। श्रीमती राजवाड़े ने नागरिकों से आह्वान किया कि यदि किसी बच्चे से अवैध रूप से कार्य कराया जा रहा हो, उसे शिक्षा से वंचित रखा जा रहा हो अथवा उसके साथ किसी प्रकार का शोषण या दुर्व्यवहार हो रहा हो, तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, महिला एवं बाल विकास विभाग या स्थानीय प्रशासन को दें।